रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--25 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—25

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-06102025-266654
CG-DL-W-06102025-266654

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 4—अक्तूबर 10, 2025 (आश्विन 12, 1947)
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4—OCTOBER 10, 2025 (ASVINA 12, 1947)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं. 455

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 963

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 7

भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 4475

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम. ..... *

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ. ..... *

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट. ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं). ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं. ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं). ..... *

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश. ..... *

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. 3117

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस *

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. ..... *

भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं. 1

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस. 5195

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक. ..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	455
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	963
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	7
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	4475
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	3117
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	5195
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2025

सं. 62-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-88733वाई कैप्टन लालरिनाओमा साईलो, 4 पैरा (विशेष बल)

कप्तान लालरिनाओमा साईलो ने 11 दिसम्बर 2021 को भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त किया और चतुर्थ छाताधारी पलटन (विशेष बल) में शामिल हुए। श्रीनगर के घने जंगली इलाके में तीन आतंवादियों के छुपे होने की खूफिया सूचना मिलने के बाद एक आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन चलाया गया।

कप्तान साईलो ने टीम का नेतृतव करते हुए कठिन इलाको और घने जंगल से टीम को 15 घंटे तक चलाकर नियत स्थान तक पहुंचाया।

घने जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान, कप्तान साईलो ने एक सन्धिगध गतिविधि देखी। रणनितिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपने स्क्वाड को तुरंत रोका और संदिग्ध क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया।

40 मीटर की दूरी पर उन्होंने झाड़ियों के नीचे एक गुप्त ठिकाना देखा। बिना देरी किए उन्होंने अपनी टीम को पुनः व्यवस्थित कर एक सुरक्षित घेरा बनाया और मिनी आर पी वी से खतरे का विश्लेषण किया।

उन्होंने स्पष्ट रूप से उच्च श्रेणी के एक आतंकवादी की पहचान की, जो कि विगत दो वर्षों से सुरक्षा बलों पर कई आतंकी हमलों का मुखिया था। रणनीतिक संयमता दिखाते हुए उन्होंने आतंकवादियों पर सटीक फायरिंग से हमला किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, अत्यधिक साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए वह मुठभेड़ के दौरान आगे बढ़े और खूंखार आतंकी को मार गिराया। निर्भीकता, साहस व कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए प्रभावी गोलीबारी से उन्होंने बाकी आतंकवादियों को भी निष्प्रभावी कर दिया।

युद्ध कुशलता, अद्भुत बुद्धिमता और स्पेशल फोर्सेज की निपुणता को प्रदर्शित करने के लिए कप्तान लालरिनाओमा साईलो को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-91128डब्ल्यू लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी, दि सेना सेवा कोर/ 1 सिक्किम स्काउट्स (मरणोपरांत)

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी एक अत्यंत गतिशील और ऊर्जावान अधिकारी थे, जिन्होंने स्वेच्छा से उत्तरी सिक्किम के उच्च ऊँचाई वाले इलाकों में चुनौतीपूर्ण परिचालन गश्ती दल का नेतृत्व किया था।

गश्त के दौरान, मार्ग खोलते समय, एक साथी गश्ती दल का सदस्य अग्नीवीर स्टीफन सुब्बा एक खतरनाक तेज बहने वाली निम्फुइछु नदी को पार करते समय अपना संतुलन खो बैठा और नदी में फिसल गया। यह महसूस करते हुए कि वह बह जाएगा, अधिकारी ने अपने जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना जोखिम भरी नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने अपने तैराकी कौशल और ऊर्जा को चरम सीमा तक धकेला और अग्निवीर स्टीफन को पकड़ लिया। लेफ्टिनेंट शशांक ने तेज चट्टानों के कारण आई गंभीर चोटों के बावजूद, अपने अटूट धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ यह सुनिश्चित किया कि उनके अग्निवीर स्टीफन को किनारे की ओर धकेला, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि, अत्यधिक पानी की धाराओं के कारण, लेफ्टिनेंट शशांक किसी भी चीज को नहीं पकड़ पाए और अपने अधीनस्थ को बचाते समय अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। उनकी वीरतापूर्ण कार्यवाही भारतीय सेना के सौहार्द, निःस्वार्थ सेवा, अदिकारी और जवानों के बीच अटूट बंधन के मूल मूल्यों का एक शानदार उदाहरण है।

जीवन के लिए खतरा बने खतरों के सामने असाधारण वीरता, निःस्वार्थता और अडिग धैर्य दिखाने के लिए लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" पुरस्कार से सम्मानित जाता है।

3. 21009588वाई लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए, दि तोपखाना रेजिमेंट /34 राष्ट्रीय राईफल्स

लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए कुलगाम में एक ऑपरेशन के दौरन आंतरिक घेराबंदी का हिस्सा थे जिसके परिणामस्वरूप पांच कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए अपने साथी हवलदार देवेन्द्र कुमार के साथ आंतरिक घेरे में स्टॉप के रुप में तैनात थे। लगभग 0545 बजे, जैसे ही आतंकवादियों ने घेरा तोड़ने की हताश कोशिश की वे स्टॉप की ओर से बढ़ते हुए अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। साथी जोड़ी ने सटीक फायर से आतंकवादियों को रोका और नीचे गिरा दिया हालांकि भीषण गोलीबारी में लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए के चेहरे और दाहिने कंधे पर गोली लगी। उन्होंने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद विशुद्ध साहस मन की दृढ़ता और असाधारण निशानेबाजी का परिचय देते हुए एक आतंकवादी को रोका और उसे भीषण नजदीकी गोलीबारी में मार गिराया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान श्रेणी सी के रूप में हुई, जो 2019 में जम्मू बस स्टैंड पर नागरिकों पर सनसनीखेज ग्रेनेड हमले तथा सुरक्षा बलों पर कई आतंकी हमलों में शामिल था।

अपने अदम्य भावना साहस और असाधारण वीरता के लिए और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराने के लिए लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

4. 4594379एम सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर, दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

अनंतनाग जिले के एक गाँव में सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर एक सुरक्षा घेराबंदी व खोजी अभियान का हिस्सा थे।

1615 बजे सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर ने अपने ऑपरेशन मित्र नायब सुबेदार बीरेंद्र सिंह के साथ घेरे में व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। इन्होंने पूरे घेराबंदी को सचेत किया और चतुराई से अपनी जगह बेहतर कर आतंकवादियों को भागने से रोका। चुनौती देते ही आतंकवादियों ने इन पर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरु की, जिस पर इन्होंने भारी और सटीक गोलाबारी से जवाबी कार्यवाही की और आतंकवादियों की घेराबंदी से भागने की कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने बुद्धितीय, बहादुरी और चतुर दिमाग का प्रदर्शन करते हुए, गोलीबारी के दौरान अपनी स्थिति सुविधाजनक स्थान में बदली और दो कट्टर आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया।

जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर द्वारा मारे गए दो आतंकवादियों की पहचान श्रेणी ए और श्रेणी सी के आतंकवादियों के रूप में की गई।

सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर ने भारतीय सेना की सच्ची परम्परा के अनुसार अपना सर्वोच्चतम बलिदान दिया । इस अदम्य साहस, कर्तव्यपरायणता, अनुकरणीय वीरता के लिए सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर को कीर्ति चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाता है।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 63-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वीर चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-69077एन कर्नल कोशांक लाम्बा, 302 मीडियम रेजिमेंट

कर्नल कोशांक लाम्बा ने त्रुटिहीन नेतृत्व का प्रदर्शन किया और बहुत ही कम समय में ऑपरेशन के लिए विशिष्ट उपकरण बैटरी की पहली तैनाती को गुप्तता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिससे समय पर अंतर-कमांड इंडक्शन सुनिश्चित हुआ।

अधिकारी को उसके विशाल अनुभव के कारण कम समय में भेजा गया और वह ऑपरेशन के सबसे कठिन लक्ष्यों में से एक के अधिग्रहण और विश्लेषण में सहायक सिद्ध हुआ। उनके तकनीकी कौशल और उपकरणों की रणनीतिक जानकारी, समयबद्ध प्रयासों एवं मिशन की तीव्र तैयारी ने एक सामान्य प्रशिक्षण यूनिट को पांच दिनों के भीतर एक मिशन-तैयार यूनिट में बदल दिया।

जब यूनिट को उत्तरी कमान में एक, समन्वित सटीक फायर मिशन का संचालन करना था, तो अधिकारी ने निगरानी और फायरिंग के बावजूद अत्यधिक साहस का परिचय देते हुए आश्चर्यजनक हमला किया।

भारी बमबारी की जवाबी कार्यवाही के दौरान कमांडिंग ऑफिसर ने व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए एक गन से दूसरी गन तक जाकर अपने सैनिकों को प्रेरित किया और मिशन को सफलता दिलाई। उनके मजबूत नेतृत्व और साहस ने फायरिंग के बीच आतंकवादी शिविरों के विनाश में सफलता दिलाई, जिससे बड़ी संख्या में आतंकवादियों को समाप्त किया गया।

भारतीय सेना की परम्परा के अनुसार गोलाबारी के बीच असआधारण वीरता, पराक्रम और साहस का प्रदर्शन करने के लिए कर्नल कोशांक लाम्बा को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-72358पी लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट, 1988 (स्वतंत्र) मीडियम बैटरी

लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट ने अधिकारी कमान के रूप में, एक ऑपरेशन के दौरान असाधारण साहस, नेतृत्व और संचालन कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी यूनिट का नेतृत्व करते हुए आतंकवादी कैंप का सम्पूर्ण विनाश कर सफलता प्राप्त की।

उन्होंने उपग्रह चित्रण का उपयोग करके आतंकवादी ठिकानों के सटीक निर्देशांक निर्धारण किये। कार्यान्वयन विधियों पर वरिष्ठ कमांडरों को सूचित किया तथा अपनी टुकड़ी को कठोर अभ्यास भी करवाया, जिससे गन क्षेत्र से सुरक्षित व शीघ्र निकास संभव हो।

उन्हें आतंकी ठिकानों पर आक्रमण हेतु आदेश मिलने पर घने अंधेरे में अपनी यूनिट को सुचारु रूप से तैनात किया। व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता किए बिना और अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए उन्होंने नेतृत्व करते हुए लक्षित ठिकानों का सम्पूर्ण विनाश किया। जवाबी बमबारी के खतरे के बावजूद उन्होंने सभी सैनिकों की समयबद्ध निकासी सुनिश्चित की।

पुनः उन्हें एक लक्ष्य को बर्बाद करने हेतु आदेश मिला। उन्होंने बिना विलंब किए अपनी यूनिट को तैयार किया व अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक कुशल नतृत्व करते हुए लक्ष्य को बर्बाद किया।

असाधारण बहादुरी, अडिग नेतृत्व और अतुलनीय साहस के लिए लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

3. जेसी-524528वाई नायब सूबेदार सतीश कुमार, 4 डोगरा

एक ऑपरेशन के दौरान नायब सूबेदार सतीश कुमार ने मोर्टार पोजीशन कंट्रोलर के रूप में नियंत्रण रेखा पर एक ऑपरेशन के दौरान अनुकरणीय नेतृत्व, सामरिक कौशल और अटूट साहस का परिचय दिया।

हमारी चौकियाँ भीषण तोप और मोर्टार गोलाबारी की चपेट मे आई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए नायब सूबेदार सतीश कुमार ने मोर्टार प्लाटून का नियंत्रण अपने हाथ में लिया। असाधारण सामरिक दक्षता और युद्ध क्षेत्र की जानकारी का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने सजगता से सटीक जवाबी फायर का निर्देशन किया। उनकी कमान के तहत, मोर्टार टुकड़ियों ने कई स्थानों पर फायर किया व लक्ष्य को बर्बाद किया, दो निगरानी कैमरों को नष्ट कर दिया और दुश्मन को भारी नुकसान पहुँचाया। इसके अलावा, उनके द्वारा किये गये काउंटर बोम्बर्डमेंट और काउंटर मोर्टार ऑपरेशन ने दुश्मन के मोर्टार ठिकानों को प्रभावी रुप से दबा दिया, जिससे दुश्मन पर सामरिक बढ़त सुनिश्चित हुई और अपने मोर्टार प्लाटून को किसी भी प्रकार की हानि या हताहत से पूरी तरह सुरक्षित रखा।

पूरी मुठभेड़ के दौरान नायब सूबेदार सतीश कुमार ने धैर्य के साथ काम लिया। शांत नेतृत्व और निर्णायक कार्यवाही के माध्यम से अपनी टुकड़ी को प्रेरित किया। उनका आचरण भारतीय सेना की बेहतरीन परम्पराओं को कायम रखता है और दूसरों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। अडिग संकल्प, व्यक्तिगत साहस, व्यावसायिकता और असाधारण वीरता का प्रदर्शन करने के लिए नायब सूबेदार सतीश कुमार को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

4. 9124126एफ राईफलमैन सुनील कुमार, 4 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री (मरणोपरांत)

राइफलमैन सुनील कुमार को 7वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल की सीमा चौकी खारकोला में संपर्क टुकड़ी के रूप में तैनात किया गया था।

रणबीर सिंह पुरा सेक्टर में सीमा पार से भारी गोलीबारी की सूचना मिली। राइफलमैन सुनील कुमार ने अपने बंकर के बेहद करीब एक सशस्त्र खतरे को देखा। उन्होंने लाइट मशीन गन की मारक क्षमता में खतरे के प्रति तुरंत सचेत किया। संभावित सशस्त्र पेलोड और चौकी पर उससे जुड़े खतरे को देखते हुए, राइफलमैन सुनील कुमार ने खतरे से निपटने का प्रयास किया। बंकर की संरचना और घने पेड़ों की कतार के कारण जब उक्त सशस्त्र खतरा विफल हो गया, तो राइफलमैन सुनील ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बंकर से बाहर निकलकर प्रभावी ढंग से उससे मुकाबला किया और अपनी लाइट मशीन गन से उसे मार गिराया। हालाँकि, मुठभेड़ के दौरान, राइफलमैन सुनील कुमार कई छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और वीरगति को प्राप्त हो गए।

कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण साहस के लिए, राइफलमैन सुनील कुमार को "वीर चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया गया है।

5. 28181, ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान उनके अजेय लड़ाकू वायुयान से लैस स्क्वाड्रन को चिन्हित ठिकानों पर स्ट्राईक मिशन के लिए चुना गया तथा उनके स्क्वाड्रन ने ठिकानों पर सफलतापूर्वक स्ट्राईक किया तथा वांक्षित लक्ष्य प्राप्त किये।

बतौर कमांडिंग अफसर, ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु ने अनेक अवसरों पर शौर्य का प्रदर्शन किया एवं एक जटिल तथा अत्यंत जोखिम भरे युद्ध के माहौल में अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना ड्यूटी के प्रति दृढ़ नेतृत्व एवं अटूट समर्पण का प्रदर्शन किया। उन्होंने पश्चिमी सेक्टर के साथ-साथ तीन अलग-अलग स्थानों से न केवल अपने स्क्वॉड्रन के एयर ऑपरेशनों की योजना एवं कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया बल्कि उन्हीं के समान स्ट्राइक मिशनों के लिए उड़ान भर रहे अपनी फोर्सेस की सहायता में सर्जिकल प्रीसीज़न एवं एयर डिफेंस मिशनों के साथ निर्धारित लक्ष्यों को तबाह करने के लिए अनेक डीप-पेनीट्रेशन स्ट्राइक मिशनों के लिए उड़ान भरते हुए सक्रिय रूप से नेतृत्व किया। प्रत्येक मिशन में उन्होंने जटिल जोखिम परिस्थितियों एवं लेयर्ड एयर डिफेंस का सामना किया। अत्यंत विषम परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने विरोधी की गोलीबारी के सामने अदम्य साहस एवं असाधारण रणनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया जिससे मिशन की सर्वांगीण सफलता सुनिश्चित हुई। युद्ध की योजना बना रहे स्टॉफ के साथ उनके निरंतर संपर्क एवं सलाह ने व्यापक मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की। उभरते ख़तरों एवं ऑपरेशनल वैरिएबल्स के अनुरूप ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु ने विरोधी की गोलीबारी के सामने हवा में डायनामिक एवं रियल-टाइम निर्णय लिए। उनके स्क्वॉड्रन के

एडी कवर के अंतर्गत मिशन में लगे अपने सशस्त्र बलों का बचाव सुनिश्चित करते हुए गोलीबारी के समक्ष उनका साहसपूर्ण नेतृत्व एवं संयम निर्धारित स्ट्राइक परिणामों को हासिल करने में सहायक सिद्ध हुआ।

अपने मिशन के अतिरिक्त वह स्क्वॉड्रन कार्मिकों को प्रेरित करने, उत्साह बढ़ाने एवं पेशेवर रूप से उनका मार्गदर्शन करने में पूरी तरह समर्पित रहे। यूनिट के कमांडिंग अफसर के रूप में उन्होंने प्रारंभिक कार्य को कार्यान्वित किया एवं असाधारण नेतृत्व के साथ मिशन को संपन्न किया। उन्होंने ऑपरेशनों के दौरान अपनी कमान के अंतर्गत तैनात सभी अफसरों एवं वायुसैनिकों को वायुयान को लंबी अवधि तक युद्ध के लिए तैयार एवं सेवायोज्य बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके नेतृत्व वाली स्क्वॉड्रन के अंतर्गत भारतीय वायुसेना एक आक्रामक स्थिति एवं सुस्पष्ट परिणाम हासिल करने में सक्षम हुई। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

6. 28462, ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा, शौर्य चक्र, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, इन्होंने मिशन लीडर के रूप में एक अनऐस्कोर्टेड स्ट्राइक पैकेज का नेतृत्व पूर्व निर्धारित लक्ष्यो जिनकी उन्नत हथियार प्रणालियों से कड़ी सुरक्षा की गई थी को ध्वस्त करने के लिए किया। विरोधी के एयरोस्पेस में निर्बाध रेडार कवरेज था, जो दिन-रात दृश्य रेंज से परे वाली अत्याधुनिक लॉन्ग रेंज मिसाइलों से सुसज्जित वायुयानों द्वारा संरक्षित थे। इस प्रतिकूल एवं खतरे से भरे घेरे को भेदने का अवसर सीमित था और वेपन की डिलीवर का लॉन्च विंडो बहुत कम था। इनकी प्रोफाइल में देर रात में कम ऊंचाई पर आक्रामक युक्तिचालन करते हुए सामरिक फॉर्मेशन रूटिंग शामिल थी ताकि वेपन्स को सटीकता से डिलिवर कर लॉन्च पैरामीटरों को हासिल किया जा सके तथा विरोधी के सुरक्षा उपायों से बचा जा सके।

विरोधी के बड़ी संख्या में उपस्थित होने के बावजूद, इन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के स्थान पर राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए पूर्व निर्धारित लक्ष्यों पर अपने हथियारों से हमला किया। हथियारों के प्रयोग के समय, वे विरोधी के घातक रेंज में थे और इन पर कई हवाई और जमीनी हमले हो रहे थे। इन्होंने न केवल लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट करना सुनिश्चित किया, बल्कि अपनी फॉर्मेशन को सुरक्षित रखा और अपने विंगमैन की सुरक्षा भी सुनिश्चित की। ऑपरेशन के दौरान, इनकी साहसी और आक्रामक मैनोवरिंग ने विरोधी को रणनीतिक अव्यवस्था में डाल दिया। इनका हमला इतना तीव्र था कि विरोधी में जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता ही नहीं बची। इन्होंने अपना संयम बनाए रखा और मिशन पर ध्यान केन्द्रित रखने में सफल रहे, जिससे स्ट्राइक टीम ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की और कोई भी क्षति नहीं हुई। स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर के रूप में, ये संघर्ष के दौरान अपनी यूनिट के सभी कार्मिकों का मनोबल और मानसिक संतुलन को बनाए रखने में भी सफल रहे।

इनके जोशीले नेतृत्व, रणक्षेत्र कौशल प्रबंधन और साहस ने न केवल इनकी यूनिट के अन्य पायलटों में बल्कि सभी वायु योद्धाओं में भी आत्मविश्वास बढ़ाया। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा, शौर्य चक्र, को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

7. 28689, ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, अफसर सामरिक एस ए एम (SAM) स्क्वॉड्रन की कमान संभालते हुए एक फॉरवर्ड एयरबेस में तैनात थे। निर्दिष्ट दिवस को, इन्होंने अपनी टीम का जोश के साथ सही मार्गनिर्देशन करते हुए असाधारण नेतृत्व प्रदर्शित किया जिसका परिणाम स्वयं को कोई क्षति पहुंचाए बिना दुश्मन की क्षमताओं पर एक निर्णायक प्रहार तथा व्यापक पैमाने पर नुकसान के रूप में सामने आया।

इस ऑपरेशन के दौरान अफसर के योगदान महत्वपूर्ण थे क्योंकि इन्होंने एक बहुत बड़े इलाके पर निगरानी रखी और दो फायरिंग यूनिटों का नेतृत्व किया। अपनी दृढ़ एकाग्रता, अथक प्रयास और जटिल समस्याओं के नए तरीके से समाधान निकालने की योग्यता के बलबूते इन्होंने विरोधी की तीव्र गोलाबारी का सामना किया और अपने उपस्करों की रक्षा करते हुए विरोधी को भारी नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन के दौरान, कमांडिंग अफसर के रूप में इनकी यूनिट ने अनेक हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाया। यूनिट ने विरोधी को धोखा देने के लिए तेजी से स्थान परिवर्तित किया और आक्रामक रुख अपनाए रखा। इनकी यूनिट द्वारा की गई विध्वंसक कार्रवाई ने विरोधी के स्ट्राइक मिशन को विफल कर दिया।

ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी की दूरदर्शिता, सुव्यवस्थित योजना और समन्वय कौशल एक अग्रणी आक्रामक एयर डिफेंस ऑपरेशन के सफल संचालन में स्पष्ट थे। इसके अतिरिक्त, इनकी सतर्क निगरानी और कड़े सुरक्षा सेटअप में स्क्वॉड्रन ने उनकी ऑपरेशनल लोकेशन के पास एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) को गिरफ्तार किया। अफसर के अनुकरणीय नेतृत्व, अनुशासन और प्रबंधन कौशल ने पूरे ऑपरेशन के दौरान बिना किसी दुर्घटना के प्रभावी गोलाबारी सुनिश्चित की। स्क्वॉड्रन का उच्च मनोबल और सकारात्मकता इनकी कमान के अंतर्गत कार्मिकों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की योग्यता का एक प्रमाण है। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

8. 29889, ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, अल्प सूचना पर अफसर ने अपने वायुकर्मी दल तथा वायुयान को मिशन के लिए तैयार किया। निर्दिष्ट दिवस को, इन्होंने पूर्व निर्धारित ठिकानों को निष्क्रिय करने के लिए अनएस्कॉर्टिड स्ट्राइक पैकेज (unescorted strike package) के मिशन लीडर के रूप में उड़ान भरी। टार्गेट की आधुनिक हवाई रक्षा हथियार प्रणाली से अत्यंत सुरक्षित था एवं चुनौतीपूर्ण घेराबंदी को भेदने का अवसर सीमित था

तथा हथियार को लॉन्च करने की समय सीमा (लॉन्च विंडो) बहुत कम थी। इन्हें रास्ते की विषम मौसम परिस्थितियों से गुजर कर विरोधी के दो टार्गेटों को नष्ट करने का कार्य सौंपा गया। इनके कार्यों में लॉच मानकों को प्राप्त कर हथियारों से सटीक हमला करना तथा रक्षा प्रणाली से बचने के लिए अंधेरी रात में आक्रामक मैनूवरिंग करते हुए टैक्टिकल फॉर्मेशन रूटिंग करना शामिल था।

बड़ी संख्या में विरोधी की मौजूदगी के अलावा हवा में वायुयान में खराबी आने के बावजूद इन्होंने मिशन के लक्ष्यों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा से ऊपर रखते हुए सर्वप्रथम अपने पहले वेपन से लक्ष्य पर हमला किया। इन्होंने पहले लक्ष्य को हासिल किया तथा ये अपने दूसरे टार्गेट की ओर आगे बढ़े। जब ये हथियार को फायर करने के लिए तैयार कर रहे थे, सिस्टम ने खराब होने का संकेत दिया। अफसर निर्भीकता से विरोधी की घातक रेंज में उड़ान भरते रहे तथा कई हवाई तथा ग्राउंड हमलों से अपना बचाव किया। इन्होंने अपनी हथियार प्रणाली को रिसेट करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की तथा उसको पुन: ऑनलाइन ले आए। इन्होंने न केवल दूसरे टार्गेट को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया बल्कि अपने साथी विंगमैन की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया। मिशन अंत्यत जोखिम भरा था तथा इन्होंने नेतृत्व एवं मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया। इन्होंने तेजी से हवा में बचे एक टार्गेट को नष्ट करने का जिम्मा दूसरे फॉर्मेशन को देकर सभी टार्गेट को पूरी तरह से ध्वस्त किया।

स्क्वॉड्रन के फ्लाइट कमांडर के रूप में, इन्होंने ऑपरेशन के दौरान अपनी यूनिट के कार्मिकों का मनोबल बनाए रखा। ऑपरेशन के दौरान मिशन की योजना तथा परिसंपत्ति प्रबंधन की देखरेख करते हुए मिशन को पूरा करने के लिए यूनिट की तत्परता को सुनिश्चित किया। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

9. 30398, विंग कमांडर जॉय चन्द्रा, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, अफसर को पुर्वनिर्धारित लक्ष्यों पर सटीक हमला करने का कार्य सौंपा गया। इस ऑपरेशन में आधुनिक लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस एयर डिफेंस वायुयानों तथा सर्फेस टू एयर गाइडेड वेपन्स (एसएजीडब्ल्यू) को मिलाकर बने, विरोधियों के मजबूत नेटवर्क वाले एयर डिफेंस ग्रिड की उपस्थिति के कारण अत्यधिक जटिल योजना निर्माण, सटीक समन्वय, असाधारण एयरमैनशिप तथा वहां के मौजूदा हालात के संबंध में उच्च दर्जे की समझ अपेक्षित थी।

रेडारों द्वारा पता लगने से बचने के लिए फॉर्मेशन ने टैक्टिक्ल रूट पर कम उंचाई पर उड़ान भरी तथा मौका मिलते ही वेपन रिलीज करने के लिए उंचाई पर जा पहुंचे। जैसे ही मिशन आगे बढ़ा, स्ट्राइक पैकेज को त्वरित हवाई जवाबी कार्रवाई के रूप में एयर डिफेंस एयरक्राफ्ट तथा एसएजीडब्ल्यू द्वारा चुनौती का सामना करना पड़ा। हवा में तथा जमीन पर एक मजबूत नेटवर्क सहित खतरों से भरा प्रतिकूल परिवेश होने के बावजूद अफसर ने असाधारण साहस, अत्यधिक परिस्थितिजन्य समझ का प्रदर्शन किया तथा विरोधी के समक्ष इष्टतम निर्णय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए वेपन की सफलतापूर्वक डिलीवरी तथा लक्ष्य पर इसके टकराने तक सफलतापूर्वक गाइडेंस सुनिश्चित की।

पूरे मिशन के दौरान शस्त्र प्रणालियों की गंभीर मारक रेंज के भीतर होने के बावजूद ये पुर्वनिर्धारित लक्ष्यों को ध्वस्त करने तक शांत एवं एकाग्रचित बने रहे। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए विंग कमांडर जॉय चन्द्रा को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

10. 32748, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, मिशन प्लानिंग सेल के हिस्से के तौर पर, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार ने अनेक डीप स्ट्राइक मिशन के सैद्धांतिक/वैचारिक, समन्वयन और कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दृढ संकल्प, अटल निश्चय एवं पूर्ण गोपनीयता के साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया। अत्यंत सटीकता के साथ अति महत्वपूर्ण मिशन को तैयार करने में अपनी असाधारण विशेषज्ञता का प्रयोग करते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि टारगेटिंग योजना की प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक ध्यान में रखा गया। लक्ष्यों के विषय में उनकी योजनाबद्ध तैयारी और बारीक खुफिया जानकारियों का समावेशन, ऑपरेशनल जोखिमों को कम करते हुए मिशन को सफल बनाने में सहायक रहा।

स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार ने दो महत्वपूर्ण, उच्च-जोखिम भरे लॉन्ग रेंज स्टैंड ऑफ स्ट्राइक मिशनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्दिष्ट दिवस को, अत्यधिक दबाव के हालात में, अप्रत्याशित आत्मसयंम और अविरल दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने एक डीप स्ट्राइक मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके अलावा, अगले दिन, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार को एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक मिशन दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप विरोधी की महत्वपूर्ण हवाई क्षेत्र अवसंरचना को नष्ट किया गया, जिसके फलस्वरूप ऑपरेशनल क्षमताओं को कमजोर किया और प्रभावी तौर पर युद्ध लड़ने की क्षमता को पंगु बना दिया। विरोधी की लंबी दूरी की सतह-से-हवा में मार करने वाली हथियार प्रणालियों और नज़री दृश्यों से परे मिसाइलों के ख़तरों का सामने करने के बावजूद, उन्होंने इस मिशन को पूरे दृढ़ निश्चय से पूरा किया।

विरोधी की लड़ने की क्षमताओं को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाले हमलों के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में, इनकी कार्रवाइयों ने सभी बड़े ऑपरेशनल लक्ष्यों को प्राप्त करने में विशेष योगदान दिया और अंततः एक निर्णायक जीत दिलाई। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

11. 33900, स्क्वाड्रन लीडर सिद्धान्त सिंह, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, तीन वायुयानों के फॉर्मेशन को पुर्वनिर्धारित लक्ष्यों पर स्टैंड-ऑफ सटीक हमला करने का कार्य सौंपा गया। इसके लिए एक विशेष संरचना पर सटीक निशाना साधना आवश्यक था, जिसके लिए हथियार प्रणाली सहित सीमित स्टैंड-ऑफ क्षमताओं तथा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हथियार के सटीक नियंत्रण की आवश्यकता थी। इस ऑपरेशन में सुनियोजित योजना, उपयुक्त संयोजन, असाधारण उड़ान कौशल और उच्च स्तर की हवाई कुशलता की आवश्यकता थी, क्योंकि विरोधी के पास व्यापक रूप से विकसित और एकीकृत रक्षा प्रणाली मौजूद

थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की सर्फेस से एयर में मार करने वाली निर्देशित हथियार (SAGWs) और लंबी दूरी की Beyond Visual Range Missiles से लैस विरोधी के वायु रक्षा वायुयान शामिल थे।

प्रात:काल में, प्रीसीजन स्ट्राइक पैकेज के एक भाग के रूप में, अफसर ने योजनानुसार पूरी तैयारी के साथ उड़ान भरी। फॉर्मेशन ने सामरिक मार्ग पर कम ऊंचाई पर उड़ान भरी ताकि विरोधी के रेडार द्वारा पता न लगाया जा सके तथा मौका मिलने पर उन्होंने और ऊंचाई पर उड़ान भरी ताकि हथियारों से आक्रमण किया जा सके। जैसे–जैसे मिशन आगे बढ़ा, स्ट्राइक पैकेज को द्रुतगामी हवाई प्रतिक्रियाओं एवं Air Defence Aircraft और SAGWs के द्वारा चुनौती मिलने लगी। हवा और जमीन दोनों पर खतरों का नेटवर्क बिछा था और ऐसे माहौल के बावजूद भी, अफसर ने अदम्य साहस, असाधारण स्थिति संबंधी सजगता का परिचय दिया और उपयुक्त निर्णय लिया और हथियारों द्वारा सफलतापूर्वक आक्रमण करने और लक्ष्य तक पहुंचने में सफल मार्गदर्शन किया।

पूरे मिशन के दौरान, हथियार प्रणालियों के घातक रेंज के भीतर होने के बावजूद, उन्होंने पुर्वनिर्धारित लक्ष्यों को ध्वस्त किया एवं धैर्य बनाए रखा और लक्ष्य पर केंद्रित रहे। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए स्क्वाड्रन लीडर सिद्धान्त सिंह को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

12. 34563, स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान मलिक, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान मध्य रात्रि में, एक अन-एस्कॉर्टिड स्ट्राइक पैकेज के डिप्टी मिशन लीडर के रूप में उड़ान भरी। लक्ष्यों को नवीनतम एवं अत्यधिक शक्तिशाली वायु रक्षा शस्त्र प्रणाली द्वारा मज़बूती से सुरक्षित किया गया था। विरोधी एयरस्पेस में निर्बाध रेडार कवर था तथा यह चौबीसों घण्टे दृश्य रेंज से परे वाली अत्याधुनिक लॉन्ग रेंज मिसाइलों से लैस वायुयानों द्वारा रक्षित था। इस प्रतिकूल एवं खतरे से भरे घेरे को भेदने का अवसर सीमित था और वेपन की डिलीवरी का लॉन्च विंडों अत्यंत कम था। इनकी प्रोफाइल में देर रात में कम उंचाई पर आक्रामक युक्तिचालन करते हुए सामरिक फॉर्मेशन रूटिंग शामिल थी ताकि वेपन्स को सटीकता से डिलीवर कर लॉन्च पैरामीटरों को हासिल किया जा सके तथा विरोधी के सुरक्षा उपायों से बचा जा सके।

विरोधी की भारी संख्या में उपस्थिति के बावजूद, इन्होंने मिशन के उद्देश्यों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा से ऊपर रखते हुए आतंकवादी प्रशिक्षण केन्द्र पर अपना पहला वेपन फायर किया। वेपन की डिलीवरी के दौरान ये विरोधियों की घातक रेंज में थे और इन पर कई हवाई और ज़मीनी हमले हुए। ऐसी गंभीर स्थिति में भी इन्होंने निर्णय लेने की त्वरित क्षमता प्रदर्शित करते हुए सुनियोजित ऑरडनेन्स डिलीवरी के बाद सफलतापर्वक लक्ष्य को धवस्त किया। अफसर ने उच्च जोखिम वाले इंगेजमेंट क्षेत्र में उड़ान भरते हुए दूसरे लक्ष्य पर एक और हमला किया तथा एक अन्य लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट किया। फ्लाइट के हमले करने के चरण में इन्हें विरोधी के आक्रामक इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-मेजर्स द्वारा चुनौती दी गई, जिनसे ये सफलतापूर्वक बच निकले। ऑपरेशन के दौरान अफसर ने उग्र होते विरोधीपूर्ण उड़ान परिवेश के बीच कई मिशनों का नेतृत्व किया तथा लक्ष्यों पर शस्त्रों से हमले करके उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

इन्होंने विरोधियों को सामरिक अव्यवस्था की स्थिति में डालने के लिए अदम्य वीरता, रणनीतिक तौर पर अपनाये गए साहस तथा आक्रामक युक्तिचालन (मैन्युवरिंग) का प्रदर्शन किया। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान मलिक को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

13. 36433, फ्लाईट लेफ्टिनेंट आर्षवीर सिंह ठाकुर, उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान मध्य रात्रि में, एक अनएस्कार्टेड स्ट्राइक पैकेज के पार्ट के रुप में उड़ान भरी जिसमें उन्होनें पुर्वनिर्धारित लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए सटीक वेपन स्ट्राइक के साथ मिलिट्री ऑपरेशन की अगुआई की। लक्ष्य विरोधी की प्रभावी वायु रक्षा प्रणाली द्वारा संरक्षित थे। इस दुर्जेय भयावह दायरे को भेदने का अवसर सीमित था और इस पर आक्रमण करने का लॉन्च विंडो सीमित था। उन्होंने उसी रात्रि को अति महत्वपूर्ण लक्ष्य पर दो अनएस्कार्टेड एयरक्राफ्ट स्ट्राइक मिशन की अगुआई भी की।

उन्होंने विरोधी के भारी संख्या में होने के बावजूद अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को अनदेखा करते हुए, साहस के साथ अपने हथियारों को लक्ष्य पर फायर किया। असाधारण स्थिति संबंधी सटीक जागरुकता और साहस का प्रदर्शन करते हुए, वे अपनी फॉर्मेशन की अगुवाई, रात्रि में बेहद नीचे उड़ते हुए कर रहे थे। हथियार से आक्रमण करते समय उनकी फॉर्मेशन विरोधी की घातक रेंज में थी और उस पर वायु और जमीन से कई आक्रमण किए गए। उनकी फॉर्मेशन ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। ऑपरेशन के दौरान उनकी साहसिक और आक्रामक रुप से आगे बढ़ने से विरोधी के लिए परेशानी उत्पन्न हुई। इनके आक्रमण ने विरोधी पर विध्वंसकारी प्रभाव ड़ाला जिससे विरोधी उनका सामना करने में अक्षम हो गया। उन्होंने अपना धैर्य और मिशन फोकस बनाए रखा, जिससे कि स्ट्राइक टीम बिना किसी नुकसान के अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाई। पूरे ऑपरेशन के दौरान, ये क्षेत्र और लक्ष्य विश्लेषण और मिशन प्लानिंग में सक्रिय रुप से सम्मिलित थे।

मिशन की समग्र सफलता में उनके दृढ़ निश्चय ने अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए फ्लाईट लेफ्टिनेंट आर्षवीर सिंह ठाकुर को "वीर चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

14. 870027370 उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तयाज, सीमा सुरक्षा बल (मरणोपरांत)

15. 214005316 कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम, सीमा सुरक्षा बल (मरणोपरांत)

उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तयाज के साथ कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम और 07 बीएन बीएसएफ के 05 कर्मियों बीओपी खारकोला में तैनात किया गया था ।

बीओपी खारकोला पर पूरी रात सीमा पार से मोर्टार गोलाबारी/फ्लैट ट्रैजेक्टरी फायर के साथ भारी गोलीबारी हुई। उप निरीक्षक इम्तयाज और जवानों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

हवाई हमले का ख़तरा भांपते ही, उप निरीक्षक (जीडी) इम्तयाज ने चतुराई से कमांड बंकर से बाहर निकलकर ख़तरों को देखा। उन्होंने एलएमजी ली और गोली चलाकर एक ख़तरे को नाकाम कर दिया। कांस्टेबल (जीडी) दीपक ने भी दूसरे ख़तरे पर एलएमजी से गोली चलाई।

सीमा पार से दागा गया मोर्टार गोला मोर्चा के पास फट गया , जिससे उप निरीक्षक (जीडी) इम्तियाज और कांस्टेबल (जीडी) दीपक को कई गंभीर चोटें आई।

उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तयाज, मोर्चे पर नेतृत्व करते हुए, गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें उनके हाथ-पैर टूट गए, पेट में चोट लगी और गर्दन व बांहों पर छर्रे के गहरे घाव हो गए। अपनी घातक स्थिति के बावजूद, उन्होंने आदेश देना और अपने सैनिकों को प्रेरित करना जारी रखा, और कहा: " जवानों , आज ख़त्म कर दो इनको ", उप निरीक्षक मोहम्मद इम्तयाज ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम को भी सीने पर कई गंभीर चोटें आईं और टिबिया की हड्डी टूट गई। लेकिन अपने साथी को छोडकर निकलने से इनकार कर दिया और लड़ाई जारी रखी। कांस्टेबल दीपक चिंगाखम ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तयाज और कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम को “वीर चक्र” (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाता है।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 64 -प्रेज/2025—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-75018एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला, 19 सिख

रेखा नियंत्रण को आतंकवादियों के एक समूह द्वारा संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर, लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला के नेतृत्व में एक घात दस्ता लगाया गया।

उनकी निगरानी टीम ने 14 जुलाई 2024 को 1445 बजे तीन आतंकवादियों को देखा और पूर्व चेतावनी दी। अत्यधिक मानसिक दबाव के बावजूद उत्कृष्ट सूझ-बूझ दिखाते हुए इन्होंने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तुरंत अपने सैनिकों को समायोजित किया।

1510 बजे, जैसे ही आतंकवादी हत्या क्षेत्र में दाखिल हुए, उन्होंने उन पर भारी गोलीबारी की। पहले आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला और उनके साथियों पर ग्रेनेड फेंका। अपने साथियों के लिए खतरे को महसूस करते हुए, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, अधिकारी भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आतंकवादी की ओर बढ़े और उसे नजदीक से मार डाला। गोलीबारी के दौरान वह दूसरे आतंकवादी के आमने-सामने आ गए और सटीक गोलीबारी में आतंकवादी को मार डाला।

खुद लड़ते हुए भी उन्होंने ऑपरेशन को पूरी तरह से नियंत्रण में रखा और तीसरे आतंकवादी के खात्मे में सहायता की, जो उनके साथियों पर फायर कर रहा था। अधिकारी ने अपने साथियों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और ऑपरेशन को सफल किया। इस ऑपरेशन में तीन भारी हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

उनके अदम्य साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व और बिना अपने किसी नुकसान के ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए, लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-81649डब्ल्यू मेजर भार्गव कलिता, दि कुमाऊँ रेजिमेंट / 50 राष्ट्रीय राईफल्स

मेजर भार्गव कलिता ने अक्टूबर 2022 से बटालियन द्वारा आयोजित तीन सफल ऑपरेशन में भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप तीन आतंकवादी मारे गए और चार ओवरग्राउन्ड वर्कर्स को जिंदा पकड़ा गया। 02 दिसम्बर 2024 को, ठोस सूचना मिलने पर मेजर कलिता ने सीमित समय में नेतृत्व करते हुए एक अचूक घात लगाया, जिसके फलस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

रणनीतिक कौशल व सर्वोच्च आश्चर्य सुनिश्चित करते हुए उन्होंने आतंकवादी को लगाए हुए घात में प्रवेश करने दिया। आतंकवादी के नजदीक आने पर मेजर कलिता ने उसे विधिवत चुनौती दी, जिसके फलस्वरूप आतंकवादी ने उनकी पार्टी पर अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए भागने का प्रयास किया। मेजर कलिता ने सटीक फायरिंग से जवाब दिया और आतंकवादी के भागने के प्रयास को विफल कर दिया। सामने से नेतृत्व करते हुए अपने घात दल को पुनः सुनियोजित किया, जिससे आतंकवादी के भागने के प्रयास को रोका जा सका। इसके बाद, उन्होंने अपने दल को निर्देश दिए कि आतंकवादी पर गहन निगरानी रखें व प्रभावी फायर से दबाकर रखें। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना और भीषण खतरे के बावजूद, मेजर कलिता रेंगते हुए छिपे हुए आतंकवादी के नजदीक पहुंचे व अदम्य साहस का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात् निकटतम मुकाबले में उस आतंकवादी

को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान ए++ श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई जो कि निर्दोष नागरिकों की हत्या और सुरक्षा बलों पर अनेक हमलों में शामिल था।

उनके अद्वितीय वीरता, साहसी योजना, अनुकरणीय नेतृत्व और उच्च जोखिम वाले अभियान के कुशल निष्पादन के लिए, मेजर भार्गव कलिता को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

3. आईसी-83864ए मेजर आशीष कुमार, 7 पैरा (विशेष बल)

मेजर आशीष कुमार ने अनंतनाग में 01-02 नवंबर 2024 को एक ऑपरेशन के दौरान असाधारण नेतृत्व और बहादुरी का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप दो कट्टर आतंकवादी मार गिराए गए।

अपने दस्ते का नेतृत्व कर रहे अधिकारी ने आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले संभावित मार्गों का अनुमान लगाया और घने जंगल और पहाड़ी इलाके में 96 घंटे निगरानी रखते हुए घात लगाई। आतंकवादियों की हरकतों का पता चलने पर, अधिकारी ने अपना संयम बनाए रखते हुए स्काउट्स को आतंकवादियों की हरकतों पर नजर रखने का आदेश दिया । आतंकवादियों के पास हथियार की सकारात्मक पहचान होने पर और जब वे दस्ते के स्थान से बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर थे, तो उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आतंकवादियों को चुनौती दी जिन्होंने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी।

तंकवादियों ने संपर्क तोड़ने का भरपूर प्रयास किया, मेजर आशीष कुमार ने अदम्य साहस और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, आतंकवादियों के पास जाकर उन पर प्रभावी गोलीबारी की। उन्होंने पूरे दस्ते, सहायक हथियारों और स्नाइपर टुकड़ियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से समन्वय किया और दोनों आतंकवादियों को मार गिराया।

मेजर आशीष कुमार के नेतृत्व और बहादुरी ने दो कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया, जिसमें श्रेणी ए++ आतंकवादी, जो जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों पर कई हमलों के लिए जिम्मेदार था। मेजर आशीष कुमार को उनकी अदम्य हिम्मत और बहादुरी के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

4. आईसी-87240एल मेजर आदित्य प्रताप सिंह, एसएम, दि राजपुताना राईफल्स, 44 असम राईफल्स

मेजर आदित्य ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में उग्रवादियों के भारी हथियार-लैस समूह की घुसपैठ और बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों पर बम विस्फोट और हमला करने की खबर मिलने पर एक ऑपरेशन शुरु किया।

भारत-म्यांमार सीमा पर कठोर मौसम और अमानवीय परिस्थितियों में बहत्तर घंटे निगरानी करके अधिकारी ने 25 अक्टूबर 2024 को नाले के पास उग्रवादियों के समूह को ढूंढ निकाला। रणनैतिक कौशल और युद्धकला से अपने दल का अग्रणी नेतृत्व करते हुए अपने जवानों पर गंभीर खतरे को महसूस किया तब अपनी जान की परवाह किए बिना वह कट्टर उग्रवादियों के नजदीक बढ़े जहाँ उग्रवादियों ने तीस मीटर से उनपर भयंकर गोलाबारी शुरू कर दी। निर्भीक-दृढ़ अधिकारी ने रेंगते हुए सभी उग्रवादियों पर भारी मात्रा में गोलीबारी करते हुए अकेले ही खूंखार और मोस्ट वांटेड उग्रवादी को मार गिराया, जिसके पास भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई।

अद्वितीय पराक्रम और कर्तव्य की पराकाष्ठा से ऊपर निःस्वार्थ सेवा तथा उग्रवादी हमले को निष्काम करने के लिये मेजर आदित्य प्रताप सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

5. एआर-425वाई सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफिक, 26 असम राईफल्स

सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफिक मोहम्मद शफिक ने कई बाधाओं के बावजूद उच्च स्तर की बहादुरी, अनुकरणीय सामरिक कौशल और सूजबूझ का परिचय देते हुए एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया।

05 नवंबर 2024 को 26 असम राईफल्स का क्षेत्र प्रभुत्व गश्ती दल चंतावाड़ी गाँव में पहुँचा और आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी की चपेट में आ गया। गश्ती दल ने तुरंत गोलीबारी का जवाब दिया और आतंकवादियों ने पास के घर में शरण ली। यह सूचना प्राप्त होने पर अतिरिक्त टुकड़ियों को तुरंत संपर्क स्थान पर भेजा गया और सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफिक शफिक के नेतृत्व में एक टुकड़ी को लक्ष्य घर के उत्तर पूर्व हिस्से में तैनात किया गया। जब गोलीबारी जारी थी तभी लगभग 2015 बजे अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया। सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफिक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना व अपनी सैन्य टुकड़ी के ऊपर बिना किसी नुकसान के, भारी गोलीबारी के बीच आतंकवादी के पास जाकर उसे बहुत करीब से मार गिराया और भारी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद की।

अदम्य साहस, सर्वोच्च नेतृत्व और असाधारण सामरिक कौशल का परिचय देते हुए ए+++ श्रेणी के आतंकवादी को मार गिराने के लिए सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफिक को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

6. जेसी-414986एम सूबेदार शमशेर सिंह, 4 पैरा (विशेष बल)

सूबेदार शमशेर सिंह 15 जनवरी 2000 को भारतीय सेना में शामिल हुए और 05 जुलाई 2008 को चतुर्थ छाताधारी पलटन (विशेष बल) का हिस्सा बने। श्रीनगर जिले के एक घने जंगली इलाके में तीन उच्च कोटि के आतंकवादियों को खोजने व मार गिराने के लिए एक आतंकविरोधी ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें सूबेदार शमशेर सिंह को दूसरे स्कवाड कमांडर के रूप में नामांकित किया गया था।

अँधेरी रात में बेहद पतली पहाडियों और चट्टानों को पार करते हुए, सूबेदार शमशेर सिंह ने सुबह होने से ठीक पहले अपनी टुकड़ी को प्रभावी स्थान में पहुंचाया। घोर सन्नाटे के बावजूद, उन्होंने अचूक नियंत्रण का परिचय देते हुए नामित क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया।

जैसे ही आतंकवादियों के साथ प्रारंभिक सम्पर्क स्थापित हुआ और प्रमुख दस्ते द्वारा दो आतंकवादियों को मार गिराया गया, सूबेदार शमशेर सिंह अपने क्षेत्र को साफ़ करते हुए अचानक भीषण गोलीबारी की चपेट में आ गये। असाधारण सूझबुझ और युद्ध क्षेत्र में संयम का परिचय देते हुए, उन्होंने तुरंत उस स्थान की पहचान की जहाँ एक आतंकवादी छुपा हुआ था और जो प्रमुख दस्ते के लिए एक खतरा बना हुआ था। उन्होंने खुदको दुश्मन की सीधी गोलीबारी के बीच पुन: स्थापित किया और अपनी टीम को वास्तविक समय में सटीक निर्देश दिए जिससे खतरे को प्रभावी ढंग से समाप्त किया जा सका।

आगामी निकट मुठभेड़ में, दुश्मन की गोलीबारी का सामना करते हुए, सूबेदार शमशेर आगे बढे और एक सटीक और घातक हमला किया जिसमे तीसरा आतंवादी ढेर हो गया।

गोलीबारी के बीच अद्वितीय साहस, कर्त्तव्य के प्रति समर्पण और समझदारी का प्रदर्शन करने के लिए सूबेदार शमशेर सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

7. 2712274डब्ल्यू लांस नायक राहुल सिंह, 4 पैरा (विशेष बल)

लांस नायक राहुल सिंह 16 दिसंबर 2015 को भारतीय सेना में शामिल हुए और 04 अप्रैल 2018 को पैराशूट रेजिमेंट की चतुर्थ छाताधारी पलटन (विशेष बल) का हिस्सा बने। श्रीनगर जिले के एक घने जंगली इलाके में तीन उच्च कोटि के आतंकवादियों को खोजने व मार गिराने के लिए एक आतंकविरोधी ऑपरेशन चलाया गया, लांस नायक राहुल उस दस्ते का प्रमुख हिस्सा थे, जिन्हें घने जंगली इलाके को साफ करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

अटल साहस और बेमिसाल फील्डक्राफ्ट का प्रदर्शन करते हुए लांस नायक राहुल रात के अँधेरे में घनी झाड़ियों और खतरनाक इलाके से आगे बढे। लगभग 0930 बजे जब वे जंगल में प्राकृतिक बाधाओं को दूर कर रहे थे, तब उन्होंने एक हलचल देखी। उन्होंने सावधानीपूर्वक क्षेत्र का परीक्षण किया और एक ताजे पैरों के निशान की पहचान की। इसके बाद उन्हें और अधिक संकेत मिले, जिससे आंतकवादियो की उपस्थिति की पुष्टि हुई। उन्होंने इन संकेतों का पीछा करते हुए आतंकवादी ठिकानो को खोज निकाला एवं तुरंत अपने स्क्वाड कमांडर को सूचित किया।

आगे बढ़ते समय प्रख्यात खतरे का एहसास होने पर उन्होंने तुरंत आतंकी ठिकाने के बारे में अपने दस्ते को सूचित किया और निकटतम आतंकवादी पर सटीक गोलाबारी की। उनकी तीव्र कारवाही ने एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया।

उनकी निर्णायक कारवाही और निडर प्रतिक्रिया ने न केवल अपने सैनिकों को हताहात होने से बचाया, बल्कि टीम को शुरू से ही मुठभेड़ में हावी होने में सक्षम बनाया। उसकी वीरता, सूझबुझ और युद्ध कौशल ने तीनो आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराने की नीव रखी।

लांस नायक राहुल सिंह को उनकी वीरतापूर्ण कार्यवाही, दृढ़ बहादुरी और गोलाबारी के दौरान असाधारण लड़ाकू क्षमता के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

8. जी/5009749ए राईफलमैन भोज राम साहू, 3 असम राईफल्स

15 नवंबर 2024 को भारत म्यांमार की सीमा रेखा के पास घुसपैठ की सूचना प्राप्त होने पर एक टुकड़ी को घुसपैठ विरोधी दस्ते को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया। राईफलमैन भोज राम साहू एक स्काउट की भूमिका निभा रहे थे और उनका दस्ता एक सघन विस्फोटक फायर की चपेट में आ गया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की पहवाह न करते हुए वे तेजी से फायर करते हुए विद्रोही की तरफ आगे बढ़े और अपनी कारगर सटीक फायरिंग के द्वारा उनको उलझाए रखते हुए दो विद्रोहियों को घायल कर दिया।

विद्रोहियों ने अपने घायल साथियों को बाहर निकालने के लिए राईफलमैन भोज राम साहू के दस्ते पर अंधाधुंध फायरिंग शुरु कर दी। इस फायरिंग में राईफलमैन भोज राम साहू को एक गोली लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद भी राईफलमैन भोज राम साहू ने फायरिंग जारी रखी और एक अन्य विद्रोही को घायल कर दिया। उनकी साहसिक व निडर कार्यवाही ने विद्रोहियों को भारत म्यांमार सीमा से भागने के लिए मजबूर कर दिया। खूफिया तकनीकि द्वारा तीन विद्रोहियों के मारे जाने की पुष्टि की। खोज अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार व अस्ला-बारूद बरामद किया गया तथा भागने के रास्ते में खून के निशान पाए गए।

अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए राईफलमैन भोज राम साहू को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

9. 09213-N लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर

लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर (09213-N) ने 05/06 नवंबर 2024 को एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (CASO) शुरू किया, जिसमें अधिकारी ने अनुकरणीय साहस और नेतृत्व का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक पाकिस्तानी आतंकवादी (ग्रेड A++) का सफलतापूर्वक सफाया हुआ और युद्ध सामग्री बरामद हुई।

चुंटावाड़ी गाँव के एक घर में छिपे दो आतंकवादियों पर, आतंकवादियों द्वारा अपने ही सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर ने लक्ष्य क्षेत्र के बेहद करीब एक सुविधाजनक स्थान की पहचान करके और उस पर कब्ज़ा करके अदम्य साहस और उत्कृष्ट फील्ड स्किल का परिचय दिया।

घेरे में फँसे एक आतंकवादी ने घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, जिससे उनके ही सैनिकों को गोली लग गई, हालाँकि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर ने तुरंत स्थिति की गंभीरता को भांप लिया और निडर होकर छिपे हुए दूसरे आतंकवादी पर जानबूझकर निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने अपनी सेना को भी समय पर सूचित किया। परिणामस्वरूप, लगभग 20:25 बजे अपनी सेना द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इसके बाद, अधिकारी ने सूर्योदय तक लक्ष्य क्षेत्र की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की और बाद में एक संयुक्त दल का नेतृत्व किया जिसने युद्ध जैसे भंडार बरामद किए।

अधिकारी का आचरण सामान्य कर्तव्य से कहीं बढ़कर था और उन्होंने विशिष्ट वीरता का प्रदर्शन किया जो सेवा की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप है। लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

10. 254831-N राम गोयल, सी I (एमसी)

राम गोयल, सी I (एमसी), 254831एन को 24 जुलाई से 24 दिसंबर तक जम्मू और कश्मीर के उत्तरी नौसेना टुकड़ी में तैनात किया गया था। ऑपरेशन चुन्तावाड़ी के दौरान, 05/06 नवंबर को उन्होंने असाधारण साहस का परिचय देते हुए श्रेणी A++ के एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया।

वे भारी गोलीबारी के बीच लक्षित घर से 50 मीटर की दूरी पर एक क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए ज़िम्मेदार थे, जहाँ दो आतंकवादी छिपे हुए थे।

राम गोयल, सी I (एमसी) ने अत्यधिक सामरिक परिपक्वता का परिचय दिया और लक्षित घर में छिपे दूसरे आतंकवादी को पकड़ने के लिए कई बार निडरता से अपनी आड़ तोड़ सटीक गोलीबारी की। इसके बाद, उन्होंने सूर्योदय तक लक्ष्य घर की निरंतर निगरानी की और सुनिश्चित सुबह, अपने साथी के साथ लक्ष्य घर में प्रवेश कर सफाई की, जिसके परिणामस्वरूप निष्प्रभावी आतंकवादियों के शव बरामद हुए और कई युद्ध जैसे सामान बरामद हुए।

कर्तव्य से परे, चतुर सामरिक कौशल, अदम्य साहस और विशिष्ट वीरता का प्रदर्शन करने के लिए, राम गोयल, एसईए I (एमसी), 254831-एन को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

11. 30725, विंग कमांडर अभिमन्यु सिंह, उड़ान (पायलट)

21 नवंबर 24 को इन्हें कैप्टन के तौर पर अपने मूल बेस से दूर किसी अन्य स्थान पर घनी काली रात तथा बहुत कम दृश्यता की स्थिति में एक प्रशिक्षणाधीन पायलट के ड्यूअल चेक (Dual Check) का कार्य सौंपा गया। आफ्टरबर्नर्स का उपयोग करते हुए एक अपवर्ड टर्न का अभ्यास करते समय स्टीप नोज अप (steep nose up) स्थिति में पिछली कैनोपी 5.5 कि.मी. ऊपर क्षतिग्रस्त हो गई जिससे केबिन में एक्सप्लोसिव डिकम्प्रेशन (Explosive Decompression) हुआ। कैनोपी के कई टुकड़े इनके हेलमेट, चेहरे तथा दाईं कोहनी पर जोर से टकराए जिसके कारण हेलमेट मुड़ गया, वाइजर टूट गया तथा इनका सिर सीट हेडरेस्ट से जोर से टकराया। भीषण वायु विस्फोट के कारण शक्तिशाली सक्शन निर्मित हुआ तथा इनका बायां कंधा कैनोपी की रेलिंग से कई बार टकराया।

कॉकपिट के अंदर अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों, एरोमेडिकल कठिनाइयों एवं घायल होने के बावजूद पायलट ने वायुयान की तेजी से रिकवरी के लिए सतर्कता के साथ सटीक तथा निश्चित समयबद्ध कार्रवाई प्रारंभ की। असाधारण कौशल के साथ पायलट जान-माल तथा वायुयान की क्षति के गंभीर खतरे से बच निकलते हुए वायुयान को नियंत्रित करने में सफल रहे। तेज हवा के कारण उनका खून तेजी से बहने लगा तथा खून के छींटे आंखों पर आने के कारण इन्हें देखने में भी काफी कठिनाई होने लगी। इन्हें अपने चहरे तथा बाएँ कंधे में असहनीय दर्द महसूस हुआ तथा इनकी दाहिनी कोहनी सुन्न पड़ने लगी। अत्यधिक कष्ट के कारण इन्होंने फ्रंट पायलट से वायुयान को बेस की ओर ले चलने को कहा। विंड ब्लास्ट के कारण थ्रॉटल आगे की ओर फिसलता रहा लेकिन इन्होंने नियंत्रण बनाए रखा। जैसे ही वायुयान बेस के नज़दीक पहुंचा इनका दर्द असहनीय हो गया। विंग कमांडर अभिमन्यु के दाहिने हाथ में अकड़न सी आने लगी तथा इन्हे बेहोशी तथा कमजोरी महसूस होने लगी। फ्रंट-पायलट के कम अनुभवी होने, कम दृश्यता वाली स्थिति (फ्रंट पायलट की रेटिंग के भीतर न होना) व इसके साथ-साथ सिविल आबादी से समीपता जैसी स्थितियों को समझकर इन्होंने वायुयान को स्वयं नियंत्रित करते हुए अनुकरणीय साहस तथा समर्पण का प्रदर्शन किया एवं असाधारण उड़ान कौशल प्रदर्शित करते हुए निर्बाध लैंडिंग करने में कामयाब रहे।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने धैर्य, साहस तथा पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन किया। वायुयान को सुरक्षित रूप से रिकवर कर इन्होंने न केवल बहुमूल्य राष्ट्रीय परिसंपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि सिविलियन जान-माल की रक्षा करते हुए एक संभावित दुर्घटना होने से भी बचा लिया। अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए विंग कमांडर अभिमन्यु सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

12. 145310461 सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन, सीआरपीएफ

05 नवंबर, 2024 को जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में ऊंचाई पर स्थित चट्टावाड़ी-कैट्सन के जंगलों में भारी हथियारों से युक्त दो विदेशी आतंकवादियों (एफटी) की मौजूदगी की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इस खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, कमांडेंट तृतीय बटालियन, सीआरपीएफ ने 26 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस, बांदीपोरा के साथ मिलकर एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाने की योजना बनाई। तदुपरांत, सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से पूरी तैयारी के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए 1650 बजे अपने लक्ष्य की ओर प्रस्थान किया।

तय योजना के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान, लगभग 1700 बजे, आतंकवादियों और 26 असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। आतंकवादियों के छिपने के संभावित ठिकाने का पता चलने पर, सीआरपीएफ, असम राइफल्स और एसओजी/जम्मू व कश्मीर पुलिस की संयुक्त टुकड़ियों ने संदिग्ध ढांचे के चारों ओर मजबूत रणनीतिक घेराबंदी शुरू कर दिया।

तृतीय बटालियन, सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन ने प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य क्षेत्र के उत्तर-पूर्व दिशा में रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाला और अत्याधुनिक असॉल्ट राइफलों से युक्त आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, असाधारण धैर्य के साथ अपनी जगह पर डटे रहे। जब यह पता चला कि आतंकवादी एक घर के अंदर छिपे हुए हैं और प्रवेश द्वार को तोडना ज़रूरी है, तो सिपाही/ जीडी सद्दाम हुसैन ने अपनी जान की परवाह किए वगैर, भीषण गोलीबारी के बीच लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया और बड़ी सटीकता के साथ यूबीजीएल राउंड फायर करके लक्ष्य को भेदने का कार्य किया।

सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन ने अदम्य साहस और असाधारण बहादुरी का परिचय देते हुए सिर्फ 25 मीटर की दूरी से यूबीजीएल से सटीक राउण्ड दागा, जो सीधे एक आतंकवादी को लगा जिसके कारण वह आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में, शेष बचे आतंकवादियों को खत्म करने के अभियान के दौरान, वह आतंकी मृत पाया गया।

सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन ने अपनी जान की परवाह किए वगैर साहसिक और निर्णायक कार्रवाई करते हुए भारी हथियारों से युक्त विदेशी आतंकवादी को ढेर करने में अदम्य साहस का परिचय दिया और ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित की।

अत: सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन, तृतीय बटालियन, सीआरपीएफ के द्वारा प्रदर्शित असाधारण वीरता, अदम्य साहस, कर्तव्य परायणता और ड्यूटी के प्रति समर्पण के असाधारण शौर्य प्रदर्शन को मान्यता देते हुए उन्हें "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

13. 115342883 सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार, सीआरपीएफ

02 नवंबर 2024 को लगभग 0245 बजे, पुलिस थाना खानयार के अंतर्गत ठग मोहल्ला क्षेत्र में एक विदेशी आतंकवादी की मौजूदगी की सूचना मिलने पर, तय योजना के अनुसार, सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार ने अपनी टीम के साथ तेजी से एक अभेद्य घेरा बनाया, और लक्षित मकान के बाएं हिस्से में फायरबेस 3 पर स्वयं मुस्तैद हुआ।

जैसे ही तलाशी शुरू हुई, लक्षित मकान से उनके फायरबेस की ओर दुश्मन की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार ने निर्णायक रूप से कवर लिया और रणनीतिक रूप से जवाबी गोलीबारी की । गतिरोध को तोड़ने, डाउन टाउन में कानून-व्यवस्था की समस्याओं को बढ़ने से रोकने एवं खतरे को बेअसर करने के लिए रूम इंटरवेंशन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, ताकि आतंकी के भागने की किसी भी संभावना को रोका जा सके।

रूम इंटरवेंशन अभियान हेतु तीन आक्रमण दल का गठन किया गया जिसमे वे अग्रणी आक्रमण दल का हिस्सा थे। वो स्वयं बैलिस्टिक शील्ड के साथ दूसरे स्थान पर तैनात हुए। आक्रमण दल ने समन्वित रूप से आगे बढ़ते हुए, मुख्य लोहे के द्वार से लक्षित मकान में प्रवेश किया और कैटरपिलर मूवमेंट और लीपफ्रॉग तकनीकों का उपयोग करते हुए, वे घर की ओर बढ़े। जैसे ही वे प्रवेश द्वार के पास पहुँचे, टीमों पर ग्रेनेड हमलों सहित भारी गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार ने खुद को बचाने के लिए बैलिस्टिक शील्ड का इस्तेमाल किया और "फायर एंड मूव" रणनीति के साथ आगे बढ़ना जारी रखा। सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार धीरे-धीरे आगे बढ़े और भारी गोला बारी के बीच लक्षित मकान के मुख्य प्रवेश द्वार के पास डटे रहे। चूंकि दरवाजा थोड़ा खुला था, जिस कारण आंतकवादी द्वारा दो ग्रेनेड उसकी तरफ फैंके, जिनके फटने के परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र घने काले धुएं और मलबे से ढक गया। सीमित दृश्यता के बावजूद, उन्होंने बैलिस्टिक शील्ड का उपयोग करके खुद को सुरक्षित रखा। गोलीबारी के दौरान, सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार के दाहिने पैर में गोली लग गई। गोली लगने के बावजूद, सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, दुश्मन के ठिकानों पर गोली दागी और एक मिनट से भी कम समय में आतंकवादी को मार गिराया। बायीं ओर से उनकी सटीक और एकीकृत क्लोज-क्वार्टरस बैटल (सीक्यूबी) फायरिंग खतरे को बेअसर करने में निर्णायक साबित हुई।

एक करीबी लड़ाई में गोली लगने के बावजूद, गंभीर एवं आसन्न खतरे का सामना करते हुए रूम इंटरवेंशन हमले के दौरान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा/जीवन की परवाह न करते हुए, अदम्य साहस ,असाधारण वीरता, विशिष्ट बहादुरी के प्रदर्शन की मान्यता में, सिपाही/जीडी फिदा हुसैन डार को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

14. 115069477 सिपाही/जीडी संजय तिवारी, सीआरपीएफ

02 नवंबर 2024 को लगभग 0245 बजे, पुलिस थाना खानयार के अंतर्गत ठग मोहल्ला क्षेत्र में एक विदेशी आतंकवादी की मौजुदगी की सूचना मिलने पर, तय योजना के अनुसार, सिपाही/जीडी संजय तिवारी एवं उनकी टीम ने तेजी से एक अभेद्य घेरा बनाया, और लक्षित मकान के बाएं हिस्से में फायरबेस 3 पर स्वयं मुस्तैद हुए।

जैसे ही तलाशी शुरू हुई, लक्षित घर से उनके फायरबेस की ओर दुश्मन की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी संजय तिवारी ने निर्णायक रूप से कवर लिया और रणनीतिक रूप से जवाबी गोलीबारी की। गतिरोध को तोड़ने, डाउन टाउन में कानून-व्यवस्था की समस्याओं को बढ़ने से रोकने एवं खतरे को बेअसर करने के लिए रूम इंटरवेंशन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, ताकि आतंकी के भागने की किसी भी संभावना को रोकने के लिए अंधेरे का सहारा लिया जा सके।

तय योजना के अनुसार, रूम इंटरवेंशन अभियान हेतु तीन आक्रमण दल का गठन किया गया जिसमे वे अग्रणी आक्रमण दल का हिस्सा थे। आक्रमण दल समन्वित रूप से लक्षित मकान के लोहे के मुख्य द्वार की ओर बढ़ते हुए एक-दूसरे को कवर फायर प्रदान किया। कैटरपिलर मूवमेंट और लीपफ्रॉग तकनीकों का उपयोग करते हुए, जैसे ही वे प्रवेश द्वार के पास पहुँचे, टीमों पर ग्रेनेड हमलों सहित भारी गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी संजय तिवारी ने "फायर एंड मूव" रणनीति के साथ आगे बढ़ना जारी रखा। भारी गोला बारी के बीच सिपाही/जीडी संजय तिवारी धीरे-धीरे आगे बढ़े और लक्षित घर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास डट गए। चूंकि दरवाजा थोड़ा खुला था, जिस कारण आंतकवादी द्वारा दो ग्रेनेड उसकी तरफ फैंके, जिनके फटने के परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र घने काले धुएं और मलबे से ढक गया। सीमित दृश्यता के बावजूद, उन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा और बैलिस्टिक शील्ड का उपयोग करके खुद को सुरक्षित रखा। गोलीबारी के दौरान, सिपाही/जीडी संजय तिवारी के बांए घुटने और गर्दन के दाहिने तरफ और पेट के निचले हिस्से में गोली लगने के बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, दुश्मन के ठिकानों पर गोली दागी और एक मिनट से भी कम समय में आतंकवादी को मार गिराया। बायीं ओर से उनकी सटीक और एकीकृत क्लोज-क्वार्टरस बैटल (सीक्यूबी) फायरिंग खतरे को बेअसर करने में निर्णायक साबित हुई।

एक अत्यंत तीव्र लड़ाई में गोली लगने के बावजूद, गंभीर एवं आसन्न खतरे का सामना करते हुए रूम इंटरवेंशन हमले के दौरान, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा/जीवन की परवाह न करते हुए, अदम्य साहस ,असाधारण वीरता, विशिष्ट बहादुरी के प्रदर्शन की मान्यता में, सिपाही/जीडी संजय तिवारी को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

15. इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट, छत्तीसगढ़ पुलिस

दिनांक 16.04.2024 को छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बहीं मुठभेड इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में 187 जवानों की एक टीम द्वारा अंजाम दी गई।

एसएसपी कांकेर को प्राप्त एक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में एक अभियान शुरू किया गया। नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया था और लगभग 1300 बजे उन्होंने सुरक्षा बलों को मारने और हथियार व उपकरण लूटने के इरादे से भीषण गोलीबारी की। सुरक्षा बलों द्वारा गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने के सभी प्रयासों के बावजूद नक्सलियों ने लगातार गोलीबारी जारी रखी और सुरक्षा बलों को आत्मक्षा में गोलीबारी करने के लिए मजबूर किया।

लगभग 200 जवानों की जान दांव पर लगी होने के कारण स्थिति में अत्यधिक साहस और धैर्य की आवश्यकता थी। इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट ने मौके पर ही जवाबी रणनीति बनाई, उसे अपने साथियों तक पहुँचाने और लगभग पूरी तरह से कियान्वयन का समन्वय करने में कुशल व्यवहार और धैर्य का परिचय दिया। जवाबी घात रणनीति उत्कृष्ट और साहसिक थी, जिसने नक्सलियों को आश्चर्यचकित कर दिया।

तीन घंटे से ज्यादा समय तक गोलीबारी जारी रही जिसमें सुरक्षा बल के चार जवान घायल हो गए। कमांडर लक्ष्मण केवट ने गोलीबारी का जवाब देते हुए तत्काल बचाव योजना बनाई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लाए, जबकि नक्सलियों से मुठभेड जारी रही।

माओवादियों ने देशी और विभिन्न स्वचलित हथियारों से लगभग 1000-1200 राउण्ड 100-150 राउण्ड (बीजीएल) विस्फोटक से फायरिंग की और लगभग 15 (आईईडी) विस्फोट किए। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी कुल 6324 राउण्ड, 4 हथगोले और 5 (यूबीजीएल) दागे।

घटना के बाद घटना स्थल की घेराबंदी कर दी गई और तलाशी अभियान चलाया गया। 15 अज्ञात पुरुषों और 14 अज्ञात महिलाओं के शव बरामद किए गए, साथ ही 1 ए.के. 47 राइफल, 1 एसएलआर राइफल, 2 इंसास राइफल, 3 नग 3003 राइफल, 9 देशी राइफल, एक 315 बोर राइफल, एक 9 एमएम कार्बाइन, 2 देसी बीजीएल राइफल, 29 एमएम पिस्टल, 6 देसी बीजीएल बम, 4 डेटोनेटर, एक देसी ग्रेनेड और भारी मात्रा में कारतूस, नक्सली साहित्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएँ बरामद की गई। छत्तीसगढ़ के नक्सल अभियानों में यह बड़ी सफलता इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के आसाधारण साहस और आसाधारण नेतृत्व के कारण मिली।

अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

16. इंस्पेक्टर रामेश्वर देशमुख, छत्तीसगढ़ पुलिस

दिनांक 16.04.2024 को छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्य में 187 जवानों की एक टीम द्वारा अंजाम दी गई।

एसएसपी कांकेर को प्राप्त एक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में एक अभियान शुरू किया गया। नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया था और लगभग 1300 बजे उन्होंने सुरक्षा बलों को मारने और हथियार व उपकरण लूटने के इरादे से भीषण गोलीबारी की। सुरक्षा बलों द्वारा गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने के सभी प्रयासों के बावजूद नक्सलियों ने लगातार गोलीबारी जारी रखी और सुरक्षा बलों को आत्मरक्षा में गोलीबारी करने के लिए मजबूर किया।

लगभग 200 जवानों की जान दांव पर लगी होने के कारण स्थिति में अत्यधिक साहस और धैर्य की आवश्यकता थी। इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट ने मौके पर ही जवाबी रणनीति बनाई, उसे अपने साथियों तक पहुँचाने और लगभग पूरी तरह से कियान्वयन का समन्वय करने में कुशल व्यवहार और धैर्य का परिचय दिया। जवाबी घात रणनीति उत्कृष्ट और साहसिक थी, जिसने नक्सलियों को आश्चर्यचकित कर दिया।

तीन घंटे से ज्यादा समय तक गोलीबारी जारी रही जिसमें सुरक्षा बल के चार जवान घायल हो गए। कमांडर लक्ष्मण केवट ने गोलीबारी का जवाब देते हुए तत्काल बचाव योजना बनाई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लाए, जबकि नक्सलियों से मुठभेड़ जारी रही।

माओवादियों ने देशी और विभिन्न स्वचलित हथियारों से लगभग 1000-1200 राउण्ड 100-150 राउण्ड (बीजीएल) विस्फोटक से फायरिंग की और लगभग 15 (आईईडी) विस्फोट किए। जवाब में सुरक्षों बलों ने भी कुल 6324 राउण्ड, 4 हथगोले और 5 (यूबीजीएल) दागे।

घटना के बाद घटना स्थल की घेराबंदी कर दी गई और तलाशी अभियान चलाया गया। 15 अज्ञात पुरुषों और 14 अज्ञात महिलाओं के शव बरामद किए गए, साथ ही 1 ए.के. 47 राइफल, 1 एसएलआर राइफल, 2 इंसास राइफल, 3 नग 3003 राइफल, 9 देशी राइफल, एक 315 बोर राइफल, एक 9 एमएम कार्बाइन 2 देसी बीजीएल राइफल, 29 एमएम पिस्टल, 6 देसी बीजीएल बम, 4 डेटोनेटर, एक देसी ग्रेनेड और भारी मात्रा में कारतूस, नक्सली साहित्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएँ बरामद की गई। छत्तीसगढ़ के नक्सल अभियानों में यह बड़ी सफलता इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के आसाधारण साहस और आसाधारण नेतृत्व के कारण मिली।

अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए इंस्पेक्टर रामेश्वर देशमुख "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 65-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को संघर्ष/ शत्रुता के दौरान अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-47032एन लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, दि मद्रास रेजिमेंट, मुख्यालय उत्तरी कमान

2. आईसी-48989वाई लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम***, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (सेना)

3. 03081-ए वाईस एडमिरल संजय जसजीत सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत)

4. 18270, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

5. 18557, एयर मार्शल नगेश कपूर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

6. 18575, एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र, एवीएसएम, वीएसएम, उड़ान (पायलट)

7. 18781, एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 66 -प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को संघर्ष/ शत्रुता के दौरान असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "उत्तम युद्ध सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-43725एन लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, पीवीएसएम, एवीएसएम, दि राजपूत रेजिमेंट, मुख्यालय पश्चिमी कमान

2. आईसी-49469ए लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव, एवीएसएम, एसएम, दि पैराशूट रेजीमेंट, मुख्यालय 15 कोर

3. आईसी-49911ए लेफ्टिनेंट जनरल प्रसन्ना किशोर मिश्रा, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, मुख्यालय 16 कोर

4. 03350-एन वाईस एडमिरल तरूण सोबती, एवीएसएम, वीएसएम

5. 18554, एयर मार्शल मनीष खन्ना, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

6. 19162, एयर मार्शल प्रवीण केशव वोहरा, एवीएसएम, वीएम, उड़ान (पायलट)

7. 23214, एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी, वीएम, उड़ान (पायलट)

8. 24494, एयर कमोडोर प्रभात मलिक, वीएम, उड़ान (पायलट)

9. 26308, ग्रुप कैप्टन कामरान नज़ीर, उड़ान (पायलट)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 67-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को संघर्ष/ शत्रुता के दौरान उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "युद्ध सेवा मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-50744एफ मेजर जनरल संदीप सुदर्शन शारदा, एसएम, वीएसएम, दि डोगरा रेजिमेंट, एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (सेना)
2. आईसी-53119एल ब्रिगेडियर राकेश नायर, एसएम, वीएसएम, दि 9वीं गोरखा राईफल्स, एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (सेना)
3. आईसी-54465एन ब्रिगेडियर विवेक गोएल, दि सेना वायु रक्षा कोर, मुख्यालय 616 (स्वतंत्र) वायु रक्षा ब्रिगेड
4. आईसी-55861डब्ल्यू ब्रिगेडियर सुरजीत कुमार सिंह, एसएम, दि आसूचना कोर, मुख्यालय आसूचना और क्षेत्र सुरक्षा समूह
5. आईसी-56631पी ब्रिगेडियर सोनेंदर सिंह, एसएम, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, मुख्यालय 75 (स्वतंत्र) इन्फैन्ट्री ब्रिगेड ग्रुप
6. आईसी-57015एफ ब्रिगेडियर विवेक पुरी, एसएम, दि असम रेजिमेंट, मुख्यालय 19 इन्फैन्ट्री ब्रिगेड
7. आईसी-57727के ब्रिगेडियर मुदित महाजन, दि सिख रेजिमेंट, मुख्यालय 93 इन्फैन्ट्री ब्रिगेड
8. जेसी-390156पी सुबेदार विनोद कुमार, मुख्यालय 1 इलेक्ट्रॉनिक्स वॉरफेयर ब्रिगेड
9. जेसी-859489एच नायब सूबेदार रत्नेश्वर घोष, 152 वायु रक्षा रेजिमेंट
10. 03579-एच वाईस एडमिरल ए एन प्रमोद, एवीएसएम
11. 03857-आर रियर एडमिरल राहुल विलास गोखले, एनएम
12. 21209, एयर वाइस मार्शल ज़ोसफ़ स्वॉरेस, वीएम, उड़ान (पायलट)
13. 21809, एयर वाइस मार्शल, प्रज्जवल सिंह, वीएम, उड़ान (पायलट)
14. 21518, एयर कमोडोर शशि कांत, उड़ान (पायलट)
15. 22711, एयर कमोडोर सागर सिंह रावत, वीएम, उड़ान (पायलट)
16. 23177, एयर कमोडोर अशोक राज ठाकुर, वीएम, उड़ान (पायलट)
17. 24206, एयर कमोडोर प्रदीप बत्रा, उड़ान (पायलट)
18. 24514, एयर कमोडोर कंवल प्रीत सिंह धाम, वीएम, उड़ान (पायलट)
19. 24519, एयर कमोडोर देवाशीष कुकरेती, वीएम, उड़ान (पायलट)
20. 25081, एयर कमोडोर रोहित कपिल, वीएम, उड़ान (पायलट)
21. 25829, ग्रुप कैप्टन आलोक कुमार शर्मा, उड़ान (पायलट)
22. 26517, ग्रुप कैप्टन विकास वर्मा, वीएम, उड़ान (पायलट)
23. 26986, ग्रुप कैप्टन अंकित मेहरोत्रा, वीएम, उड़ान (पायलट)
24. 29823, विंग कमांडर गोबिंद सिंह, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 68-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "बार टू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-77496ए मेजर राहुल दत्ता, एसएम, दि तोपखाना रेजिमेंट, 6 राष्ट्रीय राईफल्स

2. 12984882पी सिपाही नदीम इकबाल साह, एसएम, 163 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 69-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-72013एन लेफ्टिनेंट कर्नल ठाकुर महेशसिंह रामशंकरसिंह, दि महार रिजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स
2. आईसी-72239वाई लेफ्टिनेंट कर्नल पलुगुल्ला मस्तान रेड्डी, पूर्वी कमान आसूचना बटालियन
3. आईसी-73706एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल परीक्षित पंवार, 12 महार
4. आईसी-75955पी लेफ्टिनेंट कर्नल मोहन सिंह, 4 राजपूत
5. टीए-42693के लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल ठाकुर, 160 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
6. आईसी-76453वाई मेजर जप्पनप्रीत सिंह, दि कवचित कोर, 22 राष्ट्रीय राईफल्स
7. आईसी-76601वाई मेजर सुमित ग्रोवाल, 9 पंजाब
8. आईसी-77134वाई मेजर शिलादित्य सिंह रनावत, 21 पैरा (विशेष बल)
9. आईसी-77752के मेजर हितेश सिंह वर्मा, 5 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
10. आईसी-79130एफ मेजर योगेश कुमार, दि तोपखाना रेजिमेंट, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
11. आईसी-79269वाई मेजर अंकुर यादव, 5 सिख
12. आईसी-80295एम मेजर शिवांक पाठक, दि मद्रास रेजिमेंट, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-81737एम मेजर अमित भाटी, 302 मीडियम रेजिमेंट
14. आईसी-82211एम मेजर धनन्जय जामवाल, दि ग्रेनेडियर्स, 29 राष्ट्रीय राईफल्स
15. आईसी-82774एम मेजर निखिल शर्मा, 4 पैरा (विशेष बल)
16. आईसी-83875एम मेजर अनुज महाजन, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 36 असम राईफल्स
17. आईसी-84078एन मेजर अमन धर, दि सिग्नल कोर, 22 राष्ट्रीय राईफल्स
18. आईसी-86329एल मेजर रोजर शोल कामु माऊ, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 43 असम राईफल्स
19. आईसी-87133के मेजर गगनदीप सिंह, 9 राष्ट्रीय राईफल्स
20. एसएस-51132डब्ल्यू मेजर स्वरूप अंजन बेहेरा, 5 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
21. आईसी-85959वाई कैप्टन वरूण चड्डा, 19 सिख
22. जेसी-431782डब्ल्यू सूबेदार मेजर पवन कुमार, दि पंजाब रेजिमेंट, 10 इन्फैन्ट्री ब्रिगेड कैंप (मरणोपरांत)
23. जेसी-285946एल सूबेदार प्रदीप कुमार, 278 मीडियम रेजिमेंट
24. जेसी-290293वाई सूबेदार गिरराज सिंह राजपुत, 1851 लाईट रेजिमेंट
25. जेसी-532556ए सूबेदार रोशन सिंह, 17 गढ़वाल राईफल्स
26. जेसी-857345एफ सूबेदार मनीष कुमार दुबे, 131 वायु रक्षा रेजिमेंट
27. जेसी-415332पी नायब सूबेदार राकेश कुमार, 2 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)
28. जेसी-434254एक्स नायब सूबेदार सतनाम सिंह, 30 पंजाब
29. जेसी-473152एक्स नायब सूबेदार अरविंद कुमार, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स

30. जेसी-572869एफ नायब सूबेदार बीरेन्द्र सिंह, दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स
31. जेसी-630823एम नायब सूबेदार प्रेम बहादुर सिंह, 5/9 गोरखा राईफल्स
32. जेसी-एनवाईए-15200866एल नायब सूबेदार सुरजा देब बर्मा, 1832 लाईट रेजिमेंट
33. 15781385वाई बटालियन हवलदार मेजर पवन सिंह, 49 वायु रक्षा रेजिमेंट
34. 15221294एच रेजिमेंट हवलदार मेजर अंकुर, 302 मीडियम रेजिमेंट
35. 14652187ए हवलदार सुनिल कुमार सिंह, 625 इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स बटालियन (मरणोपरांत)
36. 19003554पी हवलदार गुरप्रीत सिंह, 19 सिख
37. 2811710एल हवलदार मेदाडे विकास रामदास, 18 मराठा लाईट इन्फैन्ट्री
38. 3011455वाई हवलदार जसवंत सिंह, 4 राजपूत
39. 4580200एच हवलदार गोपाल प्रधान, 12 महार
40. 21000789डब्ल्यू लांस हवलदार मोरे संतोष भगवान, 34 (एम) फील्ड रेजिमेंट
41. 2706303के लांस हवलदार लागरिया दिनेशभाई पलाभाई, 12 ग्रेनेडियर्स
42. 4493353डब्ल्यू लांस हवलदार जोबनप्रीत सिंह, 13 सिख लाईट इन्फैन्ट्री
43. 13629683वाई नायक गुरजीत सिंह, 7 पैरा (विशेष बल)
44. 14942084एम नायक सुनील, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9 राष्ट्रीय राईफल्स
45. 15239507एन नायक गुरप्रीत सिंह, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
46. 19007816एक्स नायक भूपिंदर सिंह, 19 सिख
47. 19009039वाई नायक रोबिन सिंह, 19 सिख
48. 15239160एम लांस नायक दिनेश कुमार, 5 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
49. 15514509एम लांस नायक प्रदीप कुमार, 1 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)
50. 21014377ए लांस नायक अभिमान सिंह, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
51. 3212371एफ लांस नायक सुभाष कुमार, 7 जाट (मरणोपरांत)
52. 19005019एन सिपाही गुरजोध सिंह, दि सिख रेजिमेंट, 6 राष्ट्रीय राईफल्स
53. 12975104एच राईफलमैन हिलाल अहमद भट, 162 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) (मरणोपरांत)
54. 16030484एच राईफलमैन मोहित राठोड, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
55. 4100460पी राईफलमैन दिवाकर सिंह, 17 गढ़वाल राईफल्स
56. 9126692ए राईफलमैन नजूम उद दीन खान, 4 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
57. A1500528डब्ल्यू अग्निवीर कुलवीर सिंह, 7 सिख लाईट इन्फैन्ट्री
58. A3451489एच अग्निवीर मूड मुरलीनाईक, 851 लाईट रेजिमेंट (मरणोपरांत)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 70-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. 04935-आर कप्तान सुरज जेम्स रबेरा

2. 05025-डब्ल्यू कप्तान विकास गर्ग

3. 06156-आर कमांडर विवेक कुरियाकोस

4. 06239-बी कमांडर कपिल कुमार

5. 52743-डब्ल्यू कमांडर सौरभ कुमार

6. 222645-एन सी एच एम ई मनोज कुमार,

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 71-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "बार टू वायु सेना मेडल/एयरफोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. 29006, ग्रुप कैप्टन ओमार ब्राउन, वीएम, उड़ान (पायलट)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 72-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयरफोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. 27468, ग्रुप कैप्टन अंकुर हकीम, उड़ान (पायलट)

2. 27695, ग्रुप कैप्टन मानव भाटिया, उड़ान (पायलट)

3. 27970, ग्रुप कैप्टन यासिर फ़ारुक़ी, उड़ान (पायलट)

4. 28507, ग्रुप कैप्टन वरुण भोज, उड़ान (पायलट)

5. 28703, ग्रुप कैप्टन अनुराज सिंह मिन्हास, उड़ान (नेवीगेटर)

6. 29482, ग्रुप कैप्टन दीपक चौहान, उड़ान (पायलट)

7. 30176, ग्रुप कैप्टन कुणाल विश्वास शिंपी, उड़ान (पायलट)

8. 27237, विंग कमांडर रूपक रॉय, उड़ान (नेवीगेटर)

9. 27711, विंग कमांडर देवेन्द्र बाबासाहेब औताड़े, उड़ान (पायलट)

10. 28710, विंग कमांडर मयंक पालीवाल, उड़ान (पायलट)

11. 30215, विंग कमांडर दीपक डोगरा, उड़ान (पायलट)

12. 31122, विंग कमांडर रविंद्र कुमार, उड़ान (पायलट)

13. 31128, विंग कमांडर आदर्श गुप्ता, उड़ान (पायलट)

14. 32414, विंग कमांडर अभय सिंह भदौरिया, उड़ान (पायलट)

15. 32512, विंग कमांडर अमनदीप सिंह दिहोत, उड़ान (पायलट)

16. 33155, स्क्वाड्रन लीडर कौस्तुभ नलावड़े, उड़ान (पायलट)

17. 33473, स्क्वाड्रन लीडर मिहीर विवेक चौधरी, उड़ान (पायलट)

18. 33553, स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

19. 34860, स्क्वाड्रन लीडर मालपाटि एन वी नवीन कुमार, उड़ान (पायलट)

20. 34869, स्क्वाड्रन लीडर शुभम शर्मा, उड़ान (पायलट)

21. 36162, स्क्वाड्रन लीडर अमन सिंह, उड़ान (पायलट)

22. 36190, स्क्वाड्रन लीडर गौरव खोखर, उड़ान (पायलट)

23. 37114, फ्लाईट लेफ्टिनेंट ए नवीन चंदर, प्रशासन/फाईटर कंट्रोलर

24. 713610, सार्जेंट सुरेन्द्र कुमार, चिकित्सा सहायक (मरणोपरांत)

25. 714549, कार्पोरल वरुणकुमार एस, चिकित्सा सहायक

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 73-प्रेज/2025—राष्ट्रपति महोदया, सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा "मेंशन इन डिस्पेच" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देती हैं:—

291. आईसी-82030एफ मेजर अंकित शर्मा, दि ग्रेनेडियर्स, 29 राष्ट्रीय राईफल्स

292. आईसी-82110वाई मेजर आयुष नागपाल, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9 राष्ट्रीय राईफल्स

293. आईसी-82753डब्ल्यू मेजर दिग्विजय सिंह धड़वाल, दि नागा रेजिमेंट, 50 राष्ट्रीय राईफल्स

294. जेसी-343611एफ सूबेदार गोपाल सिंह, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 9 राष्ट्रीय राईफल्स

295. जेसी-523846डब्ल्यू नायब सूबेदार विपन कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट, 11 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

296. 13626181एल हवलदार सुरजीत सिहँ, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 57 राष्ट्रीय राईफल्स

297. 13626842ए हवलदार कुलदीप सिंह, 9 पैरा (विशेष बल)

298. 13626900वाई हवलदार अंग्रेज सिंह, 9 पैरा (विशेष बल)

299. 14834312ए हवलदार कदम विनोद भीमराओ, 9 पैरा (विशेष बल)

300. 14933162एक्स हवलदार मेट्टा गिरिबाबू, 21 मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री

301. 15621613एक्स हवलदार दीपक कुमार यादव, 1 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)

302. 4582534डब्ल्यू हवलदार साखरे कैलाश भगवान, 12 महार

303. 9108484एच हवलदार जफ्फर इकबाल, 5 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

304. 15501450वाई लांस दफादार बलदेव सिंह, दि कवचित कोर, 8 राष्ट्रीय राईफल्स

305. 15242712ए नायक राम रखा राम, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स

306. 21006068एच नायक सचिन यादव, दि तोपखाना रेजिमेंट, 32 राष्ट्रीय राईफल्स

307. 4377888एल नायक विनपंग पुमोह, दि असम रेजिमेंट, 42 राष्ट्रीय राईफल्स

308. 9116183एन नायक शम्मी कुमार, 9 पैरा (विशेष बल)

309. 2710765एन लांस नायक प्रवीण शर्मा, 1 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)

310. 3209353एन लांस नायक जीत बहादुर यादव, दि जाट रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स

311. 19012255एक्स सिपाही पंथ पंजाब सिंह, 19 सिख

312. 20006913एम सिपाही अरविंद सिंह, दि डोगरा रेजिमेंट, 11 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

313. 4591098एल सिपाही मनीष कौशिक, दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स

314. 13635701एम पैराट्रूपर सुरेश ठाकुर, 7 पैरा (विशेष बल)

315. आईसी-70477एम लेफ्टिनेंट कर्नल तुषार मेनन, 14 गढ़वाल राईफल्स

316. आईसी-72052एम लेफ्टिनेंट कर्नल लाजु के आर, 209 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (यूएच)
317. आईसी-76232एम लेफ्टिनेंट कर्नल वाघ भुपाल वसंत, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 113 आरसीसी (ग्रैफ)
318. आईसी-76905डब्ल्यू मेजर नीरज कुमार शर्मा, 12 पैरा (विशेष बल)
319. आईसी-78127पी मेजर प्रदीप बलहारा, दि पैराशूट रेजिमेंट, 31 राष्ट्रीय राईफल्स
320. आईसी-79727के मेजर राजीव कौशल, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स, 5 राष्ट्रीय राईफल्स
321. आईसी-84052वाई मेजर संजय अधिकारी, 23 ग्रेनेडियर्स
322. आईसी-85058एम मेजर अभिजीत वीएस, दि तोपखाना रेजिमेंट, मुख्यालाय एस एफ एफ
323. एससी-00929एम मेजर अजित कुमार जे, 13 महार
324. आईसी-89201एल कैप्टन आकर्ष शुक्ला, 16 पंजाब
325. 140400 एसीआईओ-I थुपस्तान सेफल, आसूचना ब्यूरो, आईटीबीएफ
326. जेसी-423749के सूबेदार अनिल वर्मा, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 5 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
327. 00069686एक्स डिप्टी लीडर कालदेन पान्जोर, मुख्यालाय एस एफ एफ
328. 13626126पी हवलदार बनीत कुमार, 9 पैरा (विशेष बल)
329. 5252174एन हवलदार कुनाल गुरुंग, दि 11वीं गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काउट्स
330. 9426714एम हवलदार निरन तमंग, दि 11वीं गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काउट्स
331. 9427788एन हवलदार अरुन कुमार सुबेदि, दि 11वीं गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काउट्स
332. 9427828के हवलदार रंजीत लिंबू, 12 पैरा (विशेष बल)
333. 15804990एफ लांस नायक कविंदर, दि पैराशूट रेजिमेंट, 31 राष्ट्रीय राईफल्स
334. 18011411एन लांस नायक गजेंद्रा कुमार, 12 पैरा (विशेष बल)
335. 14872688एल सिपाही इन्वाराजा आर, 556 सेना सेवा कोर बटालियन (मरणोपरांत)
336. 19015053एफ सिपाही संदीप सिंह, 25 सिख
337. 4382085एच सिपाही एस लुघालोंग, 9 असम
338. 16131708वाई पैराट्रूपर मद्देप्पा सारापुर, 9 पैरा (विशेष बल)
339. आईसी-74540एन लेफ्टिनेंट कर्नल नरिन्दर शर्मा, 2 महार
340. आईसी-77320पी मेजर सूरज राणा, 5/9 गोरखा राईफल्स
341. आईसी-82494वाई मेजर रमनीक सिंह भाटिया, दि गढ़वाल राईफल्स, 28 असम राईफल्स
342. आईसी-85551ए मेजर करण बैंसला, 5/9 गोरखा राईफल्स
343. आईसी-85976वाई कैप्टन तरनजीत सिंह, 4 महार
344. 5853109एक्स हवलदार दीपक थापा, 5/9 गोरखा राईफल्स
345. ए-6100455डब्ल्यू अग्निवीर युवराज सिंह, 57 माउंटेन डिविजन प्रोवोस्ट यूनिट
346. जेसी-414341के सूबेदार महेश सिंह, 11 पैरा (विशेष बल)
347. 13014544ए नायक धीरेन सिन्हा, 166 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
348. 13014848एक्स सिपाही संजित कुमार बर्मन, 166 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
349. जी/5012042एन राईफलमैन एस एस लोमचू चांग, 44 असम राईफल्स
350. आईसी-73875वाई लेफ्टिनेंट कर्नल जिगमेत सिंगे, 2 लद्दाख स्काउट्स

351. आईसी-79242एफ मेजर सौरव देओपा, 20 मद्रास
352. आईसी-80894एम मेजर सोहैल शाहनवाज, दि सिग्नल कोर, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
353. 4377808एच नायक शुभंकर भौमिक, 10 असम (मरणोपरांत)
354. 4381096एच सिपाही ऐबक मदुर, 10 असम (मरणोपरांत)
355. 15262754एन गनर निरज कुमार, 219 मीडियम रेजिमेंट
356. एसएस-49911ए मेजर रोहित कुमार, दि 5वीं गोरखा राईफल्स, 23 असम राईफल्स
357. जेसी-414797एच सूबेदार रोहोकले गणेश शाहुराज, 21 पैरा (विशेष बल)
358. 13630572एन नायक केएच दिलिप बाबु सिंघा, 21 पैरा (विशेष बल)
359. आईसी-74977एफ लेफ्टनेंट कर्नल अनुपम थापा, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री, 52 स्पेशल एक्शन ग्रुप, नेशनल सिक्युरिटी गार्ड
360. आईसी-79114के मेजर नितिन कुमार त्यागी, दि तोपखाना रेजिमेंट, 39 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट
361. एमआर-10732के कैप्टन बी श्रीविजय नायर, दि सेना चिकित्सा कोर, गढ़वाल स्काउट्स
362. एसएस-52750एन लेफ्टिनेंट पुष्पेंद्र पयाल, दि सेना सेवा कोर, गढ़वाल स्काउट्स
363. जेसी-551069पी सूबेदार लालरेम थांग मार, 7 असम
364. जेसी-344427एच नायब सूबेदार सुरजीत सिंह, 418 (स्वतंत्र) फील्ड कंपनी
365. 4379532डब्ल्यू नायक कमल जोशी, 7 असम
366. आईसी-67128एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रमजीत सिंह, 23 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट
367. आईसी-76632वाई मेजर गंगेश कुमार, 23 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट
368. 5051426वाई नायक तुलसिंह बगाले, 1/1 गोरखा राईफल्स
369. आईसी-89285के कैप्टन आदित्य सिंह, 19 राजपूत
370. जेसी-483232एच नायब सूबेदार सुरजीत सिंह, 19 राजपूत
371. 16131705एल सैपर महेश एन वाली, दि कोर ऑफ इंजीनियर, 126 आरसीसी (ग्रैफ) (मरणोपरांत)
372. आईसी-68482वाई कर्नल कृष्ण सिंह रावत, एससी, एसएम, 1 पैरा (विशेष बल)
373. आईसी-74489वाई लेफ्टनेंट कर्नल रवि ढिल्लों, 21 फील्ड एम्यूनिशन डिपो
374. आईसी-74825ए लेफ्टनेंट कर्नल प्रवीण कुमार, 18 कुमाऊँ
375. आईसी-77899ए मेजर अनिल कुमार, 138 मीडियम रेजिमेंट
376. आईसी-80463ए मेजर धोमने प्रशील प्रवीण, 19 मद्रास
377. आईसी-84745डब्ल्यू मेजर आईके एमसन इनपुई, 25 मद्रास
378. आईसी-87293के मेजर सुभाष चंद घिल्डियाल, 9 पंजाब
379. एसएस-48544एम मेजर प्रदयूमन सिंह भाटी, 9 पैरा (विशेष बल)
380. एसएस-49799वाई मेजर जेरी ब्लेज, दि मद्रास रेजिमेंट, 25 राष्ट्रीय राईफल्स
381. आईसी-88870एक्स कैप्टन अधिराज सिंह रावत, 9 पैरा (विशेष बल)
382. आईसी-88874एन कैप्टन आनंद प्रताप सिंह, 2 पैरा (विशेष बल)
383. आईसी-89461डब्ल्यू कैप्टन अर्जित कुटलेहरिया, 4 पैरा (विशेष बल)
384. आईसी-89757पी कैप्टन आशीष पाठक, 16 सिख लाईट इन्फैन्ट्री
385. आईसी-90027डब्ल्यू कैप्टन मनीष यादव, 5 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

386. आईसी-89822के लेफ्टिनेंट अरविंद चौहान, 8 मद्रास

387. एसएस-52347एफ लेफ्टिनेंट प्रतीक जेठानंदानी, 22 मीडियम रेजिमेंट

388. जेसी-414777पी सूबेदार कुंदन सिंह, 10 पैरा (विशेष बल)

389. जेसी-414999के नायब सूबेदार राजेंद्र प्रसाद, 4 पैरा (विशेष बल)

390. 15233744एफ रेजिमेंट हवलदार मेजर सुरेंद्र सिंह, 65 मीडियम रेजिमेंट

391. 15195415वाई हवलदार राजकुमार एम, 76 फील्ड रेजिमेंट

392. 15787678ए हवलदार बाबुलाल प्रजापत, 403 लाईट एयर डिफेंस रेजिमेंट (कम्पोजिट)

393. 2503294वाई हवलदार संदीप सिंह, 27 पंजाब

394. 5759444एच हवलदार गणेश बहादुर श्रेष्ठा, 3/8 गोरखा राईफल्स

395. 5759856के हवलदार लक्ष्मण गुरुंग, 7/8 गोरखा राईफल्स

396. 9426508एच हवलदार रबिन राई, 5/11 गोरखा राईफल्स

397. 13631375एक्स नायक अमित सिंह जसरोटिया, 9 पैरा (विशेष बल)

398. 2714418एम नायक कृष्णा चौहान, दि ग्रेनिडियर्स, 12 राष्ट्रीय राईफल्स

399. 3015661ए नायक पंकज शर्मा, दि राजपूत रेजिमेंट, 23 राष्ट्रीय राईफल्स

400. 4207239एन नायक मनोज सिंह बिष्ट, 9 पैरा (विशेष बल)

401. 9118088ए नायक प्रीतम सिंह कालस, 6 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री

402. 2507753के लांस नायक योगेश सिंह, 9 पैरा (विशेष बल)

403. 4288089ए लांस नायक पवन महाली, 12 बिहार

404. 2518145एच सिपाही कुलविंदर सिंह, 30 पंजाब

405. ए-3451016के अग्निवीर गुरजंट सिंह, 99 मीडियम रेजिमेंट

406. 06125-डब्ल्यू कमांडर हरीश नारायणन्नकुट्टी

407. 08225-टी लेफ्टिनेंट कमांडर डेविस इम्मानुवल वीडन

408. 08559-ए लेफ्टिनेंट कमांडर क्षितिज वशिष्ठ

409. 08856-ए लेफ्टिनेंट कमांडर श्रीकांत एस एम

410. 238681-एच एल ए (एफ डी) हरि कुमार

411. 23615, ग्रुप कैप्टन सुमित प्रसाद, प्रशासन

412. 24183, ग्रुप कैप्टन विपिन रिहानी, उड़ान (पायलट)

413. 24555, ग्रुप कैप्टन मोहन नामदेव, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

414. 25065, ग्रुप कैप्टन समर वीर सहारन, वीएसएम, उड़ान (पायलट)

415. 25600, ग्रुप कैप्टन प्रशांत अरोड़ा, वीएसएम, उड़ान (पायलट)

416. 25665, ग्रुप कैप्टन संजीव राव, उड़ान (नेवीगेटर)

417. 25717, ग्रुप कैप्टन तारा दत्त कर्नाटक, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

418. 25837, ग्रुप कैप्टन ऋतम कुमार, वीएम, उड़ान (पायलट)

419. 25870, ग्रुप कैप्टन सुनील कुमार देसवाल, उड़ान (पायलट)

420. 26143, ग्रुप कैप्टन एस परमेशवरन, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

421. 26280, ग्रुप कैप्टन पारिजात सौरभ, वीएम, उड़ान (पायलट)

422. 26296, ग्रुप कैप्टन चालर्स सौरभ साईमन, उड़ान (पायलट)

423. 26299, ग्रुप कैप्टन विश्वास अशोक जामकर, उड़ान (पायलट)

424. 26314, ग्रुप कैप्टन लक्ष्मण सिंह चारण, उड़ान (पायलट)

425. 26518, ग्रुप कैप्टन जिजो जोस ओवेलिल, वीएम, उड़ान (पायलट)

426. 26955, ग्रुप कैप्टन पारिजात झा, उड़ान (पायलट)

427. 26963, ग्रुप कैप्टन तन्मय खरे, उड़ान (पायलट)

428. 27059, ग्रुप कैप्टन पी सजिनी, प्रशासन

429. 27197, ग्रुप कैप्टन राजेश अग्रवाल, वीएम, उड़ान (पायलट)

430. 27210, ग्रुप कैप्टन यथार्थ जौहरी, उड़ान (पायलट)

431. 27325, ग्रुप कैप्टन सी क्लेमेंट चेल्लैया आन्नताराज, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

432. 27467, ग्रुप कैप्टन सौरभ कर्माकर, उड़ान (पायलट)

433. 27494, ग्रुप कैप्टन राकेश कुमार यादव, उड़ान (नेवीगेटर)

434. 27978, ग्रुप कैप्टन गुरिन्दर सिंह, उड़ान (पायलट)

435. 28028, ग्रुप कैप्टन समीप निझावन, उड़ान (पायलट)

436. 28173, ग्रुप कैप्टन सगिलि साई किरण, उड़ान (पायलट)

437. 28207, ग्रुप कैप्टन चिक्कानायकनहल्ली जगदीश चेतन, उड़ान (पायलट)

438. 28209, ग्रुप कैप्टन गौरव कुण्डलिया, उड़ान (पायलट)

439. 28444, ग्रुप कैप्टन विपुल कुमार, उड़ान (नेवीगेटर)

440. 28446, ग्रुप कैप्टन दनप्रीत पाल सिंह बाली, उड़ान (पायलट)

441. 28449, ग्रुप कैप्टन सुशील कुमार, उड़ान (पायलट)

442. 28452, ग्रुप कैप्टन अभिषेक रैना, उड़ान (पायलट)

443. 28463, ग्रुप कैप्टन समीर यादव, उड़ान (पायलट)

444. 28487, ग्रुप कैप्टन अभिषेक त्रिपाठी, उड़ान (पायलट)

445. 28512, ग्रुप कैप्टन गौधमन कार्तिकेयन, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

446. 28679, ग्रुप कैप्टन अमोल सुधीर केलकर, उड़ान (पायलट)

447. 29032, ग्रुप कैप्टन सचिन कुमार, उड़ान (पायलट)

448. 29037, ग्रुप कैप्टन गुणज्ञ रमेश खर्चे, शौर्य चक्र, उड़ान (पायलट)

449. 29042, ग्रुप कैप्टन भरत मल्होत्रा, उड़ान (पायलट)

450. 29333, ग्रुप कैप्टन इंद्रजीत सिंह, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

451. 29882, ग्रुप कैप्टन मनीष जोशी, उड़ान (पायलट)

452. 29885, ग्रुप कैप्टन साहिल कपूर, उड़ान (पायलट)

453. 27469, विंग कमांडर पंकज पंत, उड़ान (पायलट)

454. 27710, विंग कमांडर सोमराज मित्रा, उड़ान (पायलट)

455. 27960, विंग कमांडर भास्कर आरुणि, उड़ान (पायलट)

456. 27997, विंग कमांडर अंकुर डागर, उड़ान (पायलट)

457. 28014, विंग कमांडर नीरज सिंह, उड़ान (नेवीगेटर)

458. 28024, विंग कमांडर रजत देवेन्द्र गुप्ता, उड़ान (पायलट)

459. 28168, विंग कमांडर मारीया ईसमेनया सँशा परैरा, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

460. 28485, विंग कमांडर चिंतामणी तेलंग, उड़ान (पायलट)

461. 29229, विंग कमांडर मिलिंद लोंढे, उड़ान (पायलट)

462. 29385, विंग कमांडर केशव शर्मा, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

463. 29472, विंग कमांडर आशुतोष भदोला, उड़ान (पायलट)

464. 29506, विंग कमांडर मयंक कुकरेती, उड़ान (पायलट)

465. 29520, विंग कमांडर जुगल किशोर लोहनी, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

466. 29522, विंग कमांडर सुवोजित दत्ता, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

467. 29698, विंग कमांडर मनीष कुमार सिंह, उड़ान (पायलट)

468. 29739, विंग कमांडर गिरीश राजकुमार बोलदरा, उड़ान (पायलट)

469. 30145, विंग कमांडर श्री कृषणा, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

470. 30170, विंग कमांडर श्रेय तोमर, वीएम, उड़ान (पायलट)

471. 30226, विंग कमांडर जोयन्ता मुखर्जी, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

472. 30307, विंग कमांडर संदीप वैला, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

473. 30446, विंग कमांडर अवदेश त्रिपाठी, उड़ान (पायलट)

474. 30499, विंग कमांडर प्रशांत कोंडल, उड़ान (पायलट)

475. 30555, विंग कमांडर सतेंद्र कुमार बरार, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

476. 30565, विंग कमांडर सौरभ कुमार, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

477. 30746, विंग कमांडर दीपक प्रसाद, उड़ान (पायलट)

478. 30801, विंग कमांडर एम डी रकिबुर मिर्जा, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

479. 30933, विंग कमांडर कौशल कुमार झा, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

480. 30954, विंग कमांडर नितिन सेहरा, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

481. 30994, विंग कमांडर मनोज यादव, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

482. 31060, विंग कमांडर यतीश एन, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

483. 31141, विंग कमांडर सौरभ सूर्यकान्त अंबुरे, उड़ान (पायलट)

484. 31322, विंग कमांडर दानिश हांडा, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

485. 31325, विंग कमांडर रवीश वशिष्ट, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

486. 31350, विंग कमांडर सुनील कुमार, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

487. 31962, विंग कमांडर दीपक उपाध्याय, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

488. 32100, विंग कमांडर हरीन मुकेश जोशी, उड़ान (पायलट)

489. 32230, विंग कमांडर प्रीति यादव, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

490. 32533, विंग कमांडर धन्न सिंह, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

491. 32622, विंग कमांडर रितेश वालि, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

492. 33070, विंग कमांडर पूनम गुलिया, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

493. 32500, स्क्वाड्रन लीडर शशांक, उड़ान (पायलट)

494. 33200, स्क्वाड्रन लीडर ध्रुव त्रेहन, उड़ान (पायलट)

495. 33235, स्क्वाड्रन लीडर अमोल विजय शितोले, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

496. 33236, स्क्वाड्रन लीडर मनोज कुमार, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

497. 33330, स्क्वाड्रन लीडर के मुत्तमिल सेलवन, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

498. 33500, स्क्वाड्रन लीडर संकेत श्रीकान्त पान्डे, उड़ान (पायलट)

499. 33550, स्क्वाड्रन लीडर संजय कुमार कलखुड़िया, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

500. 33615, स्क्वाड्रन लीडर निखिल संजय महागांवकर, उड़ान (नेवीगेटर)

501. 33925, स्क्वाड्रन लीडर रणमय रनजन घोष, उड़ान (पायलट)

502. 34043, स्क्वाड्रन लीडर अंकिता सिंह, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

503. 34185, स्क्वाड्रन लीडर सुमंगला शर्मा, उड़ान (पायलट)

504. 34325, स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह, प्रशासन

505. 34495, स्क्वाड्रन लीडर स्वपनिका सक्सेना, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

506. 34499, स्क्वाड्रन लीडर कीर्ति पाण्डेय, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

507. 34542, स्क्वाड्रन लीडर सहज वीर सिंह सिद्धू, उड़ान (पायलट)

508. 34544, स्क्वाड्रन लीडर सुधीर कुमार, उड़ान (पायलट)

509. 35269, स्क्वाड्रन लीडर कुनाल वर्मा, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

510. 35597, स्क्वाड्रन लीडर बृजराज सिंह राठौड़, उड़ान (पायलट)

511. 35600, स्क्वाड्रन लीडर बेंदी रोहन रेड्डी, उड़ान (पायलट)

512. 35701, स्क्वाड्रन लीडर अनूप ओमप्रकाश सिंह, वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रानिकी)

513. 35829, स्क्वाड्रन लीडर निशांत श्रीवास्तव, उड़ान (पायलट)

514. 35895, स्क्वाड्रन लीडर नमन भट्ट, उड़ान (नेवीगेटर)

515. 35984, स्क्वाड्रन लीडर क्षितिज सिंह सैहलोत, उड़ान (पायलट)

516. 36038, स्क्वाड्रन लीडर अनूप रावत, उड़ान (पायलट)

517. 36089, स्क्वाड्रन लीडर कार्तिक मेनन्, वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिक)

518. 36163, स्क्वाड्रन लीडर अमोल गर्ग, उड़ान (पायलट)

519. 36207, स्क्वाड्रन लीडर कौस्तुभ संदिप मुले, उड़ान (पायलट)

520. 36218, स्क्वाड्रन लीडर धर्माधिकारी सौरभ श्रीरंग, उड़ान (पायलट)

521. 36442, स्क्वाड्रन लीडर साहिल साहू, उड़ान (पायलट)

522. 36519, स्क्वाड्रन लीडर हरप्रीत सिंह, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर

523. 36417, फ्लाईट लेफ्टिनेंट इकबाल सिँह गिल, उड़ान (पायलट)

524. 36597, फ्लाईट लेफ्टिनेंट समर्थ शुक्ला, उड़ान (पायलट)

525. 36599, फ्लाइट लेफ्टिनेंट बिचकर शुभम संतोष, उड़ान (पायलट)

526. 36608, फ्लाईट लेफ्टिनेंट दिग्विजय चारक, उड़ान (पायलट)
527. 36619, फ्लाईट लेफ्टिनेंट अंकित शर्मा, उड़ान (पायलट)
528. 36637, फ्लाईट लेफ्टिनेंट आकाश मकरंद बिबीकर, उड़ान (पायलट)
529. 36639, फ्लाईट लेफ्टिनेंट विक्रम जयवंत, उड़ान (पायलट)
530. 36665, फ्लाईट लेफ्टिनेंट मिहिर सिंह, उड़ान (नेवीगेटर)
531. 36668, फ्लाईट लेफ्टिनेंट ऋतिक गौड, उड़ान (नेवीगेटर)
532. 37066, फ्लाईट लेफ्टिनेंट सानंद दुदपुरी, उड़ान (पायलट)
533. 37088, फ्लाईट लेफ्टिनेंट शक्ति पांचाल, उड़ान (पायलट)
534. 37093, फ्लाईट लेफ्टिनेंट अंकित थापा, उड़ान (नेवीगेटर)
535. 37243, फ्लाईट लेफ्टिनेंट ध्रुव भारद्वाज, चिकित्सा
536. 37340, फ्लाईट लेफ्टिनेंट आशीष कुमार, उड़ान (पायलट)
537. 37427, फ्लाईट लेफ्टिनेंट रवि कुमार, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर
538. 37657, फ्लाईट लेफ्टिनेंट अन्नया शर्मा, उड़ान (पायलट)
539. 37953, फ्लाईट लेफ्टिनेंट अनुराग कुशवाहा, उड़ान (पायलट)
540. 38017, फ्लाईट लेफ्टिनेंट स्वास्तिका जम्वाल, उड़ान (नेवीगेटर)
541. 38300, फ्लाईट लेफ्टिनेंट अनीश सिंह सिसौदिया, उड़ान (पायलट)
542. 38972, फ्लाइंग अफसर प्रणव बेल्लूर, लेखा
543. 39186, फ्लाइंग अफसर अभिषेक सुर्यवंशी, प्रशासन/ फाईटर कंट्रोलर
544. 728159, मास्टर वारंट अफसर गिरिश कुमार झा, वेपन फिटर
545. 766709, मास्टर वारंट अफसर मोहन किशोर ठाकुर, फ्लाइट गनर
546. 708555, वारंट अफसर सुरेश कुमार एम पी, एयर डिफेंस सिस्टम ऑपरेटर
547. 769698, वारंट अफसर राजेश प्रसाद गुप्ता, वेपन फिटर
548. 776152, वारंट अफसर कृष्णा मूर्थि पूर्नैयन, इंजन फिटर
549. 779344, जूनियर वारंट अफसर कृष्णा कुमार यादव, वेपन फिटर
550. 780334, जूनियर वारंट अफसर सुनीष अम्बाट, मेकैनिकल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर
551. 793711, जूनियर वारंट अफसर नरेश कुमार, रेडियो फिटर
552. 798624, जूनियर वारंट अफसर संतोष कुमार, मिसाइल फिटर (इलेक्ट्रिकल)
553. 904514, जूनियर वारंट अफसर दीपक कुमार, भारतीय वायु सेना (गरुड़)
554. 911313, जूनियर वारंट अफसर राजेश पोट्टा, इलेक्ट्रिकल फिटर (आर)
555. 913848, जूनियर वारंट अफसर भरत सिंह भाकुनी, वेपन फिटर (आर)
556. 779698, सार्जेंट निलेश कुमार, वेपन फिटर
557. 908230, सार्जेंट जुवेर अहमद खान, ऑपरेशनल असिस्टैंट (एयर डिफेंस)
558. 909853, सार्जेंट भले सिंह, मिसाइल फिटर (इलेक्ट्रिकल) (सेवानिवृत)
559. 922562, सार्जेंट रामजीवन चौधरी, ऑटोमोबाइल तकनीशियन
560. 925695, सार्जेंट प्रतीक सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स फिटर
561. 932711, सार्जेंट दीपक सिंह रावत, वेपन फिटर (आर)
562. 932964, सार्जेंट दीपक कुमार, वेपन फिटर (आर)

563. 933259, सार्जेंट मनोज कुमार यादव, वेपन फिटर (आर)

564. 933639, सार्जेंट रेन्जू पि आर, फ्लाइट गनर

565. 934098, सार्जेंट अभिषेक कुमार, वेपन फिटर (आर)

566. 934122, सार्जेंट राघवेंद्र तिवारी, वेपन फिटर (आर)

567. 936965, सार्जेंट सौरभ यादव, पर्यावरण सहायता सेवाएं सहायक

568. 940533, सार्जेंट प्रवेश यादव, इलेक्ट्रिकल फिटर (आर)

569. 941404, सार्जेंट कर्मवीर, भारतीय वायु सेना (पुलिस)

570. 943491, सार्जेंट राहुल कुमार सिंह, ऑपरेशनल असिस्टैंट (एयर डिफेंस)

571. 957854, सार्जेंट दीपक शर्मा, फ्लाइट इंजीनियर

572. 958325, सार्जेंट सुरेश विश्नोई, फ्लाइट इंजीनियर

573. 960537, सार्जेंट पवन कुमार सिंह, ऑपरेशनल असिस्टैंट (एयर डिफेंस)

574. 966732, कार्पोरल अंकित शुक्ला, ऑपरेशनल असिस्टैंट (एयर डिफेंस)

575. 979090, कार्पोरल जाहिद बेग, इलेक्ट्रॉनिक्स फिटर

576. 986282, कार्पोरल विशाल कुमार पान्डेय, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)

577. 9107975-M, सिपाही मो. जबैर, रक्षा सुरक्षा कोर

578. एक्स जीएस- 194815एम ओईएम कर्मबीर सिंह (मरणोपरांत)

579. एक्स जीएस- 177682एल ओवरसियर पन्नू लाल शर्मा (मरणोपरांत)

580. एक्स जीएस- 173897एम वाहन चालक-1 विजय सिंह (मरणोपरांत)

एस. एम. समी
अवर सचिव

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
(पशुपालन और डेयरी विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 सितम्बर 2025

संकल्प

सं. 11015/1/2019-हिंदी (कंप्यूटर सं. 18515)—भारत सरकार ने मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के संकल्प संख्या 11015/1/2019-हिंदी दिनांक 22 सितंबर, 2021 का अधिक्रमण करते हुए दोनों विभागों – पशुपालन और डेयरी विभाग एवं मत्स्यपालन विभाग की संयुक्त हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है।

उक्त समिति का गठन निम्नानुसार होगा:—

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री	अध्यक्ष
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष

संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित संसद सदस्य		
1.	श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
2.	श्री कार्तिक चन्द्र पॉल संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य

3.	श्री नरेश बंसल संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
4.	श्री नीरज डांगी संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित संसद सदस्य		
5.	श्री महाराजा संजाओबा लेशंबा संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
6.	डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
हिंदी स्वैच्छिक संगठन के प्रतिनिधि		
7.	प्रो. सुधीर प्रताप सिंह (विश्व हिंदी परिषद) एस-32, प्रथम तल, व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क, उपहार सिनेमा के पास, नई दिल्ली -110016 मोबाइन नं. – 8586016348 ईमेल – vishwahindiparishadoffice@gmail.com	सदस्य
केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद के प्रतिनिधि		
8.	श्री गजेंद्र सिंह - सहायक अभियंता, मकान नं. 1107, सेक्टर—4 आर.के. पुरम, नई दिल्ली -110066 मोबाइल नं. - 7011576498	सदस्य
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य		
9.	श्री राजेश राज - वरिष्ठ हिंदी पत्रकार टॉवर ए3/1002, गोल्फ सिटी प्लॉट-7, सेक्टर-75, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201301 मोबाइल नं. – 9818955988 ईमेल- rajeshrajddnews@gmail.com	सदस्य
10.	डॉ. राजेंद्र मिलन - वरिष्ठ साहित्यकार मिलन मंजरी, आजाद नगर, खंदारी, आगरा-282002 मोबाइल नं. – 9808600607 ईमेल-rajendramilan.milan@gmail.com	सदस्य
11.	श्रीमती श्रुति सिन्हा-हिंदी साहित्यकार 89, मेहरबाग, सिकंदर पुर, दयालबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश-282005 मोबाइल नं. – 9837200924 ईमेल- sshrutiagr@gmail.com	सदस्य
12.	श्री हरिओम शर्मा-हिंदी साहित्यकार और समाजसेवी 14/1 कोठी मीना बाजार, शाहगंज, आगरा-10 मोबाइल नं. - 9149366238/9058873585 ईमेल - hs.3995729@gmail.com	सदस्य

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य		
13.	श्रीमती शहरबन एम., वैलियामथिल हाउस, पल्लीकुन्नु क्वार्टर्स, पुष्पा रोड, कावारती, लक्षद्वीप – 682555 मोबाइल नं. – 7356500533 ईमेल - jameelsaman@gmail.com	सदस्य
14.	डॉ. अनिल शर्मा, शिव सदन, 77/16, पूर्वाचली, रेलवे रोड़, गणेशपुर, रूड़की-247667 मोबाइल नं. – 9758812188 ईमेल-dranilsharmarke.com	सदस्य
15.	श्री बलदाऊ राम साहू, वार्ड नं.-53, न्यू आदर्श नगर, होटल साईं राम के पास, पोटिया चौक, दुर्ग (छत्तीसगढ़)-491001 मोबाइल नं. – 9407650458 ईमेल – br.ctd1958@gmail.com	सदस्य

सरकारी सदस्य

16.	सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य
17.	सचिव, मत्स्यपालन विभाग	सदस्य
18.	सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
19.	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	सदस्य
20.	अपर सचिव (सीडीडी), पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य
21.	अपर सचिव (एलएच), पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य
22.	पशुपालन आयुक्त, पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य
23.	संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं अंतर्देशीय मात्स्यिकी), मत्स्यपालन विभाग	सदस्य
24.	संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी), मत्स्यपालन विभाग	सदस्य
25.	संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय	सदस्य
26.	संयुक्त सचिव (राष्ट्रीय पशुधन मिशन), पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य
27.	संयुक्त सचिव (रा. भा.), पशुपालन और डेयरी विभाग	सदस्य सचिव

समिति के कार्य:

इस समिति का कार्य राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा सरकारी कामकाज के लिए हिंदी के प्रयोग के संबंध में निर्धारित नीति के कार्यान्वयन तथा मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के बारे में सलाह देना है।

गैर सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता:

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी, 1987 के कार्यालय ज्ञापन सं. 11/20034/4/86-रा.भा.(ए-2) में निहित दिशा निर्देशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा-संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

कार्यकाल:-

समिति का कार्यकाल सामान्यत: उसके गठन की तिथि से तीन वर्ष तक होगा बशर्ते कि:-

क. जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।

ख. समिति के पदेन सदस्य तब तक सदस्य बने रहेंगे, जब तक कि वे उन पदों पर आरूढ़ रहेंगे जिन पर होने के कारण वे समिति के सदस्य हैं।

ग. यदि किसी सदस्य के त्याग-पत्र, मृत्यु आदि के कारण कोई रिक्ति होती है तो इस रिक्ति पर नियुक्त होने वाला सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।

सामान्य:-

समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, नीति आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, उपराष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मुख्य वेतन एवं लेखा अधिकारी, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सभी सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालय तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आदि तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के. गुरूमूर्ति
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2025

No. 62-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Kirti Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of conspicuous gallantry:—

1. IC-88733Y CAPTAIN LALRINAWMA SAILO, 4 PARA (SPECIAL FORCES)

Captain Lalrinawma Sailo was commissioned and joined 4th Battalion, The Parachute Regiment on 11 December 2021. A counter terror operation was launched in the treacherous forested area in Srinagar District, post intelligence confirmation of presence of three hardcore terrorists.

Leading his team from front, he navigated his men through thick undergrowth and harsh terrain. Under pitch darkness his team trekked 15 hours to reach the designated location.

While conducting a deliberate search in the dense jungle, Captain Sailo observed suspicious movement in the undergrowth. Demonstrating tactical acumen, he halted his team and initiated a detailed scan of the area.

At a distance of 40 meters, he spotted a concealed hideout partially camouflaged under natural foliage. Without delay, Captain Sailo repositioned his squad to establish a tight cordon. He used mini RPV to analyse the threat.

He positively identified one of the terrorists as a high profile target, who was the mastermind of multiple attacks on security forces in last two years. Exhibiting tactical composure, he engaged the terrorists with surgical precision. In a bold action unmindful of his personal safety, displaying initiative, conspicuous gallantry and unparalleled bravery, he closed in with the terrorists under fire and neutralised one terrorist. Displaying daunting courage and devotion to duty, he continued to engage the remaining terrorists and neutralised them at close range.

For displaying warrior ethos, uncanny intelligence skills and embodying the finest traditions of Special Forces, Captain Lalrinawma Sailo is awarded "KIRTI CHAKRA".

2. IC-91128W LIEUTENANT SHASHANK TIWARI, THE ARMY SERVICE CORPS / 1ST BATTALION THE SIKKIM SCOUTS (POSTHUMOUS)

Lieutenant Shashank Tiwari an extremely dynamic and energetic officer had volunteered for leading a challenging operational patrol in High Altitude terrains of North Sikkim.

During the patrol, while opening a route across a perilous fast flowing Nimuphuichhu river, Agniveer Stephemn Subba, a fellow patrol member lost his balance and slipped into the river. Sensing that he would be swept away, the officer leapt into the raging river with utter disregard for his own life and personal safety. He pushed his swimming skill and energy to extremity and got hold of Stephen. Lieutenant Shashank, despite sustaining grievous injuries due to sharp rocks, with his unwavering grit and resolve ensured that Agniveer Stephen was pushed towards the shore thus saving his life. However, due to extremely fast water currents, Lieutenant Shashank could not get hold of any anchors and succumbed to his injuries while rescuing his subordinate. His heroic action is a shining example of Indian Army's core values of camaraderie, selfless service and unbreakable bond between officer and men.

For his exceptional valour, selflessness and unwavering grit in the face of life threatening danger, Lieutenant Shashank Tiwari is awarded 'KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)'.

3. 21009588Y LANCE NAIK MEENATCHI SUNDARAM A, THE REGIMENT OF ARTILLERY/ 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

Lance Naik Meenatchi Sundaram A was part of the inner cordon during a Counter Terrorist Operation in Kulgam which resulted in neutralisation of five hardcore terrorists.

Lance Naik Meenatchi Sundaram A alongwith his buddy, Havildar Devender Kumar, was deployed as stops in the inner cordon. At around 0545 hours, as the terrorists in a desperate attempt to break the cordon, charged towards the stops, firing indiscriminately, the buddy pair intercepted and pinned down the terrorists with accurate fire. However, in the intense firefight, Lance Naik Meenatchi Sundaram suffered a Gun Shot on his face and right shoulder. Displaying sheer raw courage, presence of mind and exceptional marksmanship, despite being severely injured, he intercepted and neutralised a terrorist in an intense close quarter firefight. The neutralised terrorist was later identified as, a Category 'C', terrorist, involved in several terror attacks on Security Forces, including the sensational grenade attack on civilians at Jammu Bus Stand in 2019.

For his indomitable spirit, raw courge and exceptional bravery, wherein despite being severely injured, he neutralised one hardcore terrorist, Lance Naik Meenatchi Sundaram A is awarded "KIRTI CHAKRA".

4. 4594379M SEPOY JANJAL PRAVIN PRABHAKAR, THE MAHAR REGIMENT/ 1ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

Sepoy Janjal Pravin Prabhakar, was part of initial cordon during Cordon and Search Operation in village in Anantnag district.

At 1615 hours, Sepoy Janjal Pravin Prabhakar along with his operational buddy Naib Subedar Birender Singh observed suspicious movement of individuals inside the cordon. He alerted the entire cordon and manoeuvred himself to a tactically advantageous position in order to prevent the escape of terrorists. On challenging they opened fire to which he retaliated with heavy and accurate fire preventing their attempts to escape from cordon. Displaying unparalleled bravely and astute presence of mind, he shifted his position under fire to a vantage position and successfully neutralised two hardcore terrorists.

In the retaliatory fire by balance, he suffered a fatal gunshot wound to head him. Two hardcore terrorists neutralised by the individual were identified as, Category 'A' and Category 'C' terrorists.

Sepoy Janjal Pravin Prabhakar made supreme sacrifice in the true traditions of the Indian Army. For this act of courage beyond the call of duty, dogged determination and conspicuous gallantry Sepoy Janjal Pravin Prabhakar is awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 63-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Vir Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of gallantry in the face of enemy:—

1. IC-69077N COLONEL KOSHANK LAMBA, 302 MEDIUM REGIMENT

Colonel Koshank Lamba displayed flawless leadership and at a short notice executed first ever air mobilization of a specialised equipment battery, thereby ensuring timely inter command induction for 'Operation' with utter secrecy.

The officer because of his vast experience was moved at short notice and was instrumental in carrying out acquisition and analysis of one of the most difficult target. His technical prowess on equipment, tactical knowledge and time bound relentless mission oriented training transformed his subunit to mission capable within five days.

Once the unit was tasked to orchestrate coordinated precision engagement of most vital terrorist infrastructure in Northern Command, the officer demonstrated extreme courage and directed synchronized fire mission with absolute surprise despite under enemy observation and fire.

Once the enemy retaliated with heavy bombardment, with utter disregard to personal safety, the commanding officer kept moving from gun to gun thereby motivating his troops ensuring mission accomplishment. His resolute leadership and bravery in the face of enemy fire resulted in destruction of multiple terrorist Camps and neutralization of a large number of terrorists.

For displaying exceptional bravery, valour and courage under fire reflecting the traditional martial ethos of Indian Army. Colonel Koshank Lamba is awarded "VIR CHAKRA".

2. IC-72358P LIEUTENANT COLONEL SUSHIL BISHT, 1988 (INDEPENDENT) MEDIUM BATTERY

During an Operation Lieutenant Colonel Sushil Bisht as Officer Commanding, displayed exceptional courage, leadership and operational brilliance. He led his unit to resounding success by causing complete destruction of terrorist camps.

Displaying exceptional operational acumen, he undertook intense planning to determine precise target coordinates using latest satellite imagery and meticulously briefed commanders-in-chain on execution methodology. Officer also led his unit through rigorous rehearsals, focusing on achieving tactical surprise and swift extrication.

Upon receiving orders to strike terrorist camps, he swiftly deployed his unit under cover of darkness. Showing unparalleled courage and utter disregard for personnel safety, he led the assault by targeting precisely, causing complete target destruction. Despite enemy counter bombardment threat, he ensured safe and timely extrication of all troops under his command.

Again, he was tasked for destruction of a key target. Without delay, officer brought his unit to readiness and displaying undaunted courage under intense attack and constant enemy shelling, led his men to success.

For displaying conspicuous bravery, resolute leadership and unmatched courage in the face of enemy, Lieutenant Colonel Sushil Bisht is awarded "VIR CHAKRA".

3. JC-524528Y NAIB SUBEDAR SATISH KUMAR, 4TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT

Naib Subedar Satish Kumar, Mortar Position Controller, exhibited exemplary leadership, tactical acumen, and unwavering courage in an operation along the Line of Control.

While own posts came under intense enemy Artillery and mortar fire. Understanding the gravity of situation, Naib Subedar Satish Kumar took immediate and resolute control of the mortar platoon. Displaying exceptional tactical proficiency and battlefield awareness, he swiftly directed accurate retaliatory fire. Under his command, mortar detachments set fire on

various positions, destroyed the target, two surveillance cameras and caused substantial material loss to the adversary. In addition, his Counter Bombardment and Counter Mortar operations, suppressed the retaliatory fire and rescue tactical dominance without any casualty or damage to own mortar platoon.

Throughout the engagements, Naib Subedar Satish Kumar operated with composure, motivating his platoon through calm leadership and decisive action. His conduct upholds the finest traditions of Indian Army and sets a commendable example for others to follow. For his gallant action under enemy fire, outstanding professionalism and devotion to duty, Naib Subedar Satish Kumar is awarded "VIR CHAKRA".

4. 9124126F RIFLEMAN SUNIL KUMAR, 4TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)

1. Rifleman Sunil Kumar was deployed as liaison detachment at Border Outpost Kharkola of 7 Battalion Border Security Force.

2. Heavy cross border firing was reported in Ranbir Singh Pura Sector. Rifleman Sunil Kumar noticed an armed threat approaching dangerously close to his bunker. He promptly alerted against the threat within the engagement range of Light Machine Gun. Concerned about the potential armed payload and related threat to the outpost, Rifleman Sunil Kumar attempted to engage the threat. As the ibid armed threat was defiladed due to bunker structure and dense tree line, Rifleman Sunil, with utter disregard to personal safety stepped out of the bunker, effectively engaged and brought it down by his Light Machine Gun. However, during the encounter with the threat, Rifleman Sunil Kumar succumbed to severe fatal multiple splinter injuries.

For his unwavering commitment to duty, exceptional courage, Rifleman Sunil Kumar is awarded "VIR CHAKRA (POSTHUMOUS)".

5. 28181, GROUP CAPTAIN RANJEET SINGH SIDHU, FLYING (PILOT)

During an operation, his squadron equipped with the formidable fighter aircraft, was chosen for strike missions over a predetermined target. His squadron subsequently conducted successful strikes over the targets and achieved the desired objectives.

As the Commanding Officer, Group Captain Ranjeet Singh Sidhu exhibited exceptional acts of gallantry on multiple occasions, displayed resolute leadership and unwavering dedication to duty in a complex and high-stakes combat environment with disregard to personal safety. He ensured the planning and execution of air operations of his squadron from three different locations along the Western sector. He led from the front by flying multiple deep-penetration strike missions to destroy the designated targets with surgical precision and flew Air Defence missions in aid of own forces flying similar strike missions. In each of these missions, he faced complex threat scenarios and layered air defences. Despite overwhelming odds, he demonstrated unmatched courage and outstanding tactical acumen, thus ensuring mission success. His constant liaison and advise to war planning staff ensured achievement of all mission objectives. Group Captain Ranjeet Singh Sidhu made dynamic, real-time decisions in the air, adapting swiftly to emerging threats and operational variables. His bold leadership and composure under fire were instrumental in achieving the intended strike outcomes while ensuring survivability of own forces that were undertaking missions under the AD cover of his squadron.

Beyond his own missions, he remained deeply engaged in inspiring, motivating and professionally guiding the squadron personnel. As the Commanding Officer of the unit, he executed the preparatory tasks and undertook operations with outstanding leadership. He motivated all the officers and airmen placed under his command to keep the aircraft combat ready and serviceable over extended periods during the operations. The IAF was able to achieve an enhanced offensive posture owing to the unequivocal results achieved by the sqn under his leadership. For his act of exceptional gallantry and courage, Group Captain Ranjeet Singh Sidhu is awarded "VIR CHAKRA".

6. 28462, GROUP CAPTAIN MANISH ARORA, SC, FLYING (PILOT)

During an operation, he flew as mission leader of an unescorted strike package to neutralise predetermined targets that were heavily fortified by advanced weapon system of opposing forces. The airspace had seamless radar cover and was defended round the clock by aircraft equipped with long range state of art beyond visual range missiles. Opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and launch window to deliver the weapon was significantly short. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night followed by aggressive manoeuvring, so as to achieve launch parameters to deliver the weapon accurately and simultaneously evade hostile defences.

Despite overwhelming presence of the opposing forces in large numbers, he fired his weapon on the designated targets keeping mission objectives above personal safety. During weapon delivery, he was flying under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. He not only ensured successful target destruction, but alerted his formation ensuring safety of his wingmen. During the operation, his audacious and aggressive manoeuvring plunged the opposing forces into tactical chaos. The attacks carried out by him and his unit against the adversary were so intense that they rendered them incapable of retaliating. He maintained composure and mission focus, enabling the strike team to achieve its objective with nil

attrition. As Commanding Officer of the squadron, he upheld the motivation and morale of all personnel in his unit during the operation.

His dynamic leadership, expertise in battlefield management and courage inspired confidence not only in other pilots of his unit but in all air warriors. For his act of exceptional gallantry and courage, Group Captain Manish Arora, Shaurya Chakra, is awarded "VIR CHAKRA".

7. 28689, GROUP CAPTAIN ANIMESH PATNI, FLYING (PILOT)

During an operation, the officer was stationed at a forward airbase, commanding a strategic Surface to Air Missile (SAM) squadron. On the designated day, he demonstrated exceptional leadership, guiding his team with precision and flair, resulting in a decisive blow to the capabilities of adversaries, inflicting significant losses without suffering any damage.

The officer's contributions during the operation were instrumental, as he supervised surveillance over a very large-area and controlled two firing units. His unwavering focus, unrelenting drive, and ability to devise innovative solutions to complex problems ensured substantial losses of opposing forces while safeguarding his equipment, even in the face of intense fire. During the Ops, as Commanding Officer, his unit engaged multiple aerial targets. The Unit dynamically relocated to deceive the adversaries and continued to maintain offensive posture. The destruction achieved by his unit thwarted strike missions of opposing forces.

Group Captain Animesh Patni's foresight, meticulous planning, and liaison skills were evident in the successful conduct of a pioneering Offensive Air Defence Operation. Moreover, under his watchful eye and robust security setup, the squadron apprehended a suspected enemy Intelligence Operative near their operational location. The officer's exemplary leadership, discipline, and management skills ensured incident-free and effective firepower throughout the operation. The high morale and positivity within the squadron are a testament to his ability to motivate and inspire personnel under his command. For his act of exceptional gallantry and courage, Group Captain Animesh Patni is awarded "VIR CHAKRA".

8. 29889, GROUP CAPTAIN KUNAL KALRA, FLYING (PILOT)

During tasking of an operation on short notice, officer ensured all his aircrew and aircraft were mission ready. On a designated day, he flew as mission leader of an unescorted strike package to neutralise predetermined targets that were heavily fortified by modern air defence weapon system. Opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and launch window to deliver the weapon was miniscule. He was tasked to destroy two targets while navigating through adverse weather en-route. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night followed by aggressive manoeuvring to achieve launch parameters so as to deliver the weapon accurately.

Despite encountering aircraft unserviceability in air and overwhelming presence of adversaries in large numbers, he fired his first weapon on the target keeping Mission Objectives over his personal safety. First objective was achieved and he proceeded towards his second target. While readying his weapon for firing, system displayed indication of malfunction. Officer undauntingly kept flying under lethal range of opposing forces, evaded multiple aerial and ground launches. He executed remedial actions to reset his weapon system and brought his weapon back online. He not only ensured successful second target destruction, but also ensured safety of his wingmen. The stakes of the mission were extremely high and he proved his leadership & mission commitment. He dynamically re-allotted one remaining target in air to another formation ensuring complete target annihilation. As Flight Commander of the squadron, he upheld the morale of all the personnel in his unit during the operation, while supervising mission planning and asset management, ensuring unit readiness for mission execution. For his act of exceptional gallantry and courage, Group Captain Kunal Kalra is awarded "VIR CHAKRA".

9. 30398, WING COMMANDER JOY CHANDRA, FLYING (PILOT)

During an operation, the officer was tasked with executing a precision strike on predetermined targets. The operation required intricate planning, precise coordination, exceptional airmanship and highest level of situation awareness owing to presence of heavily networked Air Defence grid of adversaries, comprising of Air Defence ac and Surface to Air Guided Weapons (SAGWs) equipped with modern long range missiles.

The formation flew at low levels on the tactical route to avoid detection by radars and at opportune moment pulled up to higher levels for weapon release. As the mission progressed, the strike package was challenged by rapid air response both by way of Air Defence aircraft and SAGWs. Despite a networked hostile threat environment in air and ground, the officer displayed exceptional courage, enhanced situational awareness and optimal decision making in hostile environment and ensured successful delivery of weapon and its successful guidance till impact on target. Throughout the mission, despite being within lethal range of weapon systems, he maintained calm and focus to ensure destruction of the designated targets. For his act of exceptional gallantry and courage, Wing Commander Joy Chandra is awarded "VIR CHAKRA".

10. 32748, SQUADRON LEADER SARTHAK KUMAR, FLYING (PILOT)

During an operation, as a part of the mission planning cell, Squadron Leader Sarthak Kumar played a pivotal role in the conceptualisation, coordination and execution of multiple deep strike missions. He methodically worked with steadfast commitment, unshakeable focus and in absolute secrecy. Employing his exceptional expertise in preparing the extremely high-

value missions with minute precision, he ensured that every detail of the targeting plan was carefully accounted for. His methodical preparation of target folders and incorporation of precise intelligence data was instrumental in enabling mission success while mitigating operational risks.

Squadron Leader Sarthak Kumar played a pivotal role in two critical, high-stakes long-range stand-off strike missions. On the designated day, demonstrating unwavering composure and unrelenting tenacity under intense pressure, he successfully executed a deep strike mission targeting the assigned target with surgical precision. On the next day, Squadron Leader Sarthak Kumar was again tasked to fly a long range strike mission that resulted in the destruction of another critical target, thereby critically degrading the operational capabilities of adversaries and crippling its ability to wage war effectively. He executed this mission with unwavering commitment, despite countering the threats from multiple long range surface to air weapon systems and Beyond Visual Range missiles.

His actions which were vital component of the strike element directly impacted the capacity of opposite forces to resist, significantly contributing towards the achievement of all major operational objectives and ultimately securing a decisive victory. For his act of exceptional gallantry and courage, Squadron Leader Sarthak Kumar is awarded "VIR CHAKRA".

11. 33900, SQUADRON LEADER SIDDHANT SINGH, FLYING (PILOT)

During an operation, three ac formation was tasked for Stand-Off precision strike on a predesignated target. This required precise engagement of particular structure with the weapon system that had limited stand-off capability and required precise control of weapon till impact. The operation entailed accurate planning, precise coordination, exceptional flying skills and highest level of airmanship owing to presence of heavily networked and integrated Air Defence, which included long and medium range Surface to Air Guided Weapons (SAGWs) and Air Defence aircraft armed with long range Beyond Visual Range Missiles.

On the early morning hours, as part of the precision strike package, the formation flew at low levels on the tactical route in order to avoid detection by radars and at opportune moment pulled up to higher levels for weapon release. As the mission progressed, the strike package was challenged by rapid air response both by way of Air Defence aircraft and SAGWs. Despite a networked hostile threat environment in air and ground, the officer displayed exceptional courage, enhanced situational awareness and optimal decision making in air and ensured successful delivery of weapon and its successful guidance till impact on target. Throughout the mission, despite being within lethal range of weapon systems, he maintained calm and focus to ensure destruction of the designated targets. For his act of exceptional gallantry and courage, Squadron Leader Siddhant Singh is awarded "VIR CHAKRA".

12. 34563, SQUADRON LEADER RIZWAN MALIK, FLYING (PILOT)

During a mission at midnight, he flew as deputy mission leader of an unescorted strike package to neutralise predesignated targets that were heavily fortified by latest and highly potent air defence weapon systems. Adversary's airspace had seamless radar cover and was defended round the clock by aircraft equipped with long range state of the art beyond visual range missiles. The opportunity to penetrate this hostile threat envelope was extremely restricted and launch window available to deliver the weapon was miniscule. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night, aggressive manoeuvring to achieve launch parameters to deliver the weapon accurately and evade defences of opposite forces.

Despite overwhelming presence of the adversary, he fired his first weapon on the target keeping Mission Objectives over personal safety. During weapon delivery, he was under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. Even in such grave situation, he ensured successful target destruction, displaying dynamic decision making. The officer carried out an additional attack on second target while flying in high risk engagement zone and successfully annihilated another target. In attack phase of flight, he was challenged by aggressive electronic countermeasures which were evaded successfully. During the operation, officer led multiple missions amidst escalated hostile flying environment and fired weapons on target rendering them inoperable.

He displayed resolute valour, tactically adapted audacious and aggressive manoeuvring to plunge the adversaries into tactical chaos. For his act of exceptional gallantry and courage, Squadron Leader Rizwan Malik is awarded "VIR CHAKRA".

13. 36433, Flight Lieutenant Aarshveer Singh Thakur, Flying (Pilot)

During an operation at midnight, he flew as part of an unescorted strike package to neutralise the predesignated target by executing precision weapon strike, which spearheaded military operations. The targets were heavily defended by potent Air Defence Weapon systems. The opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and the launch window to deliver the weapon was miniscule. He also led a two aircraft unescorted strike mission on a crucial target on the same night.

Despite overwhelming presence of adversary, he courageously fired his weapon on the target amidst eminent threat showing disregard to his personal safety. He led his formation by routing at low levels at night while avoiding adverse weather, displaying exceptional situational awareness and courage. During weapon delivery, his formation was under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. His formation achieved successful target destruction. During the operation, his audacious and aggressive manoeuvring plunged the adversaries into tactical chaos. His attack on adversary had

devastating effect by rendering him incapable of retaliating. He maintained composure and mission focus, enabling the strike team to achieve its objective with no attrition.

Throughout the operations, he was actively involved in terrain and target analysis and mission planning. His commitment played vital role in overall mission success. For his act of exceptional gallantry and courage, Flight Lieutenant Aarshveer Singh Thakur is awarded "VIR CHAKRA".

14. 870027370 Sub Inspector (GD) Mohd. Imteyaj, BSF (POSTHUMOUS)

15. 214005316 Constable (GD) Deepak Chingakham, BSF (POSTHUMOUS)

SI(GD)Md Imteyaj alongwith Constable(GD) Deepak Chingakham and 05personnel of 07 Bn BSF was deployed at BOP Kharkola.

BOP Kharkola came under intense firing involving heavy cross border mortar shelling/flat trajectory fire throughout the intervening night of the day. SI(GD) Imteyaj and troops gave befitting reply.

Upon sensing danger from aerial threat, SI(GD) Imteyaj tactically moved out of command bunker and spotted the threats. He took the LMG and fired, neutralizing one of the threats. Constable Deepak also fired from LMG on second threat.

Meanwhile mortar shell, fired from cross border, exploded near morcha, causing grievous injuries to SI(GD) Imteyaj and Constable(GD) Deepak.

Sub Inspector (GD) Mohd. Imteyaj, while leading from the front, sustained grievous injuries including mangled extremities, abdominal trauma and severe splinter wounds to his neck and arms. Despite his fatal condition, he continued issuing orders and motivating his troops, uttering: "Jawano, aaj khatam kar do inko", he laid down life in the line of duty.

Constable (GD) Deepak Chingakham also sustained multiple grievous splinter injuries in his thorax and fractured tibia. Refusing evacuation and unwilling to abandon his buddy, he continued the fight, he laid down life in the line of duty.

For their act of exceptional gallantry and courage, Sub Inspector (GD) Mohd. Imteyaj and Constable (GD) Deepak Chingakham are awarded "VIR CHAKRA" (POSTHUMOUS).

S.M. SAMI
Under Secretary

No 64-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

1. IC-75018X LIEUTENANT COLONEL NEETESH BHARTI SHUKLA, 19TH BATTALION THE SIKH REGIMENT

On receipt of specific input regarding infiltration by a group of terrorists, an ambush under Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla was laid along the Line of Control on 13 July 2024.

At 1445 hours, on 14 July 2024, his surveillance team spotted three terrorists and provided early warning. Showing outstanding presence of mind in high pressure situation, he quickly re-adjusted ambush to trap terrorists.

At 1510 hours, as terrorists entered killing zone, he brought down heavy fire onto them. The leading terrorist, firing indiscriminately, threw grenades onto Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla and his team. Realising grave danger to his men, unmindful of his own safety, officer crawled towards terrorist amidst heavy fire and killed him at close proximity. In ensuing firefight, he came face to face with second terrorist, killing him with accurate fire.

He continued to resolutely control operation and assisted in elimination of third terrorist who was pinning down his team. The officer risked his life to safeguard his troops and ensured success of operation. The operation eliminated three heavily armed foreign terrorists.

For planning and executing a clinical operation without own casualty, Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla is awarded "SHAURYA CHAKRA".

2. IC-81649W MAJOR BHARGAV KALITA, THE KUMAON REGIMENT/ 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

Since October 2022, Major Bhargav Kalita has participated in three operations which resulted in neutralisation of three dreaded terrorists and apprehension of four hardcore Over Ground Workers. On 02 December 2024, at extreme by short notice Major Kalita planned, led and executed a surgical ambush operation neutralising a hardcore terrorist.

While exhibiting unmatchable fieldcraft and ensuring utmost surprise, he waited for the terrorist to enter killing ground. At close range, Major Kalita challenged the terrorist who retaliated with indiscriminate fire. While the terrorist

desperately attempted to escape, he brought down precise fire. Leading from front he tactically maneuvered and resited the ambush to prevent his escape. Thereafter, directed the party to keep the terrorist suppressed under fire and surveillance. With utter disregard to personal safety and under grave danger, he crawled towards hiding terrorist thereby displaying nerves of steel. Further, he charged and neutralised the terrorist in extreme close combat. The neutralised terrorist was identified as a A++ category terrorist with proven involvement in killing seven innocent civilians and dreaded terror attacks on security forces.

For his dauntless courage, audacious planning, exemplary leadership and intrepid execution of critical mission, Major Bhargav Kalita is awarded "SHAURYA CHAKRA".

3. IC-83864A MAJOR ASHISH KUMAR, 7TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

Major Ashish Kumar demonstrated exceptional leadership and bravery during a counter terrorist operation in Anantnag on 01-02 November 2024, which led to neutralization of two hard-core terrorists.

The officer leading his squad anticipated the likely routes of transit used by the terrorists and deployed 96 hours' surveillance cum ambush in the densely forested and mountainous terrain. On detecting the terrorists move, the officer maintaining his composure ordered the scouts to continue observing the move of terrorists. On positive identification of weapon with terrorists and when they were barely 50 meters from the Squad location, he personally challenged the terrorists who fired indiscriminately towards him.

The terrorists attempted to break contact, Major Ashish Kumar raw courage and disregard to own safety, closed in with the terrorists under live fire and brought down effective fire on them. He also effectively coordinated the fire of entire squad, support weapons and sniper detachments thereby eliminating both the terrorists.

Major Ashish Kumar's leadership and bravery ensured elimination of two hard-core terrorists including a, Category A++ terrorist who was responsible for numerous attacks on Security Forces in Jammu region and Kashmir valley. For his unwavering courage and bravery under fire Major Ashish Kumar is awarded "SHAURYA CHAKRA".

4. IC-87240L MAJOR ADITYA PRATAP SINGH, SENA MEDAL, THE RAJPUTANA RIFLES/ 44 ASSAM RIFLES

On receiving input regarding infiltration of heavily armed group of insurgents of a proscribed insurgent group with plans of striking Security Forces by blasting Improvised Explosive Devices in Arunachal Pradesh close to border, Major Aditya launched a deliberate operation.

After surveillance for more than seventy-two hours in treacherous terrain and harsh weather near Indo-Myanmar Border, officer successfully located insurgents near Nallah close to IMB on 25 October 2024. With great stealth, guile and leading from front, he assessed the instant security situation. With utter disregard to his personal safety, he closed-in with group of hard-core insurgents who opened heavy fire upon him from a very close range of thirty metres. Undaunted, undeterred, officer maneuvered fearlessly firing heavily on all insurgents. He single handedly killed the dreaded and most wanted insurgent, recovering huge cache of warlike stores including weapon, ammunitions, explosives, detonators, cordtex, batteries and material for Improvised Explosive Devices.

For this gallant act and exceptional bravery in foiling a major attack by insurgents, Major Aditya Pratap Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

5. AR-425Y ASSISTANT COMMANDANT MOHD SHAFIQ, 26 ASSAM RIFLES

Assistant Commandant Mohd Shafiq has demonstrated bravery of highest order, exemplary tactical acumen and presence of mind under heavy odds neutralized a hardcore terrorist.

On 5th November 2024, an area domination patrol of, 26 Assam Rifles moved to village Chuntawadi and, came under effective fire from terrorists. The fire was immediately retaliated by the patrol and terrorists took refuge in nearby house. On receipt of this information additional columns were immediately mobilized to encounter location and one column led by Assistant Commandant Mohd hafiq was deployed on North-Eastern side of target house. While the firefight was in progress, approximately at 2015 hours, taking advantage of darkness, the terrorists attempted to break the cordon. At this time, Assistant Commandant Mohd Shafiq unmindful of his personal safety closed in to the terrorist under heavy fire and eliminated him from a very close range without any loss to own troops and recovered huge quantities of war like stores.

For displaying raw courage, leadership of highest order and exceptional tactical acumen in neutralising an A+++ category, Assistant Commandant Mohd Shafiq is awarded "SHAURYA CHAKRA".

6. JC-414986M SUBEDAR SHAMSHER SINGH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

Subedar Shamsher Singh was enrolled on 15 January 2000 and joined 4th Battalion, The Parachute Regiment on 05 July 2008. During a counter terror operation in forested area in Srinagar District, to track and neutralize three high profile terrorists, Subedar Shamsher Singh was designated as Squad Commander of the Second squad.

Navigating razor thin ridgelines and sheer cliff faces under total darkness, Subedar Shamsher Singh stealthily maneuvered his squad into a tactically dominant position just before dawn. Despite radio silence, he showcased flawless control, and commenced the search of the designated area.

As the initial contact was established and two terrorists were eliminated by the lead squad, Subedar Shamsher Singh, while clearing his sector, suddenly came under intense fire. Displaying exceptional presence of mind and battlefield composure, he quickly identified the location of incoming fire of the terrorist, exploiting a blind spot which posed an imminent danger to the lead squad. He repositioned himself under direct enemy engagement, returned accurate fire and passed real time instructions to his squad to isolate the threat effectively.

In the ensuing close-quarter engagement, braving the terrorist's heavy volume of fire, Subedar Shamsher crawled forward under cover and brought down a precise and lethal burst, neutralising the third terrorist.

For displaying exceptional courage under fire, astute combat leadership and devotion beyond the call of duty, Subedar Shamsher Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

7. 2712274W LANCE NAIK RAHUL SINGH, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

Lance Naik Rahul Singh was enrolled on 16 December 2015 and joined 4th Battalion, The Parachute Regiment on 04 April 2018. During a counter terror operation in forested area in Srinagar District, to track and neutralize three high profile terrorists, Lance Naik Rahul was deployed as the lead scout of his squad, tasked with clearing the dense forest belt.

Displaying nerves of steel and unparalleled field craft, Lance Naik Rahul advanced through thick undergrowth and treacherous terrain in pre-dawn darkness. At approximately 0930 hours, while clearing a natural depression, he noticed subtle movement in the Jungle. He meticulously scanned the area and identified a fresh foot track. He then discovered more signs which confirmed presence of terrorists. He soon discovered a concealed structure, confirming it as terrorist hideout and quickly relayed the loc of hideout.

Realising the imminent threat to the advancing squad, he quickly relayed the location of the hideout and engaged the nearest terrorist with precise fire. His swift action neutralised one terrorist on the spot.

His decisive action and fearless response not only ensured prevention of casualties to own troops but also enabled the team to dominate the engagement from the outset. His gallantry, presence of mind and combat prowess laid the foundation for the successful neutralisation of all three terrorists.

For his gallant action, resolute bravery and exceptional combat reflexes under fire, Lance Naik Rahul Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

8. G/5009749A RIFLEMAN BHOJ RAM SAHU, 3 ASSAM RIFLES

On 15 November 2024, on receiving input regarding infiltration by a group of 15 insurgents along Indo Myanmar Border, many columns were launched to strengthen the counter infiltration grid. Rifleman Bhoj Ram Sahu was performing the duties of scout and his column came under sudden intense burst of fire. With utter disregard to his safety, he rapidly advanced towards firing insurgents and engaged them with effective and accurate firing during counter action drill thus injuring two of them. The insurgents brought down heavy fire on him to extricate the injured, during the exchange of fire he sustained a gunshot wound, but he continued to fight undeterred. His courageous and dauntless action forced the insurgents to flee across Indo Myanmar Border. Technical intelligence confirmed killing of three insurgents. The search operation led to recovery of one 7.62 mm SLR Rifle, One MA-1 automatic Rifle, Two Lathod Bombs, One 81mm Mortar Bomb, One MG-2 Rifle Grenade, war like stores and a definitive trail of blood along the escape route.

For this extraordinary act in the line of duty Rifleman Bhoj Ram Sahu is awarded "SHAURYA CHAKRA".

9. 09213-N LIEUTENANT COMMANDER SURAJ PRASHAR

Lt Cdr Suraj Prashar (09213-N), on 05/ 06 Nov 24, a joint Cordon and Search Operation (CASO) was launched wherein the officer displayed exemplary courage and leadership resulting in successful elimination of one Pakistani terrorist (graded A++) and recovery of warlike stores.

Two terrorists who had taken refuge in a house in the Chuntawadi Village, after having fired upon, despite indiscriminate firing by the terrorists on own troops, Lt Cdr Suraj Prashar displayed raw courage and excellent field craft in identifying and occupying a vantage position in extremely close proximity from the target area.

One of the cornered terrorists tried to break the cordon inflicting non-fatal gunshot injuries onto own troops. Lt Cdr Suraj Prashar immediately realised the gravity of situation and fearlessly opened aimed deliberate fire on the other terrorist who was still in hiding, whilst keeping own forces apprised in real-time, thereby, resulting in successful neutralisation of the Pakistani terrorist by own forces at about 2025hrs.

Thereafter, the officer ensured continuous monitoring of the target area till sunrise and later spearheaded a joint team which recovered war like stores.

The conduct of officer was way beyond the normal call of duty, displaying conspicuous gallantry which is in keeping with the highest traditions of the service. Lt Cdr Suraj Prashar is awarded with "SHAURYA CHAKRA".

10. 254831-N RAM GOYAL, SEA I (MC)

Ram Goyal, SEA I (MC), 254831N was deployed for OP RAKSHAK at Naval Detachment North, Jammu and Kashmir from Jul 24 to Dec 24. During Op Chuntawadi, on 05/06 Nov he displayed exceptional courage resulted in neutralisation of one Pakistani terrorist of Category A++.

He was responsible for cordon an area at a distance of 50m from the target house under a heavy volume of fire where the two terrorists were hiding.

Ram Goyal, SEA I (MC) displayed immense tactical maturity and fearlessly broke his cover multiple times to deliver accurate fire to pin down the other terrorist hiding in the target house. Thereafter, he provided sustained surveillance of the target house till sunrise and, on the ensuring morning, entered the target house with his buddy for sanitisation resulting in recovery of the dead body of the neutralised terrorists and recovery of multiple war-like stores.

For displaying astute tactical acumen, indomitable courage and conspicuous gallantry, way beyond the call of duty, Ram Goyal, SEA I (MC), 254831-N is awarded for award of "SHAURYA CHAKRA".

11. 30725, Wing Commander Abhimanyu Singh, Flying (Pilot)

On 21 Nov 24, he was tasked as captain for a dual check of an under trainee pilot by dark moonless night, from a location other than home base, in marginal visibility. While practicing an upward turn with afterburners engaged, the rear canopy shattered at 5.5 km in steep nose up attitude causing explosive decompression of the cabin. Multiple pieces of canopy made hard impact on his helmet, face and right elbow due to which the helmet was bent, visor was shattered and his head hit the seat headrest. Sharp wind blast created strong suction effect and he hit his left shoulder multiple times against the canopy railing.

Despite a very hostile cockpit environment, aeromedical adversities and injuries, the pilot meticulously commenced a series of accurate and precisely timed actions for an expeditious recovery. With exceptional skill, he managed to control the aircraft, averting catastrophic threat to life and aircraft. He started bleeding profusely with blood splattering due to wind blast, thus impairing his vision. He felt searing pain on his face and left shoulder, and his right elbow started becoming numb. Due to extreme discomfort, he asked front pilot to steer the aircraft towards base. The throttles kept slipping forward due to wind blast but he retained control. As the aircraft came on approach, the pain became almost sweltering. His right hand felt rigid and he started feeling faint and weak. Being acutely aware of inexperience of the front pilot, marginal visibility conditions (not within the rating of front pilot), and proximity to civil population, he displayed exemplary courage and commitment by taking over control of the aircraft and executed a flawless landing demonstrating exceptional flying prowess.

Despite being grievously injured, the pilot displayed grit, courage and professionalism. By recovering the aircraft safely, he not only ensured safety of a precious national asset, but also prevented a potential crash, protecting civilian life and property. For his act of exceptional gallantry and courage, Wing Commander Abhimanyu Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

12. 145310461 Constable/GD Saddam Hussain, CRPF

On 05 November 2024, credible input was received regarding the presence of two heavily armed foreign terrorists (FTs) in the forested upper region of Chuttawari, Kaitsun, in Bandipora district, Jammu & Kashmir. Acting swiftly on the intelligence, a joint cordon and search operation was planned by Commandant 03 CRPF in coordination with 26 Assam Rifles, and J&K Police Bandipora. Accordingly, joint troops mobilized with resources and deployed quickly on target at 1650 hours.

As per plan, at approximately 1700 hours, during the course of the search, an exchange of fire ensued between the terrorists and troops of 26 Assam Rifles. Upon detection of the terrorist hideout, a tight tactical cordon was established around the suspected structure by joint troops of CRPF, Assam Rifles, and SOG/JKP.

Constable/GD Saddam Hussain of 3 CRPF took up a tactical position in the north-east direction of the target area under hostile conditions. Despite being subjected to indiscriminate fire from the terrorists, armed with modern assault rifles, he held his ground with exceptional composure. When it was assessed that the terrorists were holed up inside a house and the entry points needed to be breached, Constable Saddam Hussain, with complete disregard for personal safety, started moving closer to the target amidst heavy firing and effectively engaged the target by firing UBGL rounds with precision.

Displaying nerves of steel and remarkable bravery, Constable Saddam Hussain launched a pinpoint UBGL round from a distance of just 25 meters, directly hitting one of the terrorists. The terrorist was grievously injured and later found dead during the mopping-up operation.

The audacious and decisive action of Constable Saddam Hussain in the face of grave danger played a pivotal role in neutralizing a heavily armed foreign terrorist and ensured the success of the operation.

In recognition of his rare act of conspicuous gallantry, indomitable courage, and devotion to duty beyond the call, which directly resulted in the elimination of a foreign terrorist, No. 145310461 Constable/GD Saddam Hussain of 3 CRPF is awarded "Shaurya Chakra."

13. 115342883 Constable/GD Feda Hussain Dar, CRPF

On 2nd November 2024, at approximately 0245 hrs, upon being briefed about the presence of a foreign terrorist in the Thug Mohalla area, under PS Khanyar, as per Ops planning, Ct/GD Feda Hussain Dar along with his team swiftly laid an impeccable cordon with surprise, positioning himself at Firebase 3 on the left portion of the target house.

As the search started, hostile fire erupted from the target house toward his firebase. Ct/GD Feda Hussain Dar decisively took cover and returned fire tactically. To break the impasse and prevent potential escalation of law and order issues in downtown, it was decided to carry out a room intervention to neutralize the threat, using the cover of darkness to prevent any possibility of escape.

Three room intervention assault group were formed and he was the part of leading assault group. He positioned himself in the second position with the Ballistic shield. The assault group moved in a coordinated manner, entering the target house from the main iron gate and providing covering fire for one another. Using a caterpillar movement and leapfrog techniques, they advanced towards the house. As they neared the entrance, the teams came under heavy fire, including grenade attacks. Ct/GD Feda Hussain Dar utilized ballistic shields to defend themselves while continuing their advance with fire-and-move tactics. Ct/GD Feda Hussain Dar advanced inch by inch and positioned himself near the main entrance door of the target house. As the door was slightly opened, two grenades exploded near his position, enveloping the area in thick black smoke and debris. Despite the limited visibility, he continued to hold their position and protect themselves using their ballistic shields. During the exchange of fire Ct/GD Feda Hussain Dar sustained bullet injuries in his Right leg. Despite sustaining bullet injuries, Ct/GD Feda Hussain Dar demonstrated nerves of steel, concentrated his fire on the enemy position, neutralizing the terrorist in less than a minute. His precise and integrated close-quarters battle (CQB) firing from the left flank proved decisive in neutralizing the threat.

For exhibition of unparalleled valour, exceptional courage, conspicuous bravery, despite sustaining bullet injuries in an intense close quarter battle and in the face of grave and imminent danger with utter disregard to his personal safety/lives during the room intervention, Ct/GD Feda Hussain Dar is awarded "Shaurya Chakra".

14. 115069477 Constable/GD Sanjay Tiwari, CRPF

On 2nd November 2024, at approximately 0245 hrs, upon being briefed about the presence of a foreign terrorist in the Thug Mohalla area, under PS Khanyar, as per Ops planning, Ct/GD Sanjay Tiwari and his team swiftly laid an impeccable cordon with surprise, positioning himself at Firebase 3 on the left portion of the target house.

As the search started, hostile fire erupted from the target house toward his firebase. Ct/GD Sanjay Tiwari decisively took cover and returned fire tactically. To break the impasse and prevent potential escalation of law and order issues in downtown, it was decided to carry out a room intervention to neutralize the threat, using the cover of darkness to prevent any possibility of escape.

As per Ops planning, three room intervention assault group were formed and he was the part of leading assault group. The assault group moved in a coordinated manner, entering the target house from the main iron gate and providing covering fire for one another. Using a caterpillar movement and leapfrog techniques, they advanced towards the house. As they neared the entrance, the teams came under heavy fire, including grenade attacks. Ct/GD Sanjay Tiwari continuing their advance with fire-and-move tactics. Ct/GD Sanjay Tiwari advanced inch by inch and positioned himself near the main entrance door of the target house. As the door was slightly opened, two grenades exploded near his position, enveloping the area in thick black smoke and debris. Despite the limited visibility, he continued to hold their position. During the exchange of fire Ct/GD Sanjay Tiwari sustained bullet/splinter injuries in his left patella, right side of the neck and groin area. Despite sustaining bullet/splinter injuries Ct/GD Sanjay Tiwari demonstrated nerves of steel, concentrated his fire on the enemy position, neutralizing the terrorist in less than a minute. His precise and integrated close-quarters battle (CQB) firing from the left flank proved decisive in neutralizing the threat.

For exhibition of unparalleled valour, exceptional courage, conspicuous bravery, despite sustaining bullet injuries in an intense close quarter battle and in the face of grave and imminent danger with utter disregard to their personal safety/lives during the room intervention, Ct/GD Sanjay Tiwari is awarded "Shaurya Chakra".

15. Inspector Laxman Kewat, Chhattisgarh Police

On 16/04/2024, the largest ever encounter in Chhattisgarh was carried out by a team of 187 men led by the Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

Based on an input received by SSP Kanker, an operation was launched led by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh. The naxals had laid out an ambush and at around 1300 hours a massive outburst of fire was carried out by them which aimed to kill security forces and loot weapons and equipment. Despite all efforts of forces to halt the fire and surrender, naxals continued constant bursts of fire and forced the forces to open fire in self-defence.

The situation required extreme courage and composure as lives of nearly 200 men were at stake. Inspector Laxman Kewat demonstrated skilled behaviour and fortitude in developing a counter strategy on the spot, communicating it to fellow men, and coordinating the execution in a near perfect manner. The counter ambush tactics deployed were outstanding and bold, catching the Naxals by surprise.

The firing continued for over three hours which injured 4 members of the forces. Commander Laxman Kewat planned an immediate rescue plan while countering the fire, and rescued the injured to safety while the engagement with naxals continued.

The Maoists fired about 1000-1200 rounds from country made and various automatic weapons, 100-150 rounds from BGL, and executed about 15 IED blasts. In response, the forces also fired a total of 6324 rounds, 04 hand grenades, and 05 UBGL.

After the incident, site was cordoned off and search operations were conducted. The dead bodies of 15 unidentified men and 14 unidentified women maoists were recovered along with 01 AK47 rifle, 1 SLR rifle, 02 Insas rifles, 03 303 rifle, 9 country-made rifles, a 315bore rifle, a 09mm carbine, 02 country-made BGL rifle, 02 09mm pistol, 06 country-made BGL bombs, 04 detonators, a country-made grenade and a large quantity of cartridge. Naxalite literature, and daily use items. This massive success in Chhattisgarh's naxal operations was due to the exceptional courage and extraordinary leadership demonstrated by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

For his act of exceptional gallantry and courage, Inspector Laxman Kewat is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

16. Inspector Rameshwar Prasad Deshmukh, Chhattisgarh Police

On 16/04/2024, the largest ever encounter in Chhattisgarh was carried out by a team of 187 men led by the Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

Based on an input received by SSP Kanker, an operation was launched led by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh. The naxals had laid out an ambush and at around 1300 hours a massive outburst of fire was carried out by them which aimed to kill security forces and loot weapons and equipment. Despite all efforts of forces to halt the fire and surrender, naxals continued constant bursts of fire and forced the forces to open fire in self-defence.

The situation required extreme courage and composure as lives of nearly 200 men were at stake. Inspector Laxman Kewat demonstrated skilled behaviour and fortitude in developing a counter strategy on the spot, communicating it to fellow men, and coordinating the execution in a near perfect manner. The counter ambush tactics deployed were outstanding and bold, catching the Naxals by surprise.

The firing continued for over three hours which injured 4 members of the forces. Commander Laxman Kewat planned an immediate rescue plan while countering the fire, and rescued the injured to safety while the engagement with naxals continued.

The Maoists fired about 1000-1200 rounds from country made and various automatic weapons, 100-150 rounds from BGL, and executed about 15 IED blasts. In response, the forces also fired a total of 6324 rounds, 04 hand grenades, and 05 UBGL.

After the incident, site was cordoned off and search operations were conducted. The dead bodies of 15 unidentified men and 14 unidentified women were recovered along with 01 AK47 rifle, 1 SLR rifle, 02 Insas rifles, 03 303 rifle, 9 country-made rifles, a 315hore rifle, a 09mm carbine, 02 country-made BGL rifle, 02 09mm pistol, 06 country-made BGL bombs 04 detonators, a country-made grenade and a large quantity of cartridge, Naxalite literature, and daily use items. This massive success in Chhattisgarh's naxal operations was due to the exceptional courage and extraordinary leadership demonstrated by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

For his act of exceptional gallantry and courage, Inspector Rameshwar Prasad Deshmukh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 65-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of “Sarvottam Yudh Seva Medal” to the under mentioned personnel for distinguished service of the most exceptional order duing war/conflict/hostilities:—

1. IC-47032N LIEUTENANT GENERAL PRATIK SHARMA, PVSM, AVSM, SM, THE MADRAS REGIMENT, HEADQUARTERS NORTHERN COMMAND
2. IC-48989Y LIEUTENANT GENERAL RAJIV GHAI, UYSM, AVSM, SM***, THE KUMAON REGIMENT, INTEGRATED HEADQUARTERS OF MINISTRY OF DEFENCE (ARMY)
3. 03081-A VICE ADMIRAL SANJAY JASJIT SINGH, PVSM, AVSM, NM (RETD)
4. 18270, AIR MARSHAL NARMDESHWAR TIWARI, PVSM, AVSM, VM, FLYING (PILOT)
5. 18557, AIR MARSHAL NAGESH KAPOOR, PVSM, AVSM, VM, FLYING (PILOT)
6. 18575, AIR MARSHAL JEETENDRA MISHRA, AVSM, VSM, FLYING (PILOT)
7. 18781, AIR MARSHAL AWADHESH KUMAR BHARTI, AVSM, VM, FLYING (PILOT)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 66- Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Uttam Yudh Seva Medal" to the under mentioned personnel for distinguished service of exceptional order during war/conflict/hostilities:—

1. IC-43725N LIEUTENANT GENERAL MANOJ KUMAR KATIYAR, PVSM, AVSM, THE RAJPUT REGIMENT, HEADQUARTERS WESTERN COMMAND
2. IC-49469A LIEUTENANT GENERAL PRASHANT SRIVASTAVA, AVSM, SM, THE PARACHUTE REGIMENT, HEADQUARTERS 15 CORPS
3. IC-49911A LIEUTENANT GENERAL PRASANNA KISHORE MISHRA, AVSM, YSM, SM, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, HEADQUARTERS 16 CORPS
4. 03350-N VICE ADMIRAL TARUN SOBTI, AVSM, VSM
5. 18554, AIR MARSHAL MANISH KHANNA, AVSM, VM, FLYING (PILOT)
6. 19162, AIR MARSHAL PRAVEEN KESHAV VOHRA, AVSM, VM, FLYING (PILOT)
7. 23214, AIR COMMODORE AJAY KUMAR CHAUDHARY, VM, FLYING (PILOT)
8. 24494, AIR COMMODORE PRABHAT MALIK, VM, FLYING (PILOT)
9. 26308, GROUP CAPTAIN KAMRAN NAZEER, FLYING (PILOT)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 67-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Yudh Seva Medal" to the under mentioned personnel for the distinguished service of high order during war/conflict/hostilities:—

1. IC-50744F MAJOR GENERAL SANDEEP SUDARSHAN SHARDA, SM, VSM, THE DOGRA REGIMENT, INTEGRATED HEADQUARTERS OF MINISTRY OF DEFENCE (ARMY)
2. IC-53119L BRIGADIER RAKESH NAIR, SM, VSM, THE 9TH GORKHA RIFLES, INTEGRATED HEADQUARTERS OF MINISTRY OF DEFENCE (ARMY)
3. IC-54465N BRIGADIER VIVEK GOEL, THE ARMY AIR DEFENCE, HEADQUARTERS 616 (INDEPENDENT) AIR DEFENCE BRIGADE
4. IC-55861W BRIGADIER SURJEET KUMAR SINGH, SM, THE INTELLIGENCE CORPS, HEADQUARTERS INTELLIGENCE AND FIELD SECURITY GROUP
5. IC-56631P BRIGADIER SONENDER SINGH, SM, THE CORPS OF ENGINEERS, HEADQUARTERS 75 (INDEPENDENT) INFANTRY BRIGADE GROUP
6. IC-57015F BRIGADIER VIVEK PURI, SM, THE ASSAM REGIMENT, HEADQUARTERS 19 INFANTRY BRIGADE
7. IC-57727K BRIGADIER MUDIT MAHAJAN, THE SIKH REGIMENT, HEADQUARTERS 93 INFANTRY BRIGADE
8. JC-390156P SUBEDAR VINOD KUMAR, HEADQUARTERS 1 ELECTRONICS WARFARE BRIGADE

9. JC-859489H NAIB SUBEDAR RATNESWAR GHOSH, 152 AIR DEFENCE REGIMENT
10. 03579-H VICE ADMIRAL AN PRAMOD, AVSM
11. 03857-R REAR ADMIRAL RAHUL VILAS GOKHALE, NM
12. 21209, AIR VICE MARSHAL JOSEPH SUARES, VM, FLYING (PILOT)
13. 21809, AIR VICE MARSHAL PRAJUAL SINGH, VM, FLYING (PILOT)
14. 21518, AIR COMMODORE SHASHI KANT, FLYING (PILOT)
15. 22711, AIR COMMODORE SAGAR SINGH RAWAT, VM, FLYING (PILOT)
16. 23177, AIR COMMODORE ASHOK RAJ THAKUR, VM, FLYING (PILOT)
17. 24206, AIR COMMODORE PRADEEP BATRA, FLYING (PILOT)
18. 24514, AIR COMMODORE KANWAL PREET SINGH DHAM, VM, FLYING (PILOT)
19. 24519, AIR COMMODORE DEVASHISH KUKRETI, VM, FLYING (PILOT)
20. 25081, AIR COMMODORE ROHIT KAPIL, VM, FLYING (PILOT)
21. 25829, GROUP CAPTAIN ALOK KUMAR SHARMA, FLYING (PILOT)
22. 26517, GROUP CAPTAIN VIKAS VERMA, VM, FLYING (PILOT)
23. 26986, GROUP CAPTAIN ANKIT MEHROTRA, VM, FLYING (PILOT)
24. 29823, WING COMMANDER GOBIND SINGH, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 68-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-77496A MAJOR RAHUL DUTTA, SM, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 6 RASHTRIYA RIFLES
2. 12984882P SEPOY NADIM IQBAL SHAH, SM, 163 INFANTRY BATTALION TERRITORIAL ARMY

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 69-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-72013N LIEUTENANT COLONEL THAKUR MAHESHSINGH RAMSHANKARSINGH, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES
2. IC-72239Y LIEUTENANT COLONEL PALUGULLA MASTAN REDDY, EASTERN COMMAND INTELLIGENCE BATTALION
3. IC-73706X LIEUTENANT COLONEL PARIKSHIT PANWAR, 12 MAHAR
4. IC-75955P LIEUTENANT COLONEL MOHAN SINGH, 4 RAJPUT
5. TA-42693K LIEUTENANT COLONEL NIKHIL THAKUR, 160 INFANTRY BATTALION TERRITORIAL ARMY
6. IC-76453Y MAJOR JAPPANPREET SINGH, THE ARMOURED CORPS, 22 RASHTRIYA RIFLES
7. IC-76601Y MAJOR SUMEET GROHWAL, 9 PUNJAB
8. IC-77134Y MAJOR SHILADITYA SINGH RANAWAT, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
9. IC-77752K MAJOR HITESH SINGH VERMA, 5 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
10. IC-79130F MAJOR YOGESH KUMAR, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 57 RASHTRIYA RIFLES
11. IC-79269Y MAJOR ANKUR YADAV, 5 SIKH

12. IC-80295M MAJOR SHIVANK PATHAK, THE MADRAS REGIMENT, 8 RASHTRIYA RIFLES
13. IC-81737M MAJOR AMIT BHATTI, 302 MEDIUM REGIMENT
14. IC-82211M MAJOR DHANANJAY JAMWAL, THE GRENADIERS, 29 RASHTRIYA RIFLES
15. IC-82774M MAJOR NIKHIL SHARMA, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
16. IC-83875M MAJOR ANUJ MAHAJAN, THE MECHANISED INFANTRY, 36 ASSAM RIFLES
17. IC-84078N MAJOR AMAN DHAR, THE CORPS OF SIGNALS, 22 RASHTRIYA RIFLES
18. IC-86329L MAJOR ROGER SAUL KAMUO MAO, THE KUMAON REGIMENT, 43 ASSAM RIFLES
19. IC-87133K MAJOR GAGANDEEP SINGH, 9 RASHTRIYA RIFLES
20. SS-51132W MAJOR SWAROOP ANJAN BEHERA, 5 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
21. IC-85959Y CAPTAIN VARUN CHADHA, 19 SIKH
22. JC-431782W SUBEDAR MAJOR PAWAN KUMAR, THE PUNJAB REGIMENT, 10 INFANTRY BRIGADE CAMP (POSTHUMOUS)
23. JC-285946L SUBEDAR PRADEEP KUMAR, 278 MEDIUM REGIMENT
24. JC-290293Y SUBEDAR GIRRAJ SINGH RAJPOOT, 1851 LIGHT REGIMENT
25. JC-532556A SUBEDAR ROSHAN SINGH, 17 GARHWAL RIFLES
26. JC-857345F SUBEDAR MANISH KUMAR DUBEY, 131 AIR DEFENCE REGIMENT
27. JC-415332P NAIB SUBEDAR RAKESH KUMAR, 2 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
28. JC-434254X NAIB SUBEDAR SATNAM SINGH, 30 PUNJAB
29. JC-473152X NAIB SUBEDAR ARVIND KUMAR, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
30. JC-572869F NAIB SUBEDAR BIRENDER SINGH, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES
31. JC-630823M NAIB SUBEDAR PREM BAHADUR SINGH, 5/9 GORKHA RIFLES
32. JC-NYA-15200866L NAIB SUBEDAR SURJA DEB BARMA, 1832 LIGHT REGIMENT
33. 15781385Y BATTALION HAVILDAR MAJOR PAWAN SINGH, 49 AIR DEFENCE REGIMENT
34. 15221294H REGIMENT HAVILDAR MAJOR ANKUR, 302 MEDIUM REGIMENT
35. 14652187A HAVILDAR SUNIL KUMAR SINGH, 625 ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS BATTALION (POSTHUMOUS)
36. 19003554P HAVILDAR GURPREET SINGH, 19 SIKH
37. 2811710L HAVILDAR MEDADE VIKAS RAMDAS, 18 MARATHA LIGHT INFANTRY
38. 3011455Y HAVILDAR JASWANT SINGH, 4 RAJPUT
39. 4580200H HAVILDAR GOPAL PRADHAN, 12 MAHAR
40. 21000789W LANCE HAVILDAR MOREY SANTOSH BHAGWAN, 34 (M) FIELD REGIMENT
41. 2706303K LANCE HAVILDAR LAGARIYA DINESHBHAI PALABHAI, 12 GRENADIERS
42. 4493353W LANCE HAVILDAR JOBANPREET SINGH, 13 SIKH LIGHT INFANTRY
43. 13629683Y NAIK GURJEET SINGH, 7 PARA (SPECIAL FORCES)
44. 14942084M NAIK SUNIL, THE MECHANISED INFANTRY, 9 RASHTRIYA RIFLES
45. 15239507N NAIK GURPREET SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34 RASHTRIYA RIFLES
46. 19007816X NAIK BHUPINDER SINGH, 19 SIKH
47. 19009039Y NAIK ROBIN SINGH, 19 SIKH
48. 15239160M LANCE NAIK DINESH KUMAR, 5 FIELD REGIMENT (POSTHUMOUS)
49. 15514509M LANCE NAIK PARDEEP KUMAR, 1 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

50. 21014377A LANCE NAIK ABHIMAN SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34 RASHTRIYA RIFLES
51. 3212371F LANCE NAIK SUBHASH KUMAR, 7 JAT (POSTHUMOUS)
52. 19005019N SEPOY GURJODH SINGH, THE SIKH REGIMENT, 6 RASHTRIYA RIFLES
53. 12975104H RIFLEMAN HILAL AHMAD BHAT, 162 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY) (POSTHUMOUS)
54. 16030484H RIFLEMAN MOHIT RATHOUR, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
55. 4100460P RIFLEMAN DIWAKER SINGH, 17 GARHWAL RIFLES
56. 9126692A RIFLEMAN NAJUM UD DIN KHAN, 4 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
57. A1500528W AGNIVEER KULVEER SINGH, 7 SIKH LIGHT INFANTRY
58. A3451489H AGNIVEER MOOD MURALINAIK, 851 LIGHT REGIMENT (POSTHUMOUS)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 70-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 04935-R CAPTAIN SURAJ JAMES REBEIRA
2. 05025-W CAPTAIN VIKAS GARG
3. 06156-R COMMANDER VIVEK KURIAKOSE
4. 06239-B COMMANDER KAPIL KUMAR
5. 52743-W COMMANDER SAURABH KUMAR
6. 222645-N CHME MANOJ KUMAR

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 71-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 29006, GROUP CAPTAIN OMAR BROWNE, VM, FLYING (PILOT)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 72-Pres/2025—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 27468, GROUP CAPTAIN ANKUR HAKIM, FLYING (PILOT)
2. 27695, GROUP CAPTAIN MANAV BHATIA, FLYING (PILOT)
3. 27970, GROUP CAPTAIN YASIR FARUQI, FLYING (PILOT)
4. 28507, GROUP CAPTAIN VARUN BHOJ, FLYING (PILOT)
5. 28703, GROUP CAPTAIN ANURAJ SINGH MINHAS, FLYING (NAVIGATOR)
6. 29482, GROUP CAPTAIN DEEPAK CHAUHAN, FLYING (PILOT)
7. 30176, GROUP CAPTAIN KUNAL VISHWAS SHIMPI, FLYING (PILOT)
8. 27237, WING COMMANDER RUPAK ROY, FLYING (NAVIGATOR)
9. 27711, WING COMMANDER DEVENDRA BABASAHEB AUTADE, FLYING (PILOT)

10. 28710, WING COMMANDER MAYANK PALIWAL, FLYING (PILOT)
11. 30215, WING COMMANDER DEEPAK DOGRA, FLYING (PILOT)
12. 31122, WING COMMANDER RAVINDER KUMAR, FLYING (PILOT)
13. 31128, WING COMMANDER ADARSH GUPTA, FLYING (PILOT)
14. 32414, WING COMMANDER ABHAY SINGH BHADORIA, FLYING (PILOT)
15. 32512, WING COMMANDER AMANDEEP SINGH DIHOT, FLYING (PILOT)
16. 33155, SQUADRON LEADER KAUSTUBH NALAWADE, FLYING (PILOT)
17. 33473, SQUADRON LEADER MIHIR VIVEK CHAUDHARI, FLYING (PILOT)
18. 33553, SQUADRON LEADER RAKESH SHARMA, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
19. 34860, SQUADRON LEADER MALAPATI NV NAVEEN KUMAR, FLYING (PILOT)
20. 34869, SQUADRON LEADER SHUBHAM SHARMA, FLYING (PILOT)
21. 36162, SQUADRON LEADER AMAN SINGH, FLYING (PILOT)
22. 36190, SQUADRON LEADER GAURAV KHOKHER, FLYING (PILOT)
23. 37114, FLIGHT LIEUTENANT A NAVEEN CHANDAR, ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER
24. 713610, SERGEANT SURENDRA KUMAR, MEDICAL ASSISTANT (POSTHUMOUS)
25. 714549, CORPORAL VARUN KUMAR S, MEDICAL ASSISTANT

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 73-Pres/2025—The President is pleased to give orders for Publication in the Gazette of India of the names of the under Mentioned officers/personnel for "Mention- in-Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff, Chief of the Naval Staff & Chief of the Air Staff":—

1. IC-82030F MAJOR ANKIT SHARMA, THE GRENADIERS, 29 RASHTRIYA RIFLES
2. IC-82110Y MAJOR AYUSH NAGPAL, THE MECHANISED INFANTRY, 9 RASHTRIYA RIFLES
3. IC-82753W MAJOR DIGVIJAY SINGH DHADWAL, THE NAGA REGIMENT, 50 RASHTRIYA RIFLES
4. JC-343611F SUBEDAR GOPAL SINGH, THE CORPS OF ENGINEERS, 9 RASHTRIYA RIFLES
5. JC-523846W NAIB SUBEDAR VIPAN KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 11 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
6. 13626181L HAVILDAR SURJEET SINGH, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 57 RASHTRIYA RIFLES
7. 13626842A HAVILDAR KULDEEP SINGH, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
8. 13626900Y HAVILDAR ANGREJ SINGH, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
9. 14834312A HAVILDAR KADAM VINOD BHIMRAO, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
10. 14933162X HAVILDAR METTA GIRIBABU, 21 MECHANISED INFANTRY
11. 15621613X HAVILDAR DIPAK KUMAR YADAV, 1 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
12. 4582534W HAVILDAR SAKHARE KAILASH BHAGWAN, 12 MAHAR
13. 9108484H HAVILDAR ZAFFAR IQBAL, 5 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
14. 15501450Y LANCE DAFADAR BALDEV SINGH, THE ARMOURED CORPS, 8 RASHTRIYA RIFLES
15. 15242712A NAIK RAM RAKHA RAM, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34 RASHTRIYA RIFLES
16. 21006068H NAIK SACHIN YADAV, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 32 RASHTRIYA RIFLES
17. 4377888L NAIK WINPANG PUMOH, THE ASSAM REGIMENT, 42 RASHTRIYA RIFLES
18. 9116183N NAIK SHAMMI KUMAR, 9 PARA (SPECIAL FORCES)

19. 2710765N LANCE NAIK PARVEEN SHARMA, 1 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
20. 3209353N LANCE NAIK JEET BAHADUR YADAV, THE JAT REGIMENT, 34 RASHTRIYA RIFLES
21. 19012255X SEPOY PANTH PUNJAB SINGH, 19 SIKH
22. 20006913M SEPOY ARVIND SINGH, THE DOGRA REGIMENT, 11 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
23. 4591098L SEPOY MANISH KAUSHIK, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES
24. 13635701M PARATROOPER SURESH THAKUR, 7 PARA (SPECIAL FORCES)
25. IC-70477M LIEUTENANT COLONEL TUSHAAR MENON, 14 GARHWAL RIFLES
26. IC-72052M LIEUTENANT COLONEL LAJU KR, 209 ARMY AVIATION SQUADRON (UH)
27. IC-76232M LIEUTENANT COLONEL WAGH BHUPAL VASANT, THE CORPS OF ENGINEERS, 113 RCC (GREF)
28. IC-76905W MAJOR NEERAJ KUMAR SHARMA, 12 PARA (SPECIAL FORCES)
29. IC-78127P MAJOR PARDEEP BALHARA, THE PARACHUTE REGIMENT, 31 RASHTRIYA RIFLES
30. IC-79727K MAJOR RAJEEV KAUSHAL, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 5 RASHTRIYA RIFLES
31. IC-84052Y MAJOR SANJAY ADHIKARI, 23 GRENADIERS
32. IC-85058M MAJOR ABHIJITH VS, THE REGIMENT OF ARTILLERY, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCE
33. SC-00929M MAJOR AJITH KUMAR J, 13 MAHAR
34. IC-89201L CAPTAIN AKARSH SHUKLA, 16 PUNJAB
35. 140400 ACIO-I THUPSTAN TSEPHEL, INTELLIGENCE BUREAU, ITBF
36. JC-423749K SUBEDAR ANIL VARMA, THE MECHANSIED INFANTRY, 5 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
37. 00069686X DEPUTY LEADER KALDEN PANJUR, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCE
38. 13626126P HAVILDAR BANEET KUMAR, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
39. 5252174N HAVILDAR KUNAL GURUNG, THE 11TH GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
40. 9426714M HAVILDAR NIRAN TAMANG, THE 11TH GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
41. 9427788N HAVILDAR ARUN KUMAR SUBEDI, THE 11TH GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
42. 9427828K HAVILDAR RANJEET LIMBOO, 12 PARA (SPECIAL FORCES)
43. 15804990F LANCE NAIK KAVINDER, THE PARACHUTE REGIMENT, 31 RASHTRIYA RIFLES
44. 18011411N LANCE NAIK GAJENDRA KUMAR, 12 PARA (SPECIAL FORCES)
45. 14872688L SEPOY INBARAJA R, 556 ARMY SERVICE CORPS BATTALION (POSTHUMOUS)
46. 19015053F SEPOY SANDEEP SINGH, 25 SIKH
47. 4382085H SEPOY S LUNGHANGLONG, 9 ASSAM
48. 16131708Y PARATROOPER MADDEPPA SARAPUR, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
49. IC-74540N LIEUTENANT COLONEL NARINDER SHARMA, 2 MAHAR
50. IC-77320P MAJOR SURAJ RANA, 5/9 GORKHA RIFLES
51. IC-82494Y MAJOR RAMNEEK SINGH BHATIA, THE GARHWAL RIFLES, 28 ASSAM RIFLES
52. IC-85551A MAJOR KARAN BAINSLA, 5/9 GORKHA RIFLES
53. IC-85976Y CAPTAIN TARANJEET SINGH, 4 MAHAR
54. 5853109X HAVILDAR DEEPAK THAPA, 5/9 GORKHA RIFLES
55. A-6100455W AGNIVEER YUVRAJ SINGH, 57 MOUNTAIN DIVISION PROVOST UNIT

56. JC-414341K SUBEDAR MAHESH SINGH, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
57. 13014544A NAIK DHIREN SINHA, 166 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
58. 13014848X SEPOY SANJIT KUMAR BARMAN, 166 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
59. G/5012042N RIFLEMAN S S LOMCHU CHANG, 44 ASSAM RIFLES
60. IC-73875Y LIEUTENANT COLONEL JIGMET SINGAY, 2 LADAKH SCOUTS
61. IC-79242F MAJOR SAURAV DEOPA, 20 MADRAS
62. IC-80894M MAJOR SUHAIL SHAHNAWAZ, THE CORPS SIGNALS, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
63. 4377808H NAIK SUBHANKAR BHOWMIK, 10 ASSAM (POSTHUMOUS)
64. 4381096H SEPOY AIBOK MADUR, 10 ASSAM (POSTHUMOUS)
65. 15262754N GUNNER NIRAJ KUMAR, 219 MEDIUM REGIMENT
66. SS-49911A MAJOR ROHIT KUMAR, THE 5TH GORKHA RIFLES, 23 ASSAM RIFLES
67. JC-414797H SUBEDAR ROHOKALE GANESH SHAHURAJ, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
68. 13630572N NAIK KH DILIP BABU SINGHA, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
69. IC-74977F LIEUTENANT COLONEL ANUPAM THAPA, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 52 SPECIAL ACTION GROUP, NATIONAL SECURITY GUARD
70. IC-79114K MAJOR NITIN KUMAR TYAGI, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 39 (INDEPENDENT) R&O FLIGHT
71. MR-10732K CAPTAIN B SREEVIJAY NAIR, THE ARMY MEDICAL CORPS, GARHWAL SCOUTS
72. SS-52750N LIEUTENANT PUSHPENDRA PAYAL, THE ARMY SERVICE CORPS, GARHWAL SCOUTS
73. JC-551069P SUBEDAR LALREM THANG HMAR, 7 ASSAM
74. JC-344427H NAIB SUBEDAR SURJEET SINGH, 418 (INDEPENDENT) FIELD COMPANY
75. 4379532W NAIK KAMAL JOSHI, 7 ASSAM
76. IC-67128X LIEUTENANT COLONEL VIKRAMJIT SINGH, 23 (INDEPENDENT) R&O FLIGHT
77. IC-76632Y MAJOR GANGESH KUMAR, 23 (INDEPENDENT) R&O FLIGHT
78. 5051426Y NAIK TULSING BAGALE, 1/1 GORKHA RIFLES
79. IC-89285K CAPTAIN ADITYA SINGH, 19 RAJPUT
80. JC-483232H NAIB SUBEDAR SURJEET SINGH, 19 RAJPUT
81. 16131705L SAPPER MAHESH N WALI, THE CORPS ENGINEERS, 126 RCC (GREF) (POSTHUMOUS)
82. IC-68482Y COLONEL KRISHAN SINGH RAWAT, SC, SM, 1 PARA (SPECIAL FORCES)
83. IC-74489Y LIUETENANT COLONEL RAVI DHILLON, 21 FIELD AMMUNITION DEPOT
84. IC-74825A LIUETENANT COLONEL PRAVEEN KUMAR, 18 KUMAON
85. IC-77899A MAJOR ANIL KUMAR, 138 MEDIUM REGIMENT
86. IC-80463A MAJOR DHOMNEY PRASHEEL PRAVIN, 19 MADRAS
87. IC-84745W MAJOR IK AIMSON INPUI, 25 MADRAS
88. IC-87293K MAJOR SUBHASH CHAND GHILDIYAL, 9 PUNJAB
89. SS-48544M MAJOR PRADYUMAN SINGH BHATI, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
90. SS-49799Y MAJOR JERRY BLAIZE, THE MADRAS REGIMENT, 25 RASHTRIYA RIFLES
91. IC-88870X CAPTAIN ADHIRAJ SINGH RAWAT, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
92. IC-88874N CAPTAIN ANAND PRATAP SINGH, 2 PARA (SPECIAL FORCES)

93. IC-89461W CAPTAIN ARJIT KUTLEHRIA, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
94. IC-89757P CAPTAIN ASHISH PATHAK, 16 SIKH LIGHT INFANTRY
95. IC-90027W CAPTAIN MANISH YADAV, 5 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
96. IC-89822K LIUTENANT ARVIND CHAUHAN, 8 MADRAS
97. SS-52347F LIUTENANT PRATEEK JETHANANDANI, 22 MEDIUM REGIMENT
98. JC-414777P SUBEDAR KUNDAN SINGH, 10 PARA (SPECIAL FORCES)
99. JC-414999K NAIB SUBEDAR RAJENDRA PRASAD, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
100. 15233744F REGIMENT HAVILDAR MAJOR SURENDRA SINGH, 65 MEDIUM REGIMENT
101. 15195415Y HAVILDAR RAJKUMAR M, 76 FIELD REGIMENT
102. 15787678A HAVILDAR BABULAL PRAJAPAT, 403 LIGHT AIR DEFENCE REGIMENT (COMPOSITE)
103. 2503294Y HAVILDAR SANDEEP SINGH, 27 PUNJAB
104. 5759444H HAVILDAR GANESH BAHADUR SHRESTHA, 3/8 GORKHA RIFLES
105. 5759856K HAVILDAR LAXMAN GURUNG, 7/8 GORKHA RIFLES
106. 9426508H HAVILDAR RABIN RAI, 5/11 GORKHA RIFLES
107. 13631375X NAIK AMIT SINGH JASROTIA, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
108. 2714418M NAIK KRISHNA CHAUHAN, THE GRENADIERS, 12 RASHTRIYA RIFLES
109. 3015661A NAIK PANKAJ SHARMA, THE RAJPUT REGIMENT, 23 RASHTRIYA RIFLES
110. 4207239N NAIK MANOJ SINGH BISHT, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
111. 9118088A NAIK PRITAM SINGH KALAS, 6 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
112. 2507753K LANCE NAIK YOGESH SINGH, 9 PARA (SPECIAL FORCES)
113. 4288089A LANCE NAIK PAWAN MAHALI, 12 BIHAR
114. 2518145H SEPOY KULVINDER SINGH, 30 PUNJAB
115. A-3451016K AGNIVEER GURJANT SINGH, 99 MEDIUM REGIMENT
116. 06125-W COMMANDER HARISH NARAYANANKUTTY
117. 08225-T LIEUTENANT COMMANDER DAVIS EMMANUEL VEEDON
118. 08559-A LIEUTENANT COMMANDER KSHITIJ VASHISTH
119. 08856-A LIEUTENANT COMMANDER SRIKANTH S M
120. 238681-H LA (FD) HARI KUMAR
121. 23615, GROUP CAPTAIN SUMIT PRASAD, ADMINISTRATION
122. 24183, GROUP CAPTAIN VIPIN REHANI, FLYING (PILOT)
123. 24555, GROUP CAPTAIN MOHAN NAMDEO, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
124. 25065, GROUP CAPTAIN SAMAR VEER SAHARAN, VSM, FLYING (PILOT)
125. 25600, GROUP CAPTAIN PRASHANT ARORA, VSM, FLYING (PILOT)
126. 25665, GROUP CAPTAIN SANJEEV RAO, FLYING (NAVIGATOR)
127. 25717, GROUP CAPTAIN TARA DUTT KARNATAK, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
128. 25837, GROUP CAPTAIN RITAM KUMAR, VM, FLYING (PILOT)
129. 25870, GROUP CAPTAIN SUNIL KUMAR DESWAL, FLYING (PILOT)
130. 26143, GROUP CAPTAIN S PARAMESWARAN, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
131. 26280, GROUP CAPTAIN PARIJAT SAURABH, VM, FLYING (PILOT)
132. 26296, GROUP CAPTAIN CHARLES SHORABH SIMON, FLYING (PILOT)

133. 26299, GROUP CAPTAIN VISHWAS ASHOK JAMKAR, FLYING (PILOT)
134. 26314, GROUP CAPTAIN LAXMAN SINGH CHARAN, FLYING (PILOT)
135. 26518, GROUP CAPTAIN JIJO JOSE OVELIL, VM, FLYING (PILOT)
136. 26955, GROUP CAPTAIN PARIJAT JHA, FLYING (PILOT)
137. 26963, GROUP CAPTAIN TANMAY KHARE, FLYING (PILOT)
138. 27059, GROUP CAPTAIN P SAJINI, ADMINISTRATION
139. 27197, GROUP CAPTAIN RAJESH AGARWAL, VM, FLYING (PILOT)
140. 27210, GROUP CAPTAIN YATHARTHA JOHRI, FLYING (PILOT)
141. 27325, GROUP CAPTAIN C CLEMENT CHELLIAH ANANTHARAJ, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
142. 27467, GROUP CAPTAIN SAURABH KARMAKAR, FLYING (PILOT)
143. 27494, GROUP CAPTAIN RAKESH KUMAR YADAV, FLYING (NAVIGATOR)
144. 27978, GROUP CAPTAIN GURINDER SINGH, FLYING (PILOT)
145. 28028, GROUP CAPTAIN SAMEEP NIJHAWAN, FLYING (PILOT)
146. 28173, GROUP CAPTAIN SAGILI SAI KIRAN, FLYING (PILOT)
147. 28207, GROUP CAPTAIN CHIKKANAYAKNAHALLI JAGADEESH CHETHAN, FLYING (PILOT)
148. 28209, GROUP CAPTAIN GAURAV KUNDALIA, FLYING (PILOT)
149. 28444, GROUP CAPTAIN VIPUL KUMAR, FLYING (NAVIGATOR)
150. 28446, GROUP CAPTAIN DANPREET PAUL SINGH BALI, FLYING (PILOT)
151. 28449, GROUP CAPTAIN SUSHIL KUMAR, FLYING (PILOT)
152. 28452, GROUP CAPTAIN ABHISHEK RAINA, FLYING (PILOT)
153. 28463, GROUP CAPTAIN SAMEER YADAV, FLYING (PILOT)
154. 28487, GROUP CAPTAIN ABHISHEK TRIPATHI, FLYING (PILOT)
155. 28512, GROUP CAPTAIN GOWDHAMAN KARTHIKEYAN, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
156. 28679, GROUP CAPTAIN AMOL SUDHIR KELKAR, FLYING (PILOT)
157. 29032, GROUP CAPTAIN SACHIN KUMAR, FLYING (PILOT)
158. 29037, GROUP CAPTAIN GUNADNYA RAMESH KHARCHE, SC, FLYING (PILOT)
159. 29042, GROUP CAPTAIN BHARAT MALHOTRA, FLYING (PILOT)
160. 29333, GROUP CAPTAIN INDERJEET SINGH, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
161. 29882, GROUP CAPTAIN MANISH JOSHI, FLYING (PILOT)
162. 29885, GROUP CAPTAIN SAHIL KAPOOR, FLYING (PILOT)
163. 27469, WING COMMANDER PANKAJ PANT, FLYING (PILOT)
164. 27710, WING COMMANDER SOMRAJ MITRA, FLYING (PILOT)
165. 27960, WING COMMANDER BHASKAR AARUNI, FLYING (PILOT)
166. 27997, WING COMMANDER ANKUR DAGAR, FLYING (PILOT)
167. 28014, WING COMMANDER NEERAJ SINGH, FLYING (NAVIGATOR)
168. 28024, WING COMMANDER RAJAT DEVENDRA GUPTA, FLYING (PILOT)
169. 28168, WING COMMANDER MARIA ISMENIA SANCHIA PEREIRA, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)
170. 28485, WING COMMANDER CHINTAMANI TELANG, FLYING (PILOT)

171. 29229, WING COMMANDER MILIND LONDHE, FLYING (PILOT)

172. 29385, WING COMMANDER KESHAV SHARMA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

173. 29472, WING COMMANDER ASHUTOSH BHADOLA, FLYING (PILOT)

174. 29506, WING COMMANDER MAYANK KUKRETI, FLYING (PILOT)

175. 29520, WING COMMANDER JUGAL KISHOR LOHANI, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

176. 29522, WING COMMANDER SUVOJIT DUTTA, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

177. 29698, WING COMMANDER MANISH KUMAR SINGH, FLYING (PILOT)

178. 29739, WING COMMANDER GIRISH RAJKUMAR BOLDARA, FLYING (PILOT)

179. 30145, WING COMMANDER SHREE KRISHNA, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

180. 30170, WING COMMANDER SHREY TOMAR, VM, FLYING (PILOT)

181. 30226, WING COMMANDER JOYANTA MUKHERJEE, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

182. 30307, WING COMMANDER SANDEEP WAILA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

183. 30446, WING COMMANDER AVDESH TRIPATHI, FLYING (PILOT)

184. 30499, WING COMMANDER PRASHANT KONDAL, FLYING (PILOT)

185. 30555, WING COMMANDER SATENDER KUMAR BARAR, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

186. 30565, WING COMMANDER SAURABH KUMAR, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

187. 30746, WING COMMANDER DEEPAK PRASAD, FLYING (PILOT)

188. 30801, WING COMMANDER MD RAKIBUR MIRZA, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

189. 30933, WING COMMANDER KAUSHAL KUMAR JHA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

190. 30954, WING COMMANDER NITIN SEHRA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

191. 30994, WING COMMANDER MANOJ YADAV, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

192. 31060, WING COMMANDER YATHISH N, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

193. 31141, WING COMMANDER SOURABH SURYAKANT AMBURE, FLYING (PILOT)

194. 31322, WING COMMANDER DANISH HANDA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

195. 31325, WING COMMANDER RAVEESH VASHISHT, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

196. 31350, WING COMMANDER SUNIL KUMAR, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

197. 31962, WING COMMANDER DEEPAK UPADHYAY, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

198. 32100, WING COMMANDER HAREEN MUKESH JOSHI, FLYING (PILOT)

199. 32230, WING COMMANDER PRITI YADAV, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

200. 32533, WING COMMANDER DHANN SINGH, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

201. 32622, WING COMMANDER RETAISH WALI, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

202. 33070, WING COMMANDER POONAM GULIA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

203. 32500, SQUADRON LEADER SHASHANK, FLYING (PILOT)

204. 33200, SQUADRON LEADER DHRUV TREHAN, FLYING (PILOT)

205. 33235, SQUADRON LEADER AMOL VIJAY SHITOLE, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

206. 33236, SQUADRON LEADER MANOJ KUMAR, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

207. 33330, SQUADRON LEADER K MUTHAMIL SELVAN, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

208. 33500, SQUADRON LEADER SANKET SHRIKANT PANDE, FLYING (PILOT)

209. 33550, SQUADRON LEADER SANJAY KUMAR KALKHURIYA, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

210. 33615, SQUADRON LEADER NIKHIL SANJAY MAHAGAONKAR, FLYING (NAVIGATOR)

211. 33925, SQUADRON LEADER RANMAY RANJAN GHOSH, FLYING (PILOT)

212. 34043, SQUADRON LEADER ANKITA SINGH, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

213. 34185, SQUADRON LEADER SUMANGLA SHARMA, FLYING (PILOT)

214. 34325, SQUADRON LEADER KULDEEP SINGH, ADMINISTRATION

215. 34495, SQUADRON LEADER SWAPNIKA SAXENA, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

216. 34499, SQUADRON LEADER KIRTI PANDEY, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

217. 34542, SQUADRON LEADER SEHAJ VEER SINGH SIDHU, FLYING (PILOT)

218. 34544, SQUADRON LEADER SUDHIR KUMAR, FLYING (PILOT)

219. 35269, SQUADRON LEADER KUNAL VERMA, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

220. 35597, SQUADRON LEADER BRIJRAJ SINGH RATHORE, FLYING (PILOT)

221. 35600, SQUADRON LEADER BENDHI ROHAN REDDY, FLYING (PILOT)

222. 35701, SQUADRON LEADER ANUP OMPRAKASH SINGH, AERONAUTICAL ENGINEERING (ELECTRONICS)

223. 35829, SQUADRON LEADER NISHANT SRIVASTAVA, FLYING (PILOT)

224. 35895, SQUADRON LEADER NAMAN BHATT, FLYING (NAVIGATOR)

225. 35984, SQUADRON LEADER KHSITIJ SINGH SEHLOT, FLYING (PILOT)

226. 36038, SQUADRON LEADER ANOOP RAWAT, FLYING (PILOT)

227. 36089, SQUADRON LEADER KARTIK MENON, AERONAUTICAL ENGINEERING (MECHANICAL)

228. 36163, SQUADRON LEADER AMOL GARG, FLYING (PILOT)

229. 36207, SQUADRON LEADER KAUSTUBH SANDIP MULEY, FLYING (PILOT)

230. 36218, SQUADRON LEADER DHARMADHIKARI SAURABH SHRIRANG, FLYING (PILOT)

231. 36442, SQUADRON LEADER SAHIL SAHU, FLYING (PILOT)

232. 36519, SQUADRON LEADER HARPREET SINGH, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER

233. 36417, FLIGHT LIEUTENANT IQBAL SINGH GILL, FLYING (PILOT)

234. 36597, FLIGHT LIEUTENANT SAMARTH SHUKLA, FLYING (PILOT)

235. 36599, FLIGHT LIEUTENANT BICHKAR SHUBHAM SANTOSH, FLYING (PILOT)

236. 36608, FLIGHT LIEUTENANT DIGVIJAY CHARAK, FLYING (PILOT)

237. 36619, FLIGHT LIEUTENANT ANKIT SHARMA, FLYING (PILOT)

238. 36637, FLIGHT LIEUTENANT AKASH MAKARAND BIBIKAR, FLYING (PILOT)

239. 36639, FLIGHT LIEUTENANT VIKRAM JAYWANT, FLYING (PILOT)

240. 36665, FLIGHT LIEUTENANT MIHIR SINGH, FLYING (NAVIGATOR)

241. 36668, FLIGHT LIEUTENANT HRITHIK GAUR, FLYING (NAVIGATOR)

242. 37066, FLIGHT LIEUTENANT SAANAND DUDPURI, FLYING (PILOT)

243. 37088, FLIGHT LIEUTENANT SHAKTI PANCHAL, FLYING (PILOT)
244. 37093, FLIGHT LIEUTENANT ANKIT THAPA, FLYING (NAVIGATOR)
245. 37243, FLIGHT LIEUTENANT DHRUV BHARDWAJ, MEDICAL
246. 37340, FLIGHT LIEUTENANT ASHISH KUMAR, FLYING (PILOT)
247. 37427, FLIGHT LIEUTENANT RAVI KUMAR, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
248. 37657, FLIGHT LIEUTENANT ANANYA SHARMA, FLYING (PILOT)
249. 37953, FLIGHT LIEUTENANT ANURAG KUSHWAHA, FLYING (PILOT)
250. 38017, FLIGHT LIEUTENANT SWASTIKA JAMWAL, FLYING (NAVIGATOR)
251. 38300, FLIGHT LIEUTENANT ANISH SINGH SISODIYA, FLYING (PILOT)
252. 38972, FLYING OFFICER PRANAV BELLUR, ACCOUNTS
253. 39186, FLYING OFFICER ABHISHEK SURYAWANSHI, ADMINISTRATION/ FIGHTER CONTROLLER
254. 728159, MASTER WARRANT OFFICER GIRISH KUMAR JHA, WEAPON FITTER
255. 766709, MASTER WARRANT OFFICER MOHAN KISHOR THAKUR, FLIGHT GUNNER
256. 708555, WARRANT OFFICER SURESH KUMAR M P, AIR DEFENCE SYSTEM OPERATOR
257. 769698, WARRANT OFFICER RAJESH PRASAD GUPTA, WEAPON FITTER
258. 776152, WARRANT OFFICER KRISHNA MOORTHY POORNAIYAN, ENGINE FITTER
259. 779344, JUNIOR WARRANT OFFICER KRISHNA KUMAR YADAV, WEAPON FITTER
260. 780334, JUNIOR WARRANT OFFICER SUNEESH AMBAT, MECHANICAL TRANSPORT DRIVER
261. 793711, JUNIOR WARRANT OFFICER NARESH KUMAR, RADIO FITTER
262. 798624, JUNIOR WARRANT OFFICER SANTOSH KUMAR, MISSILE FITTER (ELECTRICAL)
263. 904514, JUNIOR WARRANT OFFICER DEEPAK KUMAR, INDIAN AIR FORCE (GARUD)
264. 911313, JUNIOR WARRANT OFFICER RAJESH POTTA, ELECTRICAL FITTER (R)
265. 913848, JUNIOR WARRANT OFFICER BHARAT SINGH BHAKUNI, WEAPON FITTER (R)
266. 779698, SERGEANT NILESH KUMAR, WEAPON FITTER
267. 908230, SERGEANT ZUBAIR AHMAD KHAN, OPERATIONAL ASSISTANT (AIR DEFENCE)
268. 909853, SERGEANT BHALE SINGH, MISSILE FITTER (ELECTRICAL) (RETIRED)
269. 922562, SERGEANT RAMJEEWAN CHOUDHARY, AUTOMOBILE TECHNICIAN
270. 925695, SERGEANT PRATEEK SINGH, ELECTRONICS FITTER
271. 932711, SERGEANT DEEPAK SINGH RAWAT, WEAPON FITTER (R)
272. 932964, SERGEANT DEEPAK KUMAR, WEAPON FITTER (R)
273. 933259, SERGEANT MANOJ KUMAR YADAV, WEAPON FITTER (R)
274. 933639, SERGEANT RENJU P R, FLIGHT GUNNER
275. 934098, SERGEANT ABHISHEK KUMAR, WEAPON FITTER (R)
276. 934122, SERGEANT RAGHVENDRA TIWARI, WEAPON FITTER (R)
277. 936965, SERGEANT SORABH YADAV, ENVIRONMENTAL SUPPORT SERVICES ASSISTANT
278. 940533, SERGEANT PRAVESH YADAV, ELECTRICAL FITTER (R)
279. 941404, SERGEANT KARAMAVIR, INDIAN AIR FORCE (POLICE)
280. 943491, SERGEANT RAHUL KUMAR SINGH, OPERATIONAL ASSISTANT (AIR DEFENCE)
281. 957854, SERGEANT DEEPAK SHARMA, FLIGHT ENGINEER

282. 958325, SERGEANT SURESH VISHNOI, FLIGHT ENGINEER

283. 960537, SERGEANT PAWAN KUMAR SINGH, OPERATIONAL ASSISTANT (AIR DEFENCE)

284. 966732, CORPORAL ANKIT SHUKLA, OPERATIONAL ASSISTANT (AIR DEFENCE)

285. 979090, CORPORAL JAHID BEG, ELECTRONICS FITTER

286. 986282, CORPORAL VISHAL KUMAR PANDEY, INDIAN AIR FORCE (SECURITY)

287. 9107975-M, SEPOY MOHD ZABAIR, DEFENCE SERVICE CORPS

288. EXGS-194815M OEM KARMBIR SINGH (POSTHUMOUS)

289. EXGS-177682L OVSR PANNU LAL SHARMA (POSTHUMOUS)

290. EXGS-173897M DVRMT-1 VIJAY SINGH (POSTHUMOUS)

S.M. SAMI
Under Secretary

MINISTRY OF FISHERIES, ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING
(DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING)

New Delhi-110001, the 23rd September 2025

RESOLUTION

No. 11015/1/2019-Hindi (Computer No. 18515)—In supersession of the Resolution No. 11015/1/2019-Hindi dated 22nd September, 2021 of the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, Government of India has decided to reconstitute the Joint Hindi Salahkar Samiti of both departments- Department of Animal Husbandry and Dairying and Department of Fisheries.

The composition of the Samiti will be as follows:-

Minister of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying	Chairman
Minister of State for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying	Vice-chairman
Minister of State for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying	Vice-chairman

Members of Parliament nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs		
1.	Sh. Parbhubhai Nagarbhai Vasava Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
2.	Sh. Kartick Chandra Paul Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
3.	Sh. Naresh Bansal Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
4.	Sh. Neeraj Dangi Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
Members of Parliament nominated by the Committee of Parliament on Official Language		
5.	Maharaja Sanajaoba Leishemba Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
6.	Dr. Anil Sukhdevrao Bonde Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member

Representative of Voluntary Hindi Organization

7.	Prof. Sudhir Pratap Singh (Vishwa Hindi Parishad) S-32, First Floor, Business Complex, Green Park, near Uphar Cinema, New Delhi-110016 Mobile No. – 8586016348 Email – vishwahindiparishadoffice@gmail.com	Member

Representative of Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad

8.	Sh. Gajendra Singh, Assistant Engineer House No. – 1107, Sector-4 R. K. Puram, New Delhi Mobile No. - 7011576498	Member

Non-Official Members nominated by the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying

9.	Shri Rajesh Raj-Senior Hindi Journalist Tower A3/1002, Golf City Plot-7, Sector-75, Noida, Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh-201301 Mobile No. – 9818955988 Email-rajeshrajddnews@gmail.com	Member
10.	Dr. Rajendra Milan-Senior Writer Milan Manjri, Azaad Nagar Khandari, Agra-282002 Mobile No. – 9808600607 Email-rajendramilan.milan@gmail.com	Member
11.	Smt. Shruti Sinha-Hindi Writer, 89, Meharbagh, Sikander Pur, Dayalbagh, Agra, Uttar Pradesh-282005 Mobile No. - 9837200924 Email:- sshrutiagr@gmail.com	Member
12.	Sh. Hariom Sharma-Hindi Writer and social servent 14/1, Kothi Meena Bazaar, Shahganj, Agra-10 Mobile No. - 9149366238/9058873585 Email-hs.3995729@gmail.com	Member

Non Official Members nominated by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs.

13.	Smt. Shaharban M., Valiyamathil House, Pallikunnu Quarters, Pushpa Road, Kawarati, Lakshadweep-682555 Mobile No. – 7356500533 Email:- jameelsaman@gmail.com	Member
14.	Dr. Anil Sharma, Shiv Sadan, 77/16, Purvanchali, Railway Road, Ganeshpur, Roorkee-247667 Mobile No. - 9758812188 Email:- dranilsharmarke.com	Member
15.	Sh. Baldau Ram Sahu, Ward No.-53, New Adarsh Nagar, Near Hotel Sai Ram, Potiya Chowk, Durg (Chhattisgarh) -491001 Mobile No. – 9407650458 email- br.ctd1958@gmail.com	Member

Official Members

16.	Secretary, Department of Animal Husbandry & Dairying	Member
17.	Secretary, Department of Fisheries	Member
18.	Secretary, Department of Official Language	Member
19.	Additional Secretary and Financial Advisor, Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying	Member
20.	Additional Secretary (CDD), Department of Animal Husbandry & Dairying	Member

21.	Additional Secretary (LH), Department of Animal Husbandry & Dairying	Member
22.	Animal Husbandry Commissioner, Department of Animal Husbandry & Dairying	Member
23.	Joint Secretary (Administration and Inland Fisheries), Department of Fisheries	Member
24.	Joint Secretary (Marine Fisheries), Department of Fisheries	Member
25.	Joint Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs	Member
26.	Joint Secretary (NLM), Department of Animal Husbandry & Dairying	Member
27.	Joint Secretary (Official Language), Department of Animal Husbandry & Dairying	Member Secretary

Functions of the Samiti:

The function of this committee is to render advice with regard to the implementation of the policies laid down by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs regarding the use of Hindi for official purposes and also with regard to the progressive use of Hindi in the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying.

Travelling allowance and daily allowance to non-official members :

The non-official members of the committee shall be paid travelling and daily allowances for attending the meeting of the Committee in accordance with the guidelines contained in the Department of Official Language Office memorandum No.11/20034/4/86-O.L.(A-2) dated 22 January, 1987 and at the rates fixed by the Government of India under the rules and as amended from time to time.

Tenure

The tenure of the committee shall generally three years from the date of its constitution subject provided that:

a. A member, who is a Member of Parliament, will cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament:

b. Ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti:

c. If a vacancy arises on the Samiti due to the death, resignation etc. of any member, the member appointed against that vacancy shall hold office for the residual term of three years.

Gereral

The headquarters of the Samiti shall be at New Delhi.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Niti Aayog, President' s Secretariat, Vice-President's Secretariat, Comptroller & Auditor General of India, Union Public Service Commission, Principal Pay & Accounts Office, Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, all Attached & subordinate offices and public Sector Undertakings etc. of the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying and all Ministries & Departments of the Government of India.

Ordered also that the resolution be published in the gazette of India for general public information.

K. GURUMURTHY
Joint Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

KSHITIZ MOHAN Digitally signed by KSHITIZ MOHAN Date: 2025.10.06 08:41:32 +05'30'